शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 304 | गुवाहाटी | शनिवार, 3 जून, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

ठगने के आरोप में भाजपा के स्थानीय नेता गिरफ्तार पेज 3

ब्रिक्स देशों ने आतंकवाद के सभी रूपों की निंदा की पेज 4

उप्र में लोकसभा क्षेत्र स्तर पर 80 रैलियां करेगी भाजपा, प्रधानमंत्री मोदी का... पेज 5

पायलट के ट्वीट से सियासी चर्चा तेज अब उनके अगले कदम का इंतजार पेज 8

मणिपुर में लोगों ने 140 हथियार पुलिस को सौंपे

इंफाल। मणिपुर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के चार दिनों के दौरे का असर देखने को मिला है। शाह ने मणिपुर में कई बैठकें करने के बाद शांति का मार्ग निकालने की पुरजोर कोशिश की थी। इसी के मद्देनजर उन्होंने लोगों से भी शांति बनाने की अपील की थी, जिसका परिणाम अब मिलने लगा है। दरअसल, शाह की अपील के बाद मणिपुर में अलग-अलग जगहों पर 140 हथियार पुलिस को सौंपे गए हैं। सरेंडर किए गए 140 हथियारों में एसएलआर 29, कार्बाइन, एके 47, इंसास राइफल, इंसास एलएमजी, प्वाइंट 303 राइफल, 9 एमएम पिस्टल, प्वाइंट 32 पिस्टल, एम16 राइफल, स्मोक गन और आंसू गैस, स्थानीय निर्मित पिस्तौल, स्टेन गन, राइफल, ग्रेनेड लांचर और जेवीपी शामिल हैं। गृह मंत्री ने राज्य के चार दिवसीय दौरे के अंतिम दिन इंफाल में एक संवाददाता सम्मेलन में हिंसा प्रभावित मणिपुर में सभी वर्गों से शांति बनाए रखने और सद्भाव को बढ़ावा देने के साथ-साथ आत्मसमर्पण करने की अपील की थी। शाह ने इसके साथ चेतावनी दी थी कि पुलिस द्वारा तलाशी अभियान के दौरान अगर किसी के पास हथियार मिलते हैं तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। शाह ने इसी के साथ मणिपुर के लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की भी अपील की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सरकार की ओर से गृह मंत्री ने मणिपुर हिंसा में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना भी व्यक्त की थी। वहीं, अब मणिपुर सरकार ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि मणिपुर में जातीय हिंसा में कम से कम 98 लोगों की जान चली गई और 310 अन्य घायल हो गए। साथ ही बताया कि वर्तमान में कुल 37,450 लोग 272 राहत शिविरों में हैं। मणिपुर में तीन मई को भड़की हिंसा के बाद से आगजनी के कुल 4,014 मामले सामने आए हैं। हिंसा में मौतों की संख्या 98 है और घायलों की संख्या 310 है। बयान में कहा गया है कि पिछले एक महीने में राज्य पुलिस ने 3,734 मामले दर्ज किए हैं और 65 लोगों को हिंसा में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। सेना, असम राइफल्स, सीएपीएफ और स्थानीय पुलिस को संवेदनशील स्थानों पर तैनात किया गया है। बयान में कहा गया है कि अब तक केंद्रीय सशस्त्र बलों की 84 कंपनियों को तैनात किया गया है। बयान में कहा गया है कि और कंपनियां तैनात की जा रही हैं। फ्लैग मार्च और एरिया डोमिनेशन एक्सरसाइज व्यापक रूप से की जा रही हैं। छीने गए हथियार और गोला-बारूद बरामद करने के लिए आज से तलाशी अभियान चलाया जाएगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि सरकार ने लोगों से लूटे गए हथियार और गोला-बारूद को सरेंडर करने की अपील की। छीने हुए हथियार और गोला-बारूद के साथ पकड़े जाने पर किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बयान में कहा गया है कि अब तक सुरक्षा एजेंसियों ने 11 मैगजीन के साथ 144 हथियार बरामद किए हैं। आगे बयान में कहा कि इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, बिष्णुपुर और फिरजावल में 12 घंटे, कांगपोकपी में 11 घंटे, चुराचंदपुर और चंदेल में 10 घंटे, जिरिबाम और तेनुगोपाल में आठ घंटे और थौबल और काकचिंग -शेष पृष्ठ दो पर

वंदे भारत ट्रेन जून के अंत तक सभी राज्यों में दौड़ेगी : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली (हि.स.)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सेमी हाई स्पीड ट्रेन *वंदे भारत एक्सप्रेस* को मोदी सरकार की बड़ी उपलब्धि बताया और कहा कि इसी जून के महीने में देश के सभी राज्यों को वंदे भारत ट्रेन से कवर कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि दुनिया के केवल आठ देशों के पास वंदे भारत जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस ट्रेन को बनाने की क्षमता है। नरेंद्र मोदी की सरकार के नौ साल पूरे होने पर रेल मंत्रालय की उपलब्धियों को गिनवाते हुए अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को भाजपा मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि साल 2014 के बाद भारत में बड़ा बदलाव आया

है। खासकर रेलवे सेक्टर पहले से कहीं ज्यादा बदल रहा है। आज रेलवे की व्यवस्था यात्रियों के लिए ज्यादा सुविधाजनक है, ट्रेनों में विश्वस्तरीय सुविधाएं हैं और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वंदे भारत एक विश्वस्तरीय ट्रेन बन चुकी है। 160-180 किमी प्रति घंटा की स्पीड से दौड़ने वाली ऐसी ट्रेन के बारे में कभी सोचा भी नहीं गया था। उस गति पर ट्रेन को डिजाइन किया गया है। दुनिया के केवल आठ देशों के पास ऐसी ट्रेन को डिजायन और बनाने की क्षमता है। वैष्णव ने कहा कि अभी जून के महीने में देश के सभी राज्यों को वंदे भारत ट्रेन से कवर कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले नॉर्थ-ईस्ट तक सरकारी योजनाएं सबसे अंत में मिलती थी लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काल में इस -शेष पृष्ठ दो पर

मिजोरम को सीमा संबंधी दावों पर अभी तक असम की प्रतिक्रिया का इंतजार

एजल। मिजोरम सरकार ने गुरुवार को दावा किया कि वह अंतर-राज्य सीमा विवाद के संबंध में पूर्व द्वारा प्रस्तुत दावों पर अपने असम समकक्ष से प्रतिक्रिया का इंतजार कर रही है। मिजोरम ने फरवरी में राज्य की सीमा पर अपना दावा पेश किया था। जैसा कि पिछले साल नवंबर में आयोजित बातचीत में सहमति हुई थी, हमने सीमा पर एक सर्वेक्षण किया और अपने दावे प्रस्तुत किए। यह निर्णय लिया गया कि असम अप्रैल या मई के भीतर -शेष पृष्ठ दो पर

39 आदिवासी विद्रोहियों ने हथियार डाले

गोलाघाट (हि.स.)। आदिवासी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (एपीएलए) के 39 सक्रिय कैडरों ने शुक्रवार को असम राइफल्स और बोकाजान पुलिस स्टेशन के समक्ष अपने हथियार डाल दिए। पुलिस के इन प्रयासों पर कैडरों के परिजनों ने आभार जताया है। दरअसल, दिग्भ्रमित आदिवासी युवाओं को सही दिशा में लाने के लिए इंस्पेक्टर जनरल असम राइफल्स (उत्तर) और असम पुलिस के तत्वावधान में असम

राइफल्स व स्पीयर कॉर्प्स के सुरक्षा बल लगातार प्रोत्साहित करने का काम किया जा रहा है। इन्हीं के प्रयासों से 39 दिग्भ्रमित लोगों ने अपने हथियार पुलिस को सौंप दिए हैं। इन हथियारों में तीन एके सीरीज राइफल्स, 19 पिस्तौल, पांच अन्य राइफल्स, दो ग्रेनेड और विभिन्न जीवित गोला बारूद शामिल हैं। पुलिस के इस महत्वपूर्ण प्रयास से दिग्भ्रमित आदिवासी विद्रोहियों के मुख्यधारा में आने से इनके परिजन खुश हैं और उन लोगों ने पुलिस का आभार जताया। क्योंकि इन लोगों ने सद्भाव का मार्ग चुनकर अपने समुदायों की भलाई में योगदान करने के लिए तैयार हुए हैं।

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

स्कूलों और आस-पास के इलाकों में छापे, 200 हिरासत में

बेंगलुरु। बेंगलुरु पुलिस स्कूलों और कॉलेजों के आस-पास सक्रिय ड्रग माफिया को निशाना बनाकर छापेमारी कर रही है। शहर में 250 से ज्यादा जगहों पर

छापेमारी और तलाशी अभियान जारी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार शुक्रवार को छापेमारी तीन दिनों से जारी है। अब तक नशा तस्करी को लेकर 100 से अधिक मामले दर्ज किए जा चुके हैं। छात्रों को ड्रग्स की आपूर्ति करने के आरोप में 200 से अधिक लोगों को हिरासत में -शेष पृष्ठ दो पर

मालगाड़ी से टकराई कोरोमंडल एक्सप्रेस, 150 से ज्यादा घायल

बालासोर। ओडिशा के बालासोर जिले में बहानागा रेलवे स्टेशन के पास एक बड़ा ट्रेन हादसा हो गया। बहनागा स्टेशन के पास कोरोमंडल एक्सप्रेस और मालगाड़ी आपस में टकरा गई। तलाशी और बचाव अभियान के लिए टीमें मौके पर पहुंच गई हैं। दोनों ट्रेनों की टक्कर इतनी जोरदार थी कि कोरोमंडल एक्सप्रेस पटरी से उतरी और उसके कई डिब्बे मालगाड़ी पर चढ़ गए। तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि ट्रेन का इंजन मालगाड़ी के डिब्बों के ऊपर चढ़ गया है। ओडिशा के मुख्य सचिव ने कहा कि कोरोमंडल एक्सप्रेस रेल दुर्घटना में 132 घायलों को सोरो सीएचसी, गोपालपुर सीएचसी और खांटापाड़ा पीएचसी में स्थानांतरित किया गया। वहीं ओडिशा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के एमडी ने कहा कि 47 घायलों

को बालासोर के मेडिकल कॉलेज लाया गया है। विशेष राहत आयुक्त कार्यालय ने बताया कि बालासोर कलेक्टर को भी सभी जरूरी व्यवस्था करने के लिए मौके पर पहुंचने और राज्य स्तर से किसी भी अतिरिक्त मदद की आवश्यकता होने पर एसआरसी को भी सूचना दे दी गई है। ओडिशा ट्रेन दुर्घटना पर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का बयान आया है। उन्होंने कहा यह जानकर हैरानी हुई कि पश्चिम बंगाल से यात्रियों को ले जा रही शालीमार-कोरोमंडल एक्सप्रेस आज शाम बालासोर के पास एक मालगाड़ी से टकरा गई और बाहर जाने वाले हमारे (बंगाल) कुछ लोग गंभीर रूप से घायल/घायल हो गए। हम अपने लोगों की भलाई के लिए ओडिशा सरकार और दक्षिण पूर्व रेलवे के साथ -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

पांच ट्रिलियन डॉलर अर्थ-व्यवस्था के लिए विश्वस्तरीय सड़कें जरूरी : गडकरी

वडोदरा। केंद्रीय सड़क और परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को दिल्ली-वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेसवे के वडोदरा-मुंबई खंड का निरीक्षण किया। इसी के साथ वडोदरा शहर के पास दुमद में एक सभा को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा भारत में सभी राजमार्ग 2024 तक विश्व मानकों के होंगे। साथ ही बोले कि पीएम मोदी की परिकल्पना के अनुसार भारत को पांच ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए विश्वस्तरीय मानक की सड़कों की जरूरत है। केंद्रीय मंत्री गडकरी सूरत-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर डुमड जंक्शन पर 48 करोड़ रुपए की लागत से बने फ्लाईओवर, अंडरपास और सर्विस रोड का उद्घाटन करने आए थे। उन्होंने कहा कि आप देश में कहीं भी जाएं, आपको अच्छी गुणवत्ता वाले राष्ट्रीय राजमार्ग मिलेंगे। हमारा देश बदल -शेष पृष्ठ दो पर

महापंचायत में भिड़े किसान व खाप नेता

चंडीगढ़ (हि.स.)। पहलवानों के मुद्दे पर कुरूक्षेत्र में हुई महापंचायत में किसान नेताओं व खाप प्रतिनिधि आपस में ही भिड़ गए। विवाद इतना बढ़ा की नौबत हाथापाई व मारपीट तक आ गई। पुलिस ने स्थिति को संभाली और खाप नेताओं को वहां से बाहर निकाला। पहलवानों के मामले में अगली रणनीति के लिए महापंचायत में किसान नेता राकेश टिकैत समेत सात सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। राकेश टिकैत ने कहा है कि -शेष पृष्ठ दो पर

अमर्त्य सेन से भूमि वापस जरूर लेगा विश्वभारती : कुलपति

कोलकाता। विश्वभारती विश्वविद्यालय और नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन के बीच चल रहा भूमि विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। विश्वभारती के कुलपति बिद्युत चक्रवर्ती ने कहा है कि विश्वविद्यालय अमर्त्य सेन से भूमि को वापस लेने के लिए कानूनी रूप से कदम उठाएगा।

पत्र में उन्होंने कहा कि भूमि के अतिक्रमण का समर्थन नहीं किया जा सकता है और कानून सभी के लिए समान देखें। कुलपति ने कहा कि यह कहा गया था कि विश्वविद्यालय का आरोप अमान्य -शेष पृष्ठ दो पर होना चाहिए। चक्रवर्ती ने गुरुवार को एक खुले पत्र में कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा सेन को दिया गया बेदखली नोटिस सार्वजनिक डोमेन में है और विश्वविद्यालय की आलोचना करने वालों से अनुरोध किया जाता है कि वे अपनी टिप्पणी करने से पहले जरूर सोचें और मामले को

सुप्रभात
दौलत, दोस्त, पत्नी और राज्य दोबारा हासिल किए जा सकते हैं, लेकिन ये शरीर दोबारा हासिल नहीं किया जा सकता।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

हाथ में त्रिशूल और ओम का टैटू, बैग में मिली सिर कटी लाश

मुंबई। मुंबई से सटे भयंदर की खाड़ी में शुक्रवार को एक बैग में एक लड़की की लाश मिलने से हड़कंप मच गया। बरामद शव का सिर गायब है और मृतक लड़की के हाथों में त्रिशूल और ओम का टैटू बना हुआ है। मृतक लड़की की उम्र करीब 25 से 30 साल बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक लाश 3-4 दिन पुरानी हो चुकी है। किसी ने लाश को बैग में भर कर समंदर में फेंका है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सिर कटी लाश मिलने की -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस अगले तीन-चार विधानसभा चुनाव में बीजेपी का सफाया कर देगी : राहुल

वाशिंगटन। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दावा किया है कि उनकी पार्टी अगले तीन-चार विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का *सफाया* कर देगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनके पास सत्तारूढ़ पार्टी को हराने के लिए आवश्यक मूलभूत चीजें हैं और भारतीय आबादी का एक बड़ा हिस्सा सत्तारूढ़ पार्टी का समर्थन नहीं करता। अमेरिका के तीन शहरों की अपनी यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने गुरुवार को जाने माने भारतीय-अमेरिकी फ्रैंक इस्लाम द्वारा उनके लिए आयोजित स्वागत कार्यक्रम में यह टिप्पणी की। कार्यक्रम में एक

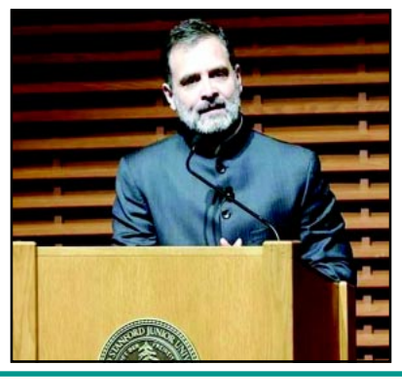

सवाल के जवाब में राहुल ने कहा कि लोगों को ऐसा लगता है कि आरएसएस (स्वयंसेवक संघ) और भाजपा की ताकत को रोका नहीं जा सकता, लेकिन ऐसा नहीं है। मैं यहां भविष्यवाणी करता हूं कि अगले तीन से चार चुनाव, जो हम भाजपा के खिलाफ सीधे लड़ेंगे, उनमें उसका सफाया होगा। उन्होंने कहा कि मैं अभी आपको बता सकता हूं कि विधानसभा चुनाव में उनके लिए वास्तव में कठिन समय आने वाला है। हम उनके साथ वही करेंगे जो हमने कर्नाटक में किया है, लेकिन अगर आप भारतीय मीडिया से पूछेंगे तो वे कहेंगे कि ऐसा नहीं होगा। -शेष पृष्ठ दो पर

लोक केरल सभा : कांग्रेस ने सीपीआई (एम) पर लगाए आरोप

तिरुवनंतपुरम। केरल की सत्ताधारी पार्टी ने बताया कि फंड के लिए अमेरिका में लोक केरल सभा का आयोजन किया जाएगा। अनिवासी केरल सम्मेलन न्यूयॉर्क में आयोजित किया जाएगा। पार्टी का कहना है कि कार्यक्रम का आयोजन आयोजक कर रहे हैं न कि राज्य सरकार। लोक केरल सभा का आयोजन शुरू होने से पहले ही विवाद शुरू हो गया था। कार्यक्रम को लेकर आरोप सामने आए कि केरल सीएम पीनाराई विजयन के साथ खड़े या बैठने के लिए प्रवासी लोगों से शुल्क लिया -शेष पृष्ठ दो पर

छत्रपति का स्वराज ही संघ का हिंदू राष्ट्र : भागवत

नागपुर (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक को 350 वर्ष पूरे हो रहे हैं। छत्रपति द्वारा स्थापित स्वराज ही संघ का

हिंदू राष्ट्र है। नागपुर के रेशमबाग में आयोजित संघ के तृतीय वर्ष संघ शिक्षा वर्ग के समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सरसंघचालक ने बताया कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने राष्ट्र की स्वतंत्रता की घोषणा की थी और उसी से हिन्दू साम्राज्य की स्थापना की थी। शिवाजी महाराज ने -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

एपीडीसीएल ने बिजली की दरें प्रति यूनिट बढ़ाने की घोषणा की

गुवाहाटी। असम पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एपीडीसीएल) ने बिजली की खपत के लिए मासिक टैरिफ बढ़ाने के अपने फैसले की घोषणा की, जिससे राज्य में उपभोक्ताओं के बीच चिंता बढ़ गई। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब एपीडीसीएल बिजली की खपत की प्रति यूनिट 30 पैसे से 70 पैसे तक टैरिफ बढ़ाने की योजना बना रही है, जिससे सब्सिडी वाले और गैर-सब्सिडी वाले उपभोक्ता दोनों प्रभावित होंगे। रिपोर्टों के अनुसार, सब्सिडी वाली जीवन धारा योजना के तहत नामांकित उपभोक्ताओं को 30 पैसे प्रति यूनिट की दर से वृद्धि देखने को मिलेगी, जबकि अन्य उपभोक्ताओं को 70 पैसे की बढ़ोतरी का अनुभव होगा। एपीडीसीएल ने संशोधित दरों का विवरण देते हुए 27 मई को एक अधिसूचना जारी की। नई टैरिफ संरचना के तहत, जीवन धारा उपभोक्ताओं को प्रति यूनिट बिजली के लिए 4.35 रुपए का भुगतान करना होगा। अधिसूचना में कहा गया है कि 120 यूनिट तक की खपत करने वाले परिवारों के लिए टैरिफ 5.25 रुपए प्रति यूनिट होगा, जबकि 121 और 240 यूनिट के बीच खपत करने वालों को 7.30 रुपए प्रति यूनिट की उच्च दर का सामना करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त, 5 से 30 किलोवाट बिजली की खपत करने वाले परिवारों को 8.15 रुपए प्रति यूनिट, जबकि व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को 8.60 रुपए प्रति यूनिट का भुगतान करना होगा। यह पहली बार नहीं है जब एपीडीसीएल ने टैरिफ बढ़ोतरी का सहारा लिया है। इस वर्ष जनवरी में, उन्होंने विद्युत नियामक आयोग के निर्णय के अधीन 1 रुपए प्रति यूनिट की वृद्धि का प्रस्ताव रखा। इससे पहले, दरों में 30 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी की गई थी। एपीडीसीएल का दावा है कि ये टैरिफ समायोजन एक विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने और ग्राहकों के लिए सेवाओं में सुधार के लिए आवश्यक हैं। ग्राहकों को एपीडीसीएल द्वारा 9 दिसंबर को जारी किए गए निर्देशों के माध्यम से अतिरिक्त 30 पैसे प्रति यूनिट शुल्क के बारे में सूचित किया गया था। इसके अलावा, कंपनी ने पहले नवंबर, दिसंबर में बिजली बिलों के लिए 79 पैसे प्रति यूनिट के ईंधन और बिजली खरीद मूल्य समायोजन (एफपीपीपीए) शुल्क की घोषणा की थी।

चीन के मुकाबले भारत में विदेशी पत्रकार बिना कठिनाई के कर रहे हैं काम : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली (हि.स.)। विदेश मंत्रालय का कहना है कि चीनी पत्रकारों सहित सभी विदेशी पत्रकार भारत में बिना किसी कठिनाई के रिपोर्टिंग और मीडिया कवरेज कर रहे हैं। उनके लिए कोई दायरा नहीं है। भारत आशा करता है कि चीनी अधिकारी चीन से काम करने वाले और रिपोर्टिंग करने वाले भारतीय पत्रकारों को निरंतर उपस्थिति की सुविधा प्रदान करेंगे। इस मुद्दे को लेकर दोनों पक्षों के बीच संपर्क बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि बुधवार को चीन ने कहा था कि पत्रकारों पर हो रही कार्रवाई के लिए भारत ही जिम्मेदार है। वहां के विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार ने चीनी पत्रकारों के वीजा की अवधि बेवजह ही कम कर दी और मई 2020 के बाद से वीजा जारी नहीं किए हैं। इसी के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में दोनों देशों के बीच पत्रकारिता से जुड़े माहौल की तुलना की। साथ ही कहा कि सामान्य पत्रकारिता व्यवहार और गतिविधियों से या पत्रकार वीजा को नियंत्रित करने वाले प्रावधानों में कोई बदलाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन में भारतीय पत्रकार कुछ कठिनाइयों के साथ काम कर रहे हैं। स्थानीय लोगों को संवाददाता या पत्रकार के रूप में नियुक्त करने की अनुमति नहीं दी जा रही है। वहीं विदेशी मीडिया भारत में अपने ब्यूरो के लिए काम करने के लिए स्वतंत्र रूप से स्थानीय पत्रकारों को नियुक्त कर सकता है और करता भी है।

डकैती के मामले में 15 साल से फरार आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद (हिंस)। क्राइम ब्रांच 56 ने डकैती के मुकदमे में 15 साल से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने शुक्रवार को बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम रामपाल है जो राजस्थान के भरतपुर में स्थित चकघरवारी गांव का रहने वाला है। वर्ष 2008 में तिगांव थाने में डकैती की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था जिसमें आरोपी ने अपने 8 अन्य साथियों के साथ मिलकर तिगांव एरिया में स्थित नीलम भट्टा फतुपुरा पर सो रहे भट्ठे के कर्मचारियों के साथ मारपीट की ओर उन्हें बांधकर 1 ट्रैक्टर ट्रॉली, 02 मोबाइल और गहने लूटे थे। पीड़ित की शिकायत के आधार पर थाने में मुकदमा दर्ज करके आरोपियों की तलाश की गई। फरीदाबाद पुलिस द्वारा इस मामले में इससे पहले 3 आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है जिसमें उमेद उर्फ राजू, धर्मबीर और दीपक का नाम शामिल है। आरोपी रामपाल का भाई राजपाल मर चुका है जिसका मृत्यु प्रमाण पत्र अदालत में जमा करवाया जा चुका है। इस मामले में अभी चार आरोपियों की गिरफ्तारी बकाया है जिन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो गए थे और पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिए अपने ठिकाने बदल बदल कर रहने लगे। काफी समय बीतने के पश्चात आरोपी भरतपुर के अपने गांव में रहने लगा था जो किसी काम से फरीदाबाद आया था जिसे गुप्त सूत्रों की सूचना के आधार पर फरीदाबाद आते ही गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी को अदालत में पेश करके 2 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी के खिलाफ भरतपुर में हत्या के प्रयास की धाराओं के तहत एक मुकदमा दर्ज है।

जल स्त्रोत मंत्री ने किया भाखड़ा-नंगल प्रोजेक्ट का दौरा

नंगल (हिंस)। पंजाब में किसानों को सिंचाई के लिए नहरी पानी मुहैया करवाने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार बेहतर नेटवर्क मुहैया करवा रही है। आगामी मानसून सीजन से पहले राज्य में बाढ़ रोकथाम के कार्य जून महीने मुकम्मल हो जाएंगे। यह बात जल स्त्रोत मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने शुक्रवार को भाखड़ा-नंगल डैम में भाखड़ा ब्यास प्रशासनिक बोर्ड के बुनियादी ढांचे और प्रबंधन का दौरा करने के उपरांत कही। मीत हेयर जो पहली बार यहां पहुंचे थे, को बीबीएमबी संस्थान अधीन आते बुनियादी ढांचे, पानी के नियमों और सहभागी राज्यों से अलग-अलग पदों के शेयर बारे अवगत करवाया गया। उन्होंने चल रहे कार्यों और भविष्य के प्रोजेक्टों बारे जानकारी हासिल की और भाखड़ा बांध और जल भंडारण का भी निरीक्षण किया।

केंद्र के खिलाफ सभी विपक्षी दलों को एकजुट होना होगा : केजरीवाल

रांची (हि.स.)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एवं पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शुक्रवार को हेमंत सोरेन से रांची में मुख्यमंत्री आवास में औपचारिक मुलाकात की। इसके बाद तीनों ने संयुक्त रूप से पत्रकारों से बातचीत की। केजरीवाल ने कहा कि हेमंत सोरेन के साथ हमारा भाई का रिश्ता है। आपस में हम लोगों ने कई विषयों पर चर्चा की है। उन्होंने कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने हमसे बहुत सी शक्तियां छीन ली थी लेकिन 11 मई को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली की चुनी हुई सरकार को वो सारी शक्तियां लौटा दीं। इसके बाद 19 मई को रात के अंधेरे में एक अध्यादेश जारी कर मोदी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश को पलट दिया। इस अध्यादेश को मानसून सत्र में संसद में पेश किया जायेगा। इसके खिलाफ सभी विपक्षी दलों को एकजुट होना होगा। केजरीवाल ने केंद्र के अध्यादेश को दिल्ली के लोगों के साथ अन्याय बताया। साथ ही कहा कि केंद्र सरकार ने जो किया, वह दिल्ली की जनता का अपमान है। केजरीवाल ने कहा कि अगर राज्यसभा में सभी गैर भाजपा सदस्य एकजुट हो जाएं तो राज्यसभा में भाजपा को हराया जा सकता है। क्योंकि, आज दिल्ली के साथ जो हुआ है, कल अन्य राज्यों के साथ भी हो सकता है। इसलिए इस अध्यादेश का डटकर विरोध करना होगा। दिल्ली के सीएम ने दावा किया कि सभी पार्टियों का उन्हें समर्थन मिल रहा है। झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने भी उन्हें आश्वस्त किया है कि संसद से सड़क तक वे मोदी सरकार के इस अध्यादेश के खिलाफ आम आदमी पार्टी की लड़ाई को अपना समर्थन देंगे। मैं दिल्ली की जनता की ओर से हेमंत को धन्यवाद देता हूं। झारखंड के लोगों को भी धन्यवाद देता हूं। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि केंद्र सरकार गैर भाजपा शासित प्रदेशों पर प्रहार कर रही है। वह इस विषय पर पार्टी में चर्चा करेंगे। दिशोम गुरु शिबू सोरेन से भी चर्चा करेंगे कि आगे क्या कदम उठाना चाहिए। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकारी अध्यक्ष सोरेन ने कहा कि बाबा भीमराव आंबेडकर ने जो लोकतंत्र हमें दिया था, उसे बचाने के लिए मजबूती के साथ लड़ाई लड़ेंगे। इसमें सभी लोगों की भूमिका सुनिश्चित करेंगे। सोरेन ने कहा कि इस विषय पर सभी राज्यों के साथ चर्चा हो रही है। दिल्ली में झारखंड के भी लोग रहते हैं। बिहार के भी लोग हैं। यूपी, केरल, महाराष्ट्र के लोग हैं। समूचे देश के जनप्रतिनिधि दिल्ली में रहते हैं। ऐसे निर्णय से आने वाले समय में पूरे देश पर असर डालेगा। देश के 80 प्रतिशत लोग जो हमारे देश में किसान और गांव देहात से आते हैं, उनके लिए बहुत ही पीड़ादायक साबित होगा। केजरीवाल पर जो कानून थोपने का प्रयास हो रहा है, उसपर राजनीतिक लड़ाई जरूरी है और जो कदम केजरीवाल जी ने बढ़ाया है, मैं चाहूंगा कि इस मुहिम में सफल हो यही कामना है। हेमंत सोरेन ने कहा कि चुनी हुई सरकार को जिस तरह से अधिकार विहीन किया जा रहा है, यह एक नई परंपरा की शुरुआत हो रही है और देश की अनेकता में एकता पर एक बड़ा प्रहार है। संघीय ढांचे की बात केंद्र सरकार करती है लेकिन कार्य उसके विपरीत होते हैं, जो केंद्र के सहयोगी सरकार नहीं है राज्यों में उनके साथ ऐसा ही व्यवहार हो रहा है। अभी कुछ दिन पहले देश के लोकतंत्र के मंदिर लोकसभा का उद्घाटन हुआ लेकिन उसी मंदिर के चंद दूरी पर कई और घटनाएं भी घटी तो यह सिर्फ गैर भाजपा सरकारों पर प्रहार नहीं है, बल्कि देश की जनता के ऊपर प्रहार है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा और आम आदमी पार्टी दोनों ही आंदोलन से निकली हुई पार्टी है तो हमें एक और आंदोलन की जरूरत है। लोकतंत्र और चुनाव को बचाने के लिए

पृष्ठ एक का शेष

मणिपुर में लोगों ...

जिलों में सात घंटे के लिए कर्फ्यू में ढील दी गई है। तमेंगलोंग, नोनी, सेनापति, उखरुल और कामजोंग में कोई कर्फ्यू नहीं है। बयान में कहा गया है कि एनएच -37 के साथ आवश्यक वस्तुओं की आवाजाही सुनिश्चित की गई है, यह देखते हुए कि लगभग 450 ट्रक आवश्यक वस्तुओं के साथ चल रहे थे। गृहमंत्री अमित शाह के चार दिवसीय दौरे के समापन और सामान्य स्थिति वापस लाने के लिए कई उपायों की घोषणा करने के एक दिन बाद मणिपुर में एक असहज शांति व्याप्त है।

वंदे भारत ट्रेन जून...

सोच में बदलाव आया है। नॉर्थ-ईस्ट को भी देश के साथ ही वंदे भारत की सुविधा मिली है। उन्होंने कहा कि बिहार और झारखंड को भी जल्द ही वंदे भारत ट्रेन मिलेगी। उन्होंने कहा कि रेलवे अगले साल के मध्य तक देश के 200 शहरों को कवर करने के लक्ष्य पर काम कर रही है। कई देशों की ट्रेनों के मुकाबले वंदे भारत ट्रेन को अधिक आरामदायक बताते हुए उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान वंदे भारत ट्रेन में पानी का गिलास अन्य देशों के मुकाबले कम हिलता है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले, कुल 21,000 किलोमीटर रेलवे लाइनों का विद्युतीकरण किया गया था, जबकि पिछले 9 वर्षों में यह संख्या 37,000 किलोमीटर तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि आज करीब 800 करोड़ लोग सालाना ट्रेन से यात्रा करते हैं, 250 करोड़ लोग सड़क से यात्रा करते हैं और 30 करोड़ लोग हवाई यात्रा करते हैं। साल 2014 में औसतन 4 किमी. प्रतिदिन रेलवे ट्रैक लगाए जा रहे थे जबकि आज औसतन 14 किमी. प्रतिदिन रेलवे ट्रैक लगाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 9 वर्षों में जिस तरह से रेलवे के हर क्षेत्र में रिफॉर्म किया गया है, उसका परिणाम आज दिखाई दे रहा है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि टेलिकॉम टेक्नॉलजी के लिए भारत हमेशा दुनिया पर निर्भर करता था, लेकिन आज *मेड इन इंडिया* के कारण दुनिया के सबसे समृद्ध देशों में भारत की तकनीक का निर्यात हो रहा है।

मिजोरम को सीमा ...

जवाब भेजेगा। मिजोरम गृह विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि हमें अभी तक उनसे जवाब नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि सीमा वार्ता के अगले दौर की तारीख अभी तय नहीं हुई है। पिछले साल 17 नवंबर को हुई सीमा वार्ता के दौरान, दोनों राज्यों ने फैसला किया था कि मिजोरम अपने दावों का समर्थन करने के लिए तीन महीने के भीतर गांवों, उनके क्षेत्रों, भू-स्थानिक सीमा, लोगों की जातीयता और अन्य प्रासंगिक जानकारी की सूची प्रस्तुत करेगा। यह भी निर्णय लिया गया कि विवादित सीमा मुद्दों के सौहार्दपूर्ण समाधान पर पहुंचने के लिए दोनों पक्षों की क्षेत्रीय समितियों का गठन करके दावों की जांच की जा सकती है। मिजोरम असम के साथ 164.6 किमी लंबी सीमा साझा करता है, और दोनों राज्यों में लंबे समय से सीमा विवाद है। विवाद ने जुलाई 2021 में एक बदसूरत मोड़ ले लिया था जब दोनों राज्यों के पुलिस बलों ने अंतर-राज्यीय सीमा पर आग लगा दी थी, जिससे असम के छह पुलिसकर्मियों और एक नागरिक की मौत हो गई थी।

स्कूलों और आस-पास...

लिया गया है और 15 किलोग्राम से अधिक गांजा और एमडीएमए जब्त किया गया है। गर्मी की छुट्टी के बाद फिर से खुले स्कूलों और कॉलेजों के आस-पास के इलाकों में छात्रों को बड़े पैमाने पर ड्रग्स बेचे जाने की सूचना मिलने पर पुलिस हरकत में आई। नशा माफियाओं पर नकेल कसने के तहत शहर के सभी प्रखंडों से पुलिस कर्मियों को लगाया गया है। पीजी हॉस्टल के आस-पास भी छापेमारी की जा रही है। मामले को लेकर अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

मालगाड़ी से टकराई ...

समन्वय कर रहे हैं। हमारे आपातकालीन नियंत्रण कक्ष को तुरंत 033-22143526/22535185 नंबर के साथ सक्रिय कर दिया गया है। बचाव, सहायता के लिए सभी प्रयास शुरू किए गए हैं। हम ओडिशा सरकार और रेलवे अधिकारियों के साथ सहयोग करने और बचाव कार्यों में सहायता के लिए 5-6 सदस्यों की एक टीम मौके पर भेज रहे हैं। मैं मुख्य सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ व्यक्तिगत रूप से लगातार स्थिति की निगरानी कर रही हूं। हादसे में कई यात्रियों के ट्रेन के पलटे डिब्बों में फंसे होने की खबर सामने आ रही है। वहीं रेलवे प्रशासन ने इस रूट की सभी ट्रेनों को रोक दिया है। साथ ही इस हादसे को लेकर प्रशासन ने इमरजेंसी कंट्रोल रूम का नंबर 6782262286 जारी कर दिया है। कोरोमंडल एक्सप्रेस के पटरी से उतरने के संबंध में पूछताछ के लिए रेलमदद अस्थायी हेल्पलाइन 044- 2535 4771 नंबर जारी कर दिया है। ओडिशा के मुख्यमंत्री ने राज्य मंत्री प्रमिला मल्लिक और विशेष राहत आयुक्त (एसआरसी) को तुरंत दुर्घटना स्थल पर पहुंचने का निर्देश दिया। मंत्री और एसआरसी घटना स्थल की ओर जा रहे हैं।

पांच ट्रिलियन डॉलर...

रहा है। भारत को एक विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाना हमारे पीएम का सपना है जो अपने गरीब और जरूरतमंद नागरिकों की देखभाल करता है। उन्होंने बेहतर सड़कों की आवश्यकताओं पर भी जोर दिया। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने एक बार कहा था कि अमेरिका की सड़के इसलिए अच्छी नहीं हैं कि अमेरिका अमीर है बल्कि अमेरिका इसलिए अमीर है क्योंकि यहां की सड़कें अच्छी हैं। आगे कहा कि गुजरात में दो लाख करोड़ रुपए की राजमार्ग परियोजनाएं चल रही हैं। मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि वर्ष 2024 समाप्त होने से पहले देश भर के राजमार्ग विश्वस्तरीय और अमेरिका जैसे बेहतर होंगे। आगे लोगों को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि गुजरात में, वर्तमान में दो लाख करोड़ रुपए की राजमार्ग परियोजनाएं चल रही हैं। मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि 2024 के अंत से पहले, देश भर के सभी राजमार्ग अमेरिकी सड़कों की तरह विश्व स्तर के होंगे और बताया कि गुजरात के देवभूमि द्वारका जिले में ओखा को बेत द्वारका द्वीप से जोड़ने वाला *सिग्नेचर ब्रिज* पूरा होने वाला है और सितंबर में मनाई जाने वाली जन्माष्टमी से पहले प्रधानमंत्री इसका उद्घाटन करेंगे। गडकरी के मुताबिक, एक लाख करोड़ रुपए की लागत से बन रहे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का काम राजस्थान सीमा तक पूरा हो चुका है, जबकि मुंबई तक का बचा हुआ हिस्सा अगले छह महीने में बनकर तैयार हो जाएगा। उन्होंने कहा कि सूरत-चेन्नई एक्सप्रेसवे, अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेसवे और राजस्थान में सांचौर और गुजरात में मेहसाणा के बीच काम चल रहा है।

महापंचायत में ...

सरकार से बातचीत का रास्ता खुला है और वह सरकार को पहलवानों के मुद्दे पर कुछ दिन की मोहलत देते हैं। पहलवानों के मुद्दे पर शुक्रवार को कुरूक्षेत्र की जाट धर्मशाला में महापंचायत का आयोजन किया गया था। इस महापंचायत में शामिल होने के लिए किसान संगठनों के प्रतिनिधि तथा खाप पंचायतों के प्रतिनिधि पहुंचे थे। सभी वक्ताओं ने सरकार व पहलवानों के दृष्टिकोण को लेकर अपने-अपने तर्क महापंचायत में रखे। खाप नेता सूबे सिंह सैमाण के भाषण के दौरान एक अन्य किसान नेता ने कहा कि मामले तो अभी किसानों के भी लंबित हैं, लेकिन कुछ लोग अपनी राजनीतिक रोटियां सेकने में लगे हैं। इस बात पर टिकैत गुट के लोग भड़क गए और विवाद बढ़ गया। विवाद इतना बढ़ा कि नौबत हाथापाई तक पहुंच गई। मौके पर मौजूद किसान नेताओं ने सूबे सिंह सैमाण के साथ धक्का-मुक्की करते हुए माइक छीन लिया। एक खाप नेता के गले में डाले गए साफे के साथ ही उसे घसीटा गया। इस किसान नेता राकेश टिकैत ने मामले को शांत करते हुए सभी पक्षों को समझाया। टिकैत ने कहा कि अगर सरकार कुछ नहीं करेगी तो देश की छवि खराब होगी। इस मुद्दे को इंटरनेशनल स्तर पर ले जाया जाएगा। अगर लड़कियों के साथ जंतर-मंतर पर धक्केशाही नहीं होती तो आज यहां एकत्र नहीं होते। टिकैत ने कहा कि सरकार के साथ बातचीत के रास्ते खुले हैं। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान जाट धर्मशाला के बाहर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। इस बीच हरियाणा में पहलवानों के समर्थन में बालू खाप ने बड़ा ऐलान किया है कि जब तक सांसद बृजभूषण शरण गिरफ्तार नहीं होंगा, तब तक खाप से जुड़े किसी भी गांव में भाजपा-जजपा के किसी भी नेता को कार्यक्रम नहीं करने दिया जाएगा। खाप में बालू समेत 10 के करीब बड़े गांव आते हैं। इन सभी में भाजपा-जजपा के नेताओं का विरोध होगा।

अमर्त्य सेन से भूमि...

है क्योंकि प्रोफेसर सेन को विवादित भूमि का कानूनी मालिक होने का दावा करने वाले कागजात उन्हें पशितम बंगाल के मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए थे। इस तरह के तर्क निराधार है। प्रोफेसर अमर्त्य सेन ने राहत के लिए मई की शुरुआत में कलकत्ता उच्च न्यायालय का रुख किया था क्योंकि विश्वविद्यालय ने उन्हें अपने पैतृक शांति निकेतन निवास में 0.13 एकड़ (5,500 वर्ग फुट) जमीन खाली करने का निर्देश दिया था, जिसके जवाब में एचसी ने अंतरिम रोक लगा दी थी। अपनी याचिका में अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन ने तर्क दिया कि अक्तूबर 1943 में, तत्कालीन विश्व-भारती महासचिव रतींद्रनाथ टैगोर ने उनके पिता आशुतोष सेन को 99 साल के पट्टे पर 1.38 एकड़ जमीन दी थी, जिन्होंने बाद में उस पर *प्रतिची* उनका निवास स्थान का निर्माण किया। सेन ने पहले बेदखली नोटिस के खिलाफ सूरी में एक अदालत का रुख किया था, लेकिन अदालत ने सुनवाई की तारीख 15 मई निर्धारित की जो विश्वविद्यालय की जमीन खाली करने की समय सीमा के काफी बाद आया। बता दें कि 1921 में रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा स्थापित, विश्वभारती पशितम बंगाल का एकमात्र केंद्रीय विश्वविद्यालय है, और प्रधानमंत्री इसके कुलाधिपति हैं।

कांग्रेस अगले तीन-चार...

कर्नाटक में 10 मई को हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने बहुमत हासिल कर भाजपा को सत्ता से बाहर कर दिया था। राहुल गांधी ने भारतीय-अमेरिकियों के आमंत्रित समूह, थिंक-टैंक समुदाय के सदस्यों और सांसदों से कहा कि भारतीय प्रेस वर्तमान में वह दिखा रही है जो पूरी तरह से भाजपा के पक्ष में है। उन्होंने कहा कि इस बात पर कृपया ध्यान दें कि भारत के 60 प्रतिशत लोग भाजपा को वोट नहीं देते, नरेंद्र मोदी को वोट नहीं देते। आपको यह याद रखना है। भाजपा के हाथ में ऐसा साधन है, जिसके जरिए वे हल्ला मचा सकते हैं, इसलिए वे चिल्ला सकते हैं.. वे चीजों को तोड-मरोड़ सकते हैं और वे यह काम बेहद अच्छे तरीके से करते हैं। हालांकि उनके पास (उनका समर्थन करने वाली) भारतीय आबादी का विशाल बहुमत नहीं है। राहुल ने एक सवाल के जवाब में कहा कि उन्हें यकीन है कि कांग्रेस, भाजपा को मात दे पाएगी। इस साल के अंत में पांच राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में विधानसभा चुनाव होंगे, जो 2024 में महत्वपूर्ण आम चुनाव के लिए मंच तैयार करेंगे। कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष (52) ने कहा कि लोकतांत्रिक ढांचे का पुनर्निर्माण आसान नहीं होगा। यह मुश्किल होगा। इसमें समय लगने वाला है, लेकिन हम पूरी तरह से आश्वस्त हैं कि भाजपा को हराने के लिए हमारे पास बुनियादी चीजें हैं। उन्होंने कहा कि आपने मीडिया से सुना होगा कि मोदी को हरा पाना नामुमकिन है। यह सब बहुत ही बढ़-चढ़ाकर कहा गया है। मोदी वास्तव में काफी कमजोर हैं। देश में व्यापक स्तर पर बेरोजगारी है, महंगाई है और भारत में ये चीजें लोगों को बहुत जल्दी और बेहद गहराई से प्रभावित करती हैं। बतौर सांसद उन्हें अयोग्य घोषित किए जाने के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मेरे लिए यह देखना बहुत दिलचस्प रहा है कि यह प्रक्रिया कैसे चलती है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इस तरह लोकतंत्र पर हमला किया जाता सकता है। यह लोकतंत्र पर हमला करने का तरीका है। हालांकि यह मेरे लिए बेहद अच्छा रहा। गौरतलब है कि सूरत की एक अदालत ने 2019 में *मोदी उपनाम* को लेकर की गई टिप्पणी से जुड़े मामले में राहुल को इस साल की शुरुआत में आपराधिक मानहानि का दोषी ठहराते हुए दो साल के कारावास की सजा सुनाई थी। सजा के ऐलान के बाद, कांग्रेस नेता को लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। वह केरल के वायनाड से सांसद थे। राहुल ने कहा कि यह मेरे लिए काफी अच्छा रहा क्योंकि इससे मुझे यह सीखने को मिला कि मुझे क्या करना है और कैसे करना है। मैं आप सभी का आपके समर्थन, प्यार और स्नेह के लिए शुक्रिया अदा करता हूं। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है... खासकर अमेरिका आना और यह देखना कि कई लोग हैं जो भारतीय लोकतंत्र को बचाने और उसकी रक्षा करने के लिए लड़ने को तैयार हैं।

लोक केरल सभा : कांग्रेस ...

जाएगा। कांग्रेस के आरोपों पर सीपीआई (एम) के सदस्य एके बालान ने कहा कि क्षेत्रीय कार्यक्रमों के आयोजनों के लिए अगर आयोजक शुल्क ले रहे हैं तो इसमें गलत क्या है। पूर्व मंत्री बालान का कहना है कि कांग्रेस विदेश में रह रहे केरलवासियों का मजाक उड़ा रही है। बालान ने आगे कहा कि आयोजक धन एकत्रित कर रह रहे हैं न की मंत्री। आयोजन कमेटी के अध्यक्ष का कहना है कि कहीं पैसों का दुरुपयोग तो नहीं हुआ, यह सुनिश्चित करने के लिए ऑडिट किया जाएगा। बालान के बयानों का जवाब देते हुए कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथाला ने कहा कि लोक केरल सभा आम प्रवासियों को लाभांवित नहीं करेगी। चेन्निथाला ने कहा कि विपक्ष ने कार्यक्रम का विरोध किया क्योंकि उन्हें लगता है कि कार्यक्रम का कोई मतलब नहीं है। कार्यक्रम का आयोजन सिर्फ उच्च कोटि के लोगों के लिए किया जाता है। कांग्रेस नेता का कहना है कि मैंने कभी नहीं सुना कि किसी सम्मेलन में सीएम के पास सिर्फ बैठने और उनके साथ खड़े होने के लिए भारी शुल्क लिया जाता हो।

छत्रपति का स्वराज...

देश के प्राचीन मूल्यों को जगाया। गोहत्या बंद कराई। मातृभाषा में व्यवहार करने लगे। स्वराज्य में मजबूत नौसेना की स्थापना की। उन्होंने जनता को एकजुट किया। उन लोगों की रक्षा की जो देश के प्रति वफादार थे। साथ ही, औरंगजेब द्वारा काशी विश्वनाथ मंदिर को नष्ट करने के बाद, शिवाजी ने औरंगजेब को पत्र भेजा था। उस पत्र मे शिवाजी ने कहा था कि राजा को धर्म के आधार पर प्रजा में भेदभाव नहीं करना चाहिए। सभी के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिए। छत्रपति ने औरंगजेब को चेताया था कि यदि प्रजा के साथ धार्मिक आधार पर भेदभाव हुआ तो वह तलवार लेकर उत्तर भारत पहुंचेंगे। भागवत ने बताया कि अपनी भाषा, संस्कृति और प्राचीन मूल्यों को बचाए रखते हुए देश को मातृभूमि मानने वाले सभी लोगों का स्वराज्य में स्थान और संरक्षण था। बतौर डॉ भागवत संघ के हिंदू राष्ट्र की अवधारणा की जड़ें शिवाजी महाराज के स्वराज में समाहित है। इस अवसर पर नेताओं और राजनीतिक पार्टियों पर विचार रखते हुए डॉ भागवत ने कहा कि राजनीतिक दलों के बीच सत्ता के लिए होड़ गलत नहीं है। प्रतियोगिता का अर्थ है संघर्ष लेकिन हमें इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि हम क्या करते हैं, क्या कहते हैं, कहां और कैसे कहते हैं। सत्ता के लिए राजनीतिक मतभेदों और प्रतिस्पर्धा को भी सीमा की आवश्यकता होती है। सरसंघचालक ने कहा कि राजनेताओं को सावधानी बरतनी चाहिए। यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके क्रियाकलापों से देश का नाम खराब न हो। सरसंघचालक ने आह्वान किया कि अपनी छोटी सी धार्मिक पहचान बरकरार रखने के लिए बेवजह की जिद करना ठीक नहीं। बाहरी मुल्कों से भारत में आए धर्मों के अनुयायियों को यह वास्तविकता स्वीकारनी चाहिए कि उनके पुर्खे यहीं के हैं। जो बाहर से आए थे, वह चले गए। अब जो शेष बचे हैं वह सभी हमेशा से हमारे अपने हैं। सरसंघचालक ने कहा कि हमे इस सत्य को स्वीकार कर आपसी संघर्ष छोड़ना होगा। भागवत ने बताया कि संघ 1925 से निरंतर रूप से देश और समाज के हित में काम कर रहा है। संघ को किसी से कुछ नहीं चाहिए। संघ किसी कार्य का श्रेय भी लेना नहीं चाहता। समाज और स्वयंसेवक मिलकर अच्छा काम कर रहे हैं। इसी तर्ज पर देश के सभी लोगों के इकट्ठा होने से हमारी तरक्की होगी। बतौर भागवत सभी के प्रयासों से देश आगे बढ़ेगा इसके अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं है। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्ववीरी कडसिद्धेश्वर स्वामी ने कहा कि संघ कार्य राष्ट्रीय कार्य है और जो कुछ भी देश और समाज के उत्थान के लिए आवश्यक है वह कार्य संघ और स्वयंसेवक द्वारा किया जाता है। इस अवसर पर उन्होंने देश के साधु-संतों से संघ के कार्यों में योगदान देने और देश को परम वैभव प्राप्त करने में सहयोग करने का आह्वान किया।

हाथ में त्रिशूल...

सूचना फैलते ही पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। बता दें कि कुछ दिन पहले भी महाराष्ट्र के वाशिम जिले में बोरी में बंद एक लड़की की सिर कटी लाश मिली थी। इस नृशंस हत्या के मामले में पुलिस ने मृतका के पिता को गिरफ्तार किया था। तब पिता ने बताया था कि वह अपनी मंदबुद्धि बेटी से काफी परेशान था, इसके चलते उसने अपनी बेटी को मौत के घाट उतार दिया।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **त्रयोदश अध्याय**

(गुरु-वंदना)

ऊठत ज्वाला विरह का, जलन अन्तरी दाह।
नयनन भरि भरि आवहीं, सुधि आवत उर आह॥ 11॥

शब्दार्थ : (ज्वाला) लपट, अग्निशिखा (दाह) धधक (नयनन) दोनों चक्षु (सुधि) चेत (आह) दु:ख पूर्ण शब्द।

भाष्य : विरह की ज्वाला उठती है और भीतर में दाह होने लगता है और दोनों नयन जल से भर आते हैं एवं हृदय में तेरी सुधि आते ही कठिन पीड़ा होने लगती है।

तव छबि झूँसी उर बसे, जब सुधि उठत मिमोर।
व्याकुल दुखित वियोग में, मैं अधीन जन तोर॥ 12॥

शब्दार्थ : (छवि) चित्र, शोभा (मिमोर) अन्तर्कष्ट (अधीन) शरणागत (जन) सेवक।

भाष्य : आप की छवि झूंसी-गुहा के दर्शन की हृदय में बसी हुई है। जब उसकी सुधि होती है, तब अंतर में वेदना होने लगती है और मैं आप का अधीन सेवक आप के वियोग में दु:खित हो कर व्याकुल हो उठता हूं।

नकदी के बदले नौकरी देने का वादा

ठगने के आरोप में भाजपा के स्थानीय नेता गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम के हैलाकांदी जिले में एक स्थानीय भाजपा नेता को नकदी के बदले नौकरी देने का वादा कर लोगों को ठगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अंसारुल हक चौधरी राज्य में भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चा के राज्य कार्यकारी सदस्य हैं। उसे पुलिस ने गुरुवार शाम जिले के काटलीचेरा इलाके में हिरासत में ले लिया। पुलिस उससे और जानकारी हासिल करने के लिए पूछताछ कर रही है। चौधरी के सोशल मीडिया प्रोफाइल पर मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, कैबिनेट मंत्री पीजूष हजारिका और राज्य के अन्य शीर्ष भाजपा नेताओं के साथ उनकी तस्वीरों की भरमार है। उन्हें अक्सर गुवाहाटी में पार्टी के अहम कार्यक्रमों में शिरकत करते देखा जाता था। प्राथमिक जांच के अनुसार, चौधरी ने पहले अपने इलाके में कई लोगों से राज्य सरकार में नौकरी दिलाने का वादा करके पैसे वसूले, हालांकि, अपने वादे को पूरा करने में विफल रहने के बाद भी, आरोपी ने लोगों के पैसे वापस नहीं किए। हैलाकांदी के नतून बाजार के रहने वाले दिलोवर हुसैन चौधरी के झूठे वादों के झांसे में आ गए। मामले का एहसास होने पर उन्होंने काटलीचेर्रा पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने चौधरी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 420, 406 और 468 के तहत शिकायत दर्ज की है। इसके अतिरिक्त, भाजपा नेता पर हैलाकांदी जिले के बोलिपर क्षेत्र के निवासी साहबउद्दीन से 7 लाख रुपए लेने का आरोप है। उसके खिलाफ 4 लाख रुपए और 3.9 लाख रुपए के चेक बाउंस के दो मामले भी दर्ज हैं। चौधरी की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जिला भाजपा के एक नेता ने कहा कि मामला अदालत में है और मुझे इस पर कोई टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। अगर आरोप सही हैं, तो यह एक गंभीर मामला है। राज्य नेतृत्व को इस पर निर्णय लेगा।

पंचायत चुनाव से पूर्व मतदाता सूची प्रकाश को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

रंगिया (विभास)। कामरूप जिला की उपायुक्त कीर्ति जल्ली की अध्यक्षता में आज अमीनगाँव स्थित एकीकृत जिला उपायुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में आगामी पंचायत चुनाव के लिए मतदाता सूचियों के प्रकाशन के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गयी। बैठक मे उपायुक्त ने जिले के ईआरओ, एईआरओ, बीडीओ, गांव पंचायत सचिव सहित चुनाव विभाग के अधिकारियों के साथ आगामी पंचायत चुनाव के लिए मतदाता सूचियों के प्रकाशन की तैयारियों पर चर्चा की। इस मौके पर उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने पर बल दिया कि कोई भी पात्र व्यक्ति पंचायत चुनाव की मतदाता सूची से बाहर न हो, विशेष रूप से स्थानांतरित मतदाताओं के नाम सटीक रूप से प्रकाशित किए जाएं और मृत मतदाताओं के नाम हटा दिए जाएं। जिला उपायुक्त कीर्ति जल्ली ने जिले के सभी नागरिकों से मतदाता सूची में अपना नाम शामिल करने का आग्रह किया। वहीं कामरूप जिले के अतिरिक्त उपायुक्त (चुनाव) कमल बरुआ ने भाषण प्रदान करते हुये कहा कि इसबार पहली बार मतदाता सूची ऑनलाइन के माध्यम से तैयार की जाएगी। इस सूची को तैयार करने के दौरान तकनीकी दिक्कतें आईं है, लेकिन इन दिक्कतों को दूर कर सही समय पर मतदाता सूची का प्रकाशन किया जा सकता है। बैठक में कामरूप जिले के निर्वाचन अधिकारी मानसज्योति बोरा ने भाग लेते हुए मतदाता सूची के प्रकाशन को लेकर संक्षिप्त भाषण दिया। आयोजित बैठक में गांव पंचायत सचिव ईआरओ सहित चुनाव

तामरहाट में परिवहन विभाग ने मारा छापा, पत्थर ले जा रहे 10 डंपर जब्त

धुबड़ी (हिंस)। परिवहन विभाग ने धुबड़ी जिला के तामरहाट में छापा मारकर अवैध रूप से पत्थर ले जा रहे दस डंपरों को जब्त कर लिया है। ज्ञात हो कि श्रीरामपुर से तामरहाट होते हुए सोनाहाट इंटरनेशनल ट्रेड सेंटर जाते समय रास्ते में डंपरों को जब्त किया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि धुबड़ी जिला के काचुगांव पीडब्ल्यूडी रोड से होते हुए दिन-रात पत्थरों से भरे ओवरलोड डंपर चलते रहते हैं। परिवहन विभाग के सूत्रों ने आज बताया है कि धुबड़ी परिवहन विभाग ने बीती रात पत्थर ले जा रहे दस ओवरलोड डंपरों (एएस-16सी-6506, एएस-26सी-5224, एएस-16एसी-2018, एएस-16एसी-1496, एएस-16एसी-4559, एनएल-01ए-4029, डब्ल्यूबी-63बी-5437, एनएल-01एएफ-4829, एएस-16एसी-4829, एएस-16एसी-4829) को जब्त किया गया।

कोकराझाड़ : महिला के गले से चेन छिनकर भाग रहा आरोपी गिरफ्तार

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ के वीआईपी रोड और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के बंगाला के पास की सड़क पर बीती रात झपटमार ने थानापारा की रहने वाली एक महिला के गले से सोने की चेन छीन कर फरार हो गया। चेन छीने जाने के बाद महिला के चिल्लाने की आवाज सुनकर स्थानीय लोगों ने झपटमार का पीछाकर उसे पकड़ लिया। बाद में उसकी जमकर पिटाई कर कोकराझाड़ पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने झपटमार के पास से एक रॉयल एनफील्ड बाइक जब्त किया है। गिरफ्तार झपटमार की पहचान कोकराझाड़ जिला के फकीराग्राम थाना अंतर्गत पोचागढ़ गांव के वर्ड नम्बर 6 निवासी अविनाश मिश्रा के रूप में किया गया है। पुलिस ने इस मामले में एक प्रथमिकता दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

विवाहिता ने की आत्महत्या, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

धुबड़ी (असम) (हिंस)। जिले के तामरहाट थाना अंतर्गत पगलाहाट बालासी गांव में एक विवाहिता ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। दो दिन पहले ही विवाहिता अपने पिता के घर से ससुराल आई थी। पुलिस ने घटनास्थल पर जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। विवाहिता के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। बरुनडांगा गांव की जेलेका खातून की शादी दो साल पहले पगलाहाट बालासी गांव के करीम अली के पुत्र जलाल के साथ हुई थी। उसका पति जलाल अली आंखों से नहीं देखता और न ही कानों से सुनता है। उसने बताया कि उसे घर से निकलने के लिए उसे रात में किसी का सहारा लेना पड़ता है। गुरुवार रात को परिजनों ने विवाहिता को फंदे पर लटके हुए देखा। घर वालों की चिल्लाने की आवाज सुनकर स्थानीय लोगों एकत्र हो गए।

मामस की होजाई शाखा ने हवाईपुर बस्ती गौशाला में बोरिंग व पानी टंकी की स्थापित

होजाई (निसं)। होजाई स्थित हवाईपुर बस्ती के गौशाला में गाय माताओं एवं काम करने वाले लोगों को हो रही पानी की सुविधाओं को देखते हुए आज अमृत धारा महोत्सव के तहत निर्जला ग्यारस के शुभ अवसर के दौरान अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की होजाई शाखा द्वारा बोरिंग के साथ पानी की टंकी की स्थापना गौशाला में करवाई गई। हवाईपुर बस्ती के पंडित विश्वनाथ शास्त्री (राधे-राधे) ने शाखा अध्यक्ष श्रीमती ज्योति सुरेका एवं सचिव प्रियंका सरावगी के साथ अन्य सदस्यों के साथ मिलकर संकल्प लेकर मोटर की विधि-विधान से पूजा अर्चना करवाई। साथ ही साथ कोषाध्यक्ष श्रीमती ममता खाखोलिया द्वारा स्विच बौड की भी पूजा की गई। सभी समिति की सदस्यों के सहयोग से यह शुभ कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। गौशाला कार्यक्रम में समिति के पूर्व अध्यक्ष प्रतिभा राठी, शीलू क्याल, दीपा सिंघानिया, शिला बजाज, मृदुल अग्रवाल, रितु बोरा, विनीता सरावगी, शिल्पा खाखोलिया, बबिता चनानी, अनु चनानी, सुनिता क्याल, संतोष झांवर, रूचि बजाज मौजूद थी।

मायुमं, बेलतला शिखर शाखा का स्वास्थ्य जांच शिविर कल

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी युवा मंच बेलतला शिखर शाखा अपने स्वास्थ्य सेवा के साथ शिक्षा व जल सेवा की श्रृंखला में आगामी 4 जून को बेलतला लखी मंदिर प्रांगण में बृहद रूप से एक शिविर आयोजन करने जा रही है। जिसमें रिलायंस मेड़ लेब और नवनीता हेल्थ केयर ने संयुक्त रूप से अपना सहयोग दिया है। यह बातें मायुमं बेलतला शिखर शाखा के अध्यक्ष संदीप पोद्दार ने दिसपुर प्रेस क्लब में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों को कही। उन्होंने आगे कहा कि स्वास्थ्य जांच शिविर में नि:शुल्क रक्त जांच, नि:शुल्क दवाई वितरण व नि:शुल्क सेनेटरी पैड वितरण के अलावा मायुमं के स्थाई प्रकल्प अमृतधारा कार्यक्रम के अंतर्गत शिविर के दौरान पानी की बोतल व जूस की बोतल वितरित की जाएगी। इस अवसर पर मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉक्टर नवीन बंसल, आंख, कान, नाक रोग विशेषज्ञ डॉक्टर एमएम चौधरी, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर मयूरी रहमान सईकिया और डॉ. अनीता जैन जांच शिविर में अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। शिविर में पंजीयन के समय स्मार्ट हेल्थ कार्ड का भी वितरण किया जाएगा। जिसमें 20 प्रतिशत छूट के साथ किसी भी तरह की जांच एवं रेडियोलॉजी टेस्ट करवाया जा सकता है। श्री पौदार ने आगे बताया कि इसी शिविर में मैट्रिक व हायर सेकेंडरी में 85 प्रतिशत से अधिक अंक लेकर उत्तीर्ण होने वाले छात्र-छात्राओं का भी अभिनंदन किया जाएगा। मायुम के निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष हिमशिखर खंडेलिया ने बताया कि इस शिविर में प्राईड ईस्ट इंटरटेनमेंट मैनेजिंग डायरेक्टर रिनिकी भुइयां मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित रहेगी संवाददाता सम्मेलन को पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष नवल किशोर मोर, प्रांतीय मंडलीय उपाध्यक्ष मितेश सुराना ने भी संबोधित किया। शाखा सचिव अविनाश अग्रवाल ने सभी पत्रकारों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

इंग्लैंड में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रबंधन की मास्टर डिग्री के लिए चयनित तमन्ना को लेकर क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर

नगरबेड़ा। बाघबर विधानसभा क्षेत्रों अंतर्गत आलोपति का रहने वाला और कामरूप जिले के बोको निर्वाचन क्षेत्र के नगरबेड़ा हायर सेकेंडरी स्कूल में विषय शिक्षक गाजी रहमान की बेटी और असम सरकार के स्वास्थ्य विभाग की कार्यकर्ता हावातन नेसा रहमान की बेटी तमन्ना तबाच्चुम रहमान को इंग्लैंड के ग्लूस्टरशायर विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रबंधन पाठ्यक्रम का अध्ययन करने का अवसर मिलने पर उत्साहित तमन्ना तबाच्चुम रहमान के माता पिता, रिश्तेदारों के साथ-साथ आलोपति और नगरबेड़ा के लोग। पता चला है कि तमन्ना तबस्सुम रहमान महाराष्ट्र मुंबई स्थित एनएईएमडी में स्नातक डिग्री हासिल करके क्रेक करने के लिए कथित तौर पर जब उसने महाराष्ट्र के पुणे में आईईएलटीएस परीक्षा की तैयारी शुरू की, तो आखिरकार उसे इंग्लैंड के बाहर के देशों के लिए आरक्षित सीटों में से 20 प्रतिशत सीटों पर विदेश में अध्ययन करने का मौका मिला। तमन्ना तबाचुम रहमान ने इसी साल के सितंबर में लंदन के लिए रवाना होंगी। छात्रा अपने दो साल के वीजा में एक साल पाठ्यक्रम में और एक साल नौकरी में शामिल होगी यह उसके पारिवारिक सूत्रों ने कहा। उल्लेखनीय है कि तमन्ना के पिता जन्म से बरपेटा जिले के बागबार निर्वाचन क्षेत्र के आलोपति चर की निवासी हैं, लेकिन वर्तमान में पड़ोसी कामरूप जिले के बोको निर्वाचन क्षेत्र के नगरबेड़ा में रह रहे हैं। कई लोगों ने असम के एक भीतर गांव आलोपति की तमन्ना को इंग्लैंड के ग्लूस्टरशायर विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार (प्लेसमेंट के साथ) में एमएससी का अध्ययन करने का अवसर प्राप्त करने के लिए बधाई दी है। इस बीच उसके माता-पिता और छात्रा ने लोगों का आशीर्वाद मांगा है ताकि आने वाले दिनों में छात्रा अपने सपने को हकीकत में बदल सके और असम का नाम रोशन कर सके।

मारवाड़ी अस्पताल में नि:शुल्क सर्जरी शिविर का उद्घाटन है मील का पत्थर : रमेश गोयनका

गुवाहाटी (विभास)। आठगांव स्थित मारवाड़ी अस्पताल ने लोहिया चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से मुफ्त सर्जरी शिविर और नई योजना के साथ एक कदम फिर से आगे बढ़ाया है। इस शिविर का उद्घाटन हॉस्पिटल के उपाध्यक्ष एवं मुख्य अतिथि तथा लोहिया चैरिटेबल ट्रस्ट मैनेजिंग ट्रस्टी कैलाश लोहिया ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। इस अवसर पर उनके साथ मारवाड़ी हॉस्पिटल के अध्यक्ष रमेश गोयंका, निवर्तमान अध्यक्ष शरद जैन, उपाध्यक्ष रामअवतार भरतिया, सचिव आरएस जोशी ओर अशोक धानुका उपस्थित थे। लोहिया चैरिटेबल ट्रस्ट की इस उपलब्धि के कारण चैरिटेबल के चेयरमैन बजरंग लोहिया और कैलाश लोहिया को फुलाम गमछा , शॉल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। नि:शुल्क सर्जरी शिविर के लिए पंजीकरण व स्क्रीनिंग 26 और 27 मई, 2023 को अस्पताल के परिसर में ही आयोजित की गई थी। संबंधित सर्जरी के लिए 107 लोगों ने अपना नाम दर्ज कराया। मुफ्त सर्जरी में गॉल ब्लैडर, अपेंडिक्स और हर्निया की सर्जरी शामिल है। जो मारवाड़ी अस्पतालों के वरिष्ठ सर्जन द्वारा की जाएगी। ऑपरेशन या सर्जरी की प्रक्रिया 2 जून से शुरू की गई। और यह पूरे जून और जुलाई महीने तक चलेगी। अध्यक्ष रमेश गोयंका ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि कोविड-19 मे हॉस्पिटल की गतिविधियों में काफी बदलाव आ गया था। जिसके चलते गत वर्ष नि:शुल्क सर्जरी का शिविर संपन्न नहीं हो पाया। यह शिविर अब तक बैजनाथ गाड़ोदिया चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से होता आ रहा था। लेकिन स्वर्गीय रामगोपाल गाड़ोदिया के निधन के पश्चात इस में शिथिलता आ गई थी। ऐसी परिस्थिति में लोहिया चैरिटेबल ट्रस्ट ने आगे आकर इस शिविर का आयोजन किया। जो हॉस्पिटल के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ है। इस सर्जरी शिविर में ग्वालपाड़ा, मंगलदेई, बाईहट्टा, नलबाड़ी के अलावा स्थानीय रोगियों ने भी पंजीकरण कराया है। जिन की गहन जांच के पश्चात रोगियों को सर्जरी के लिए चयन किया गया है। मारवाड़ी हॉस्पिटल मालीगांव में भी जल्द ही अपना ओपीडी कक्ष शुरू करने जा रही है। इसके लिए मालीगांव गौशाला के पास जमीन भी उपलब्ध करा दी गई है। अध्यक्ष गोयनका ने सर्जरी शिविर के प्रायोजक लोहिया चैरिटेबल ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी कैलाश लोहिया का अस्पताल के प्रति अत्यधिक समर्थन और उदारता के साथ-साथ इस मुफ्त सर्जरी शिविर में उनके योगदान के लिए आभार प्रकट किया। हॉस्पिटल के चिकित्सा सेवा निदेशक डॉ. जे.पी. शर्मा, अस्पताल अधीक्षक रोहित उपाध्याय, चिकित्सक एवं सर्जन एवं अन्य अधिकारी ने उपस्थित रहकर इस शिविर में सहयोग दिया।

No.: DSWO (C) OSC/99/Prt-1/2021-22/1

WALK - IN - INTERVIEW (ORAL)

A **'Walk in Interview'** for the following post will be held on **15th June 2023 at 11 AM** in the **office chamber of the Addl. Deputy Commissioner, Cachar, Silchar.**

Sl. No.	Name of the Post	No's of Post	Salary per Month	Remarks
1	Counsellor (Female)	1	Rs 15000.00	Purely temporary on contractual basis
2	Case Workers (Female)	2	Rs 14000.00	Purely temporary on contractual basis
3	IT Staff (Male)	1	Rs 13000.00	Purely temporary on contractual basis
4	Multi-Purpose Worker (female)	1	Rs 10000.00	Purely temporary on contractual basis
5	"Security Guard/Night Guard (female)	1	Rs 9000.00	Purely temporary on contractual basis

Terms of Reference (ToR) for hiring posts under One Stop Centre, Cachar

Sl. No.	Designation	No. of Posts	Eligible Criteria	Experience
1	Counsellor (Female)	01	Minimum Qualification: Women having Post graduate degree in Social work/ Clinical Psychology. Age 26 to 45 years as 01-01-2023	Minimum 3 years' experience of working as Counsellor/ Psychotherapist in a reputed Mental Health Institute/Clinic at the District level.
2	Case Workers (Female)	02	Minimum Qualification : Women having Law degree/Master in Social work. Age 26 to 45 years as 01-01-2023	Minimum 3 years' experience of working on violence against women issues in a Govt. or Non govt. Project/ Programme and resident of the local Community,
3	IT Staff (Male)	01	Minimum Qualification: Who is graduate in any discipline with degree/Diploma in Computers/ IT etc. Age 26 to 45 years as 01-01-2023	Minimum 3 years' experience in data management, process documentation and web- based reporting formats at State/ district level.
4	Multi-Purpose Worker	01	Minimum Qualification : Women having Matriculation or Equivalent Passed. Age : 26-45 Years as on 01-01-2023	Minimum 3 Years' experience of working as a helper, Peon, Etc.
5	Security Guard/Night Guard (Female)	01	Minimum Qualification : Person having Matriculation or Equivalent Passed. Age 26 to 45 years as 01-01-2023	Person having experience will be given preference.

Interested candidates may attend the interview as per above. They should bring with them the original copies of the Mark sheets/Certificates/Experience Certificate etc. along with a set of attested copies, a recent passport size photograph and 3 (three) copies of Bio-Data dully signed.
Candidate not fulfilling the eligibility criteria need not attend.
No T.A/ D.A will be paid to the candidates for appearing in the interview.
N.B.: The engagement shall be made subject to satisfactory Police verification report to the concerned candidate(s).

Addl. Deputy Commissioners, SW
Cachar, Silchar

-- Janasanyog /D/4209/23

ब्रिक्स देशों ने आंतकवाद के सभी रूपों की निंदा की

नई दिल्ली, (हि.स.)। ब्रिक्स देशों के मंत्रियों ने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की कड़ी निंदा की है। एक साझा बयान में आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों का मुकाबला करने के लिए प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा गया कि आतंकवादियों की सीमा पार आवाजाही और आतंकवाद के वित्तपोषण नेटवर्क और सुरक्षित ठिकाने के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका इन पांच देशों के संगठन ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक दक्षिण अफ्रीकी अध्यक्षता में केपटाउन में गुरुवार को हुई । बैठक के बाद विदेश मंत्रालय की ओर से इन देशों का साझा बयान जारी किया गया। ब्रिक्स देशों की ओर से आए साझा बयान में राजनीतिक और सुरक्षा, आर्थिक और वित्तीय तथा सांस्कृतिक और लोगों से लोगों के सहयोग के तीन स्तंभों के तहत ब्रिक्स सहयोग के ढांचे को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई। उन्होंने अधिक चुस्त, प्रभावी, कुशल, प्रतिनिधि और जवाबदेह अंतरराष्ट्रीय और बहुपक्षीय प्रणाली को बढ़ावा देकर वैश्विक शासन को बढ़ाने और सुधारने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। चीन और रूस ने अंतरराष्ट्रीय मामलों में ब्राजील, भारत और दक्षिण अफ्रीका की स्थिति और भूमिका के महत्व को दोहराया और संयुक्त राष्ट्र में बड़ी भूमिका निभाने की उनकी आकांक्षा का समर्थन किया। मंत्रियों ने अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघन में एकतरफा दृष्टिकोण से विश्व अर्थव्यवस्था पर प्रभाव को पहचाना और उन्होंने यह भी नोट किया कि प्रतिबंध, बहिष्कार, प्रतिबंध और नाकाबंदी जैसे एकतरफा आर्थिक उपायों से स्थिति और जटिल हो गई है। इससे पहले ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की केपटाउन में हुई बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बदलते वैश्विक परिदृश्य के साथ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बदलाव की मांग उठाई।

उन्होंने आर्थिक एकाग्रता का मुद्दा उठाते हुए ब्रिक्स देशों से आर्थिक विकेंद्रीकरण को बढ़ावा देने की आह्वान किया। इस दौरान विदेश मंत्री ने वैश्विक दक्षिण, सुरक्षा परिषद में बदलाव और आतंकवाद जैसे प्रमुख मुद्दों को उठाया। उन्होंने कहा कि दो दशकों से हमने बहुपक्षीय संस्थानों में सुधार की मांग सुनी है, लेकिन हमें लगातार निराशा ही हाथ लगी है। इसलिए, यह अनिवार्य है कि ब्रिक्स सदस्य संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सहित वैश्विक निर्णय लेने में सुधार के संबंध में ईमानदारी प्रदर्शित करें। जयशंकर ने ब्रिक्स देशों से भारत की ओर से वैश्विक खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण से जुड़े प्रयासों को समर्थन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने 2023 को मोटा अनाज का अंतरराष्ट्रीय वर्ष घोषित किया है। जलवायु अनुकूल और पौष्टिक अनाज उत्पादन से निश्चित रूप से वैश्विक खाद्य सुरक्षा में वृद्धि होगी। पर्यावरण के लिए जीवन शैली (लाइफ) पहल, जिसे भारत द्वारा प्रस्तुत किया गया है, स्थिरता की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। विदेश मंत्री ने दुनिया को आतंकवाद के खतरे के प्रति आगाह किया और कहा कि इस पर निर्णायक कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आतंकवाद वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। सभी राष्ट्रों को इसके वित्तपोषण और प्रचार सहित इस खतरे के खिलाफ दृढ़ उपाय करने चाहिए। इसके सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में इसका मुकाबला किया जाना चाहिए और किसी भी परिस्थिति में इसे कभी भी माफ नहीं किया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने वैश्विक दक्षिण की आवाज बनते हुए कहा कि कोविड और युद्ध से यह देश सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। जयशंकर ने कहा कि समस्या के केंद्र में आर्थिक एकाग्रता है जिसके चलते बहुत से देश कुछ देशों की दया पर छोड़ दिए जाते है।

यह उत्पादन, संसाधनों, सेवाओं या कनेक्टिविटी के संबंध में हो सकता है। स्वास्थ्य, ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा को प्रभावित करने वाले हाल के अनुभव केवल इसे उजागर करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने जी-20 के समक्ष इन मुद्दों को रखने के लिए वॉयस ऑफ द ग्लोबल साउथ बनने का प्रयास किया। हम आग्रह करते हैं कि ब्रिक्स इस पर विशेष ध्यान दें और आर्थिक विकेंद्रीकरण को बढ़ावा दें जो राजनीतिक लोकतंत्रीकरण के लिए बहुत आवश्यक है। जयशंकर ने ब्रिक्स देशों को एकजुटता से वैश्विक चुनौतियों के लिए आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक परिवेश की मांग है कि ब्रिक्स राष्ट्र समसामयिक मुद्दों को गंभीरता, रचनात्मक और सामूहिक रूप से लें। हमें एक मजबूत संदेश देना चाहिए कि दुनिया बहुध्रुवीय है, यह पुनसंतुलन कर रही है और पुराने तरीके नई स्थितियों को संबोधित नहीं कर सकते।

नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड ने किए भगवान महाकाल के दर्शन

इंदौर, (हि.स.)। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' ने शुक्रवार को दोपहर में उज्जैन पहुंचकर विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर के दर्शन किए। उन्होंने यहां भगवान महाकाल का पूजन-अभिषेक भी किया। उन्होंने महाकालेश्वर मंदिर में नेपाल से लाए 100 रुद्राक्ष एवं 51 हजार रुपये नकद भेंट स्वरूप चढ़ाए। इस मौके पर उनकी बेटी गंगा दाहाल एवं नेपाल से आए अन्य अतिथियों ने भी भगवान महाकाल के दर्शन किए। इस दौरान नेपाल के प्रधानमंत्री समेत सभी अतिथि शंख, झांझ, डमरू की मंगल ध्वनि सुन अभिभूत नजर आए। महानिवार्णी अखाड़े में महंत विनीत गिरि महाराज ने मंदिर पहुंचने पर उनका सम्मान किया। नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड 31 मई से भारत के चार दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरान प्रचंड मध्य प्रदेश के दो दिवसीय प्रवास पर यहां आए हैं। वे पूर्वाह्न 11 बजे इंदौर पहुंचे। यहां एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और जनप्रतिनिधियों ने पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत कर अगवानी की। यहां स्थानीय कलाकारों ने निमाड़ी लोक नृत्य से उनका स्वागत किया। कुछ देर बाद वे यहां से उज्जैन रवाना हो गए। राज्यपाल मंगुभाई पटेल और प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा ने उज्जैन पहुंचने पर उनकी अगवानी की। उनके स्वागत के लिए महाकालेश्वर मंदिर को सजाया गया था। प्रचंड के साथ उनकी पुत्री गंगा दहल, नेपाल के विदेश मंत्री एनपी सऊद, वित्त मंत्री डॉ. प्रकाश शरन महत, ऊर्जा जल संसाधन मंत्री शक्ति बहादुर बासनेत, भौतिक एवं परिवहन मंत्री प्रकाश ज्वाला, वाणिज्य एवं आपूर्ति मंत्री रमेश रिजल, प्रधानमंत्री के सलाहकार हरिबोल प्रसाद, मुख्य सचिव शंकरदास बैरागी और नेपाल के विदेश सचिव भरतराज पौड्याल भी आए हैं। सभी अतिथियों ने भगवान महाकाल के दर्शन कर मंदिर में उपस्थित संत, महात्माओं, महंत और आचार्यों से आशीर्वाद प्राप्त किया।

जगदीश टाइटलर के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट को कोर्ट ने दी मंजूरी

अजय त्यागी
- मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए कोर्ट में ट्रांसफर, सुनवाई आठ जून को

नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 84 के सिख विरोधी दंगों के मामले में कांग्रेस के पूर्व नेता जगदीश टाइटलर के खिलाफ दाखिल सप्लीमेंट्री चार्जशीट को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया है। मामले की अगली सुनवाई 08 जून को होगी। इसके पहले कोर्ट ने आर्म्स डीलर अभिषेक वर्मा के बयान दर्ज करने में देरी पर सीबीआई को फटकार लगाई थी। कोर्ट ने कहा कि इस मामले के 35 साल बीत गए और कई बार जांच में तेजी लाने के आदेश दिए गए। गवाह भी आगे आए, लेकिन सीबीआई केवल धारा 161 के तहत बयान दर्ज कर संतुष्ट हो गई। कोर्ट ने सीबीआई से पूछा था कि उन बयानों पर गवाहों के दस्तखत तक नहीं हुए हैं। कोर्ट ने कहा था कि अगर सीबीआई चाहती है, तो वो अभिषेक वर्मा का बयान धारा 164 के तहत दर्ज कर सकती है। धारा 164 के तहत मजिस्ट्रेट बयान दर्ज करता है। अभिषेक वर्मा ने 2017 में दिल्ली पुलिस को शिकायत दी थी और अपनी सुरक्षा बढ़ाने की मांग की थी। अभिषेक वर्मा को ई-मेल के जरिये जान से मारने की धमकी दी गई थी। अभिषेक वर्मा 01 नवंबर 1984 में दिल्ली के पुलबंगश में तीन सिखों की हत्या के मामले में गवाह हैं। एक नवंबर 1984 को जिन सिखों की हत्या हुई थी, उनमें बादल सिंह, ठाकुर सिंह और गुरचरण सिंह शामिल हैं। इस केस को नानावटी कमीशन ने दोबारा खोलने का आदेश दिया था। सीबीआई ने इस मामले में टाइटलर के खिलाफ आईपीसी की धारा 147, 109 और 302 के तहत आरोप लगाया है। सीबीआई के मुताबिक टाइटलर ने भीड़ को उकसाया था, जिसके बाद भीड़ ने पुलबंगश के गुरुद्वारे में आग लगा दी थी।

10वीं का परिणाम घोषित, लड़कियों ने फिर मारी बाजी, 93.83 फीसदी विद्यार्थी पास

मुंबई, (हि.स.)। महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एंड हायर सेकेंडरी एजुकेशन की 10वीं कक्षा का परिणाम 93.83 फीसदी रहा है। इस साल भी लड़कियों ने बाजी मार ली है। इस साल लड़कियों का परिणाम 95.87 फीसदी और छात्रों का परिणाम 92.5 फीसदी रहा है। यह जानकारी बोर्ड के अध्यक्ष शरद गोसावी ने दी। महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एंड हायर सेकेंडरी एजुकेशन ने पुणे, नागपुर, औरंगाबाद, मुंबई, कोल्हापुर, अमरावती, नासिक, लातूर और कोंकण नाम के नौ डिवीजनल बोर्ड की 10वीं कक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है। कोंकण मंडल का परिणाम 98.11 फीसदी के साथ शीर्ष पर रहा, जबकि नागपुर मंडल को राज्य में सबसे कम 92.49 फीसदी परिणाम रहा है।

शरद गोसावी ने बताया कि राज्य बोर्ड ने 2 से 25 मार्च 2023 तक 5 हजार 33 केंद्रों पर कक्षा 10वीं की परीक्षा आयोजित की। राज्य के नौ बोर्डों से कुल 15,41,666 नियमित छात्र कक्षा 10वीं की परीक्षा में शामिल हुए, जिनमें से 14,34,898 छात्र पास हुए हैं।

दिल्ली पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल चाकू को रिठाला से बरामद किया

अजय कुमार

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले के शाहबाद डेयरी हत्या मामले में आरोपित साहिल द्वारा इस्तेमाल चाकू को पुलिस ने खोज निकाला है। पुलिस ने इस चाकू को रोहिणी सेक्टर-11 स्थित रिठाला से बरामद किया है। डीसीपी रवि कुमार सिंह ने कि आरोपित साहिल द्वारा इस्तेमाल चाकू को बरामद कर लिया गया है। आरोपित ने वारदात के बाद चाकू को फेंक दिया था। चाकू बरामदगी के बाद मामले की जांच में आसानी होगी। इसे फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा। उल्लेखनीय है कि दिल्ली पुलिस ने इस मामले में पीड़िता के करीब 10 से ज्यादा दोस्तों के बयान दर्ज किए हैं। इसके अलावा सीसीटीवी में दिख रहे आठ लोगों की पहचान कर ली गई है। पुलिस उनके बयान भी दर्ज कर रही है। जांच में पता चला कि आरोपित ने पीड़िता पर चाकू से 20 से ज्यादा बार प्रहार किया था। इसके बाद उसे पत्थर से भी कूचा गया था। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था जिसमें आरोपित बड़ी ही निर्ममता से लड़की पर हमला कर रहा था। घटना के बाद आरोपित फरार हो गया था, जिसे दिल्ली पुलिस ने उप्र के बुलंदशहर से गिरफ्तार किया था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शाहबाद डेयरी थाना पुलिस ने साक्षी के पिता के बयान पर हत्या का मामला दर्ज किया है। वहीं आरोपित के मोबाइल की जांच करने पर काफी सारी चीजे पुलिस को मिली है। घटना से पहले साक्षी और साहिल की बात-चीत भी उसमें मौजूद है।

निर्माणाधीन मकान गिरा, 6 लोग घायल

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। रोहिणी जिले के प्रेम नगर थाना स्थित कराड़ी इलाके में शुक्रवार दोपहर एक निमार्णाधीन मकान गिर गया। मामले की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस व दमकल विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से मलबे से छह लोगों को बाहर निकाल कर तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने दो लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी। जबकि चार लोगों का उपचार चल रहा है। दमकल विभाग के अनुसार, शुक्रवार दोपहर करीब 12.25 बजे सूचना मिली कि सुलेमान नगर स्थित किराड़ी में एक निमार्णाधीन मकान गिर गया है। सूचना मिलते ही दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और मलबे से छह लोगों को बाहर निकाला। वहीं पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह मकान करीब 30 साल पुराना था और जर्जर हालत में था। मकान बनाने के दौरान यह हादसा हुआ है। फिलहाल प्रेम नगर थाना पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

कुंतल घोष की कोर्ट में पेशी, कहा : झूठ बोल रही है ईडी

कोलकाता, (हि.स.)। शिक्षक नियुक्ति भ्रष्टाचार के सिलसिले में गिरफ्तार किए तृणमूल कांग्रेस के पूर्व युवा नेता कुंतल घोष को शुक्रवार एक बार फिर अलीपुर की विशेष सीबीआई कोर्ट में पेश किया गया। यहां मीडिया कर्मियों से उन्होंने बात की। उनसे पूछा गया कि आपने कालीघाट वाले काकू और कई लोगों तक भ्रष्टाचार के रुपये पहुंचाएं। जवाब में उसने कहा कि ईडी अधिकारी झूठे दावे कर रहे हैं। कुंतल ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियां जांच को बरगलाने की कोशिश कर रही हैं। अगर साहस है तो मैंने जो बयान दिया है वह कोर्ट के सामने लाया जाएं। उल्लेखनीय है कि ईडी के हवाले से दावे किए जा रहे हैं कि 26 करोड़ रुपये कुंतल ने कालीघाट वाले काकू के कहने पर पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी के पास पहुंचाए थे।

सांसद बृजभूषण शरण के खिलाफ हो कार्रवाईः आशा रावत

नई टिहरी, (हि.स.)। महिला कांग्रेस ने पहलवानों का समर्थन करते हुए कहा है कि पहलवानों की तरफ से लगाए गए यौन शोषण के आरोपित सांसद बृजभूषण शरण के खिलाफ यदि सरकार ने 5 दिनों के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित नहीं की, तो महिला कांग्रेस पीएम व सीएम आवास का घेराव करेगी। जिला कांग्रेस कार्यालय में शुक्रवार को जिलाध्यक्ष रावत ने पत्रकार वार्ता में कहा कि सांसद बृजभूषण को बचाने के लिए कानून को मजाक बनाकर रख दिया गया है। सांसद के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जा रही है। सांसद खुले आम आम कानून को धत्ता बताते हुए उद्घाटन कार्यक्रमों में शिरकत कर रहा है। दूसरी ओर महिला पहलवानों के साथ पुलिस अभद्र व्यवहार कर रही है जो कि शर्मनाक है।

सऊदी कैडेट्स ने भारतीय नौसेना के जहाजों पर 10 दिन का प्रशिक्षण पूरा किया

- समुद्री प्रशिक्षण ले रहे रॉयल सऊदी कैडेट्स से मिले नौसेना प्रमुख
- सऊदी कैडेट्स का प्रशिक्षण दोनों देशों के बीच बढ़ती मित्रता का प्रमाण

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत में समुद्री प्रशिक्षण ले रहे किंग फहद नौसेना अकादमी, सऊदी अरब के कैडेट्स से नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने वार्ता की। इस समय दक्षिणी नौसेना कमान, कोच्चि में रॉयल सऊदी नेवल फोर्स (आरएसएनएफ) के 55 कैडेट पांच निर्देशक स्टाफ के साथ प्रशिक्षण ले रहे हैं। इन्हें भारतीय नौसेना के पोत, स्क्वाड्रन जहाजों, आईएनएस तीर और आईएनएस सुजाता पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। नौसेना प्रमुख को वर्तमान में जारी बंदरगाह और जलपोत प्रशिक्षण गतिविधियों से अवगत कराया गया, जिसमें परिपूर्ण समुद्री उड़ानें भी शामिल हैं। नौसेना प्रमुख को प्रशिक्षण अवधि के दौरान प्रशिक्षुओं की प्रगति के बारे में भी जानकारी दी गई। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के हिस्से में सऊदी कैडेट्स को समुद्री प्रशिक्षण चरण में जाने से पहले सिम्युलेटर प्रशिक्षण दिया गया था। कैडेट्स ने भारतीय नौसेना के जहाजों पर समुद्र में 10 दिन पूरे कर लिए हैं। समुद्री उड़ानों के दौरान उन्हें नेविगेशन और सीमैनशिप के व्यावहारिक पहलुओं के बारे में अवगत कराया गया। सऊदी कैडेट्स को प्रशिक्षण के दौरान समुद्र में विमान संचालन, लंगर डालना, तटीय नेविगेशन, समुद्री नौकाओं, अग्निशमन और आपातकालीन अभ्यास में नेविगेशन पर जोर दिया गया। सऊदी कैडेट्स के लिए प्रशिक्षण पोत आईएनएस सुदर्शिनी पर दो दिवसीय बंदरगाह प्रशिक्षण की भी योजना बनाई गई है, ताकि उन्हें जहाज पर भी जीवन की कठोरतम परिस्थितियों से परिचित कराया जा सके। कैडेट्स ने नौसेना प्रमुख के साथ किसी भी युद्धपोत पर पहली बार नौकायन के अपने प्रशिक्षण अनुभवों को साझा किया। विचार-विमर्श के दौरान निदेशक स्टाफ ने उच्च प्रशिक्षण और भारतीय नौसेना के पोतों पर हासिल अनुभव को सराहा। अपने संबोधन में नौसेना प्रमुख ने भारत में रॉयल सऊदी नेवल फोर्स प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि भारत में सऊदी कैडेट्स का प्रथम प्रशिक्षण सऊदी अरब और भारत के साथ-साथ दोनों नौसेनाओं के बीच बढ़ती मित्रता का प्रमाण है। उन्होंने हाल ही में सूडान से भारतीय नागरिकों को निकालने के दौरान सऊदी अरब सरकार से मिली सहायता को सराहा। दोनों नौसेनाओं के बीच घनिष्ठ संबंधों और सहयोग पर बल देते हुए नौसेना प्रमुख ने कहा कि दोनों देश समुद्री सुरक्षा के संबंध में समान विचार साझा करते हैं और क्षेत्र में सुरक्षा एवं सुरक्षित समुद्र सुनिश्चित करने के लिए एक दूसरे के साथ निकटता से कार्य करते हैं।

जम्मू-कश्मीर में इस वित्तीय वर्ष में 129 स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र होंगे शुरूः उपराज्यपाल

श्रीनगर,(हि.स.)। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि सरकार जम्मू-कश्मीर में अगले वर्ष मार्च तक 129 स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों को चालू करने जा रही है। इसके अलावा जम्मू और कश्मीर के पांच जिलों में 50 बिस्तरों वाले एकीकृत आयुष अस्पताल भी स्थापित किए जा रहे हैं। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा शुक्रवार को कश्मीर विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अगले साल मार्च तक 129 स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों को चालू कर दिया जाएगा। केंद्र प्रायोजित योजना के तहत 17 नई आयुष औषधालयों को चालू कर दिया गया है और चालू वित्त वर्ष से 17 और औषधालयों को चालू किया जाएगा। उपराज्यपाल सिन्हा ने कहा कि कुलगाम, कुथुआ, कुपवाड़ा, किश्तवाड़ और सांबा जिलों में 50 बिस्तरों वाला एकीकृत आयुष अस्पताल स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के प्रकोप के बाद वर्ष 2020 से जम्मू और कश्मीर की कम से कम आधी आबादी को आयुष इम्युनिटी बूस्टर और सहायक दवाएं दी गई हैं।

उन्होंने हाल ही में कश्मीर विश्वविद्यालय में वाई-20 कार्यक्रम की बैठकों के बारे में बात करते हुए कहा कि, ह्यलंबे समय के बाद या मैं कह सकता हूं कि कश्मीर विश्वविद्यालय को पहली बार अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित करने का मौका मिला है, जिसमें कश्मीर के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए केयू के कुलपति, फैकल्टी और छात्रों की भी सराहना की। उपराज्यपाल ने बताया कि 16 राज्यों के मंत्री कश्मीर में हैं। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि जब भी हम यहां इतने बड़े आयोजन करते हैं तो लोगों को सरकार पर और भरोसा होता है। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के संबंध में उपराज्यपाल ने कहा कि प्राचीन काल से जम्मू और कश्मीर आयुर्वेद के स्वास्थ्य क्षेत्र का केंद्र रहा है और प्राचीन काल से यहां आयुर्वेदिक और यूनानी अस्पताल थे। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद चिकित्सा को मजबूत करने के लिए स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने अखनूर अस्पताल में 35 सीटों की क्षमता वाला राजकीय आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज शुरू किया है।

राज्यपालों की भूमिका पर बड़े सवाल

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। हाल ही में विधानसभा, लोकसभा और राज्यपालों की कार्यप्रणाली को लेकर जो रिपोर्ट जारी हुई है। उसके अनुसार दिल्ली के उपराज्यपाल ने दिल्ली सरकार के एक बिल पर 188 दिन के बाद मोहर लगाई। 2022 के दौरान केवल 5 फीसदी मामलों की फाइल विस्तृत अध्ययन के लिए भेजी गई थी। 57 फीसदी बिलों पर राज्यपाल अथवा उपराज्यपाल द्वारा 1 माह के अंदर अनुमति दी गई है। दिल्ली के उपराज्यपाल ने विधानसभा द्वारा पारित बिल को स्वीकृति देने में 188 दिन लगाए, जो अभी तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। पश्चिम बंगाल में राज्यपाल की मंजूरी मिलने का औसतन समय 97 दिन, छत्तीसगढ़ में 89 दिन था।

इन तीनों राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं। सरकार और राज्यपाल- उप राज्यपाल के बीच तलखी बनी रही। विधानसभा की कार्यवाही चर्चा में जुलाई 2022 में गोवा विधानसभा में 10 दिन के सत्र में सिर्फ 2 दिनों में 26 बिल पास किए गए। जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। बजट में देश भर की विधानसभा में औसतन 8 दिन खर्च किए गए। बजट सत्र में तमिलनाडु में सबसे ज्यादा चर्चा हुई। जिसमें 26 दिन लगे। कर्नाटक में बजट पर 15 दिन, उड़ीसा और केरल में 14 दिन, बंगाल में 7 दिन, छत्तीसगढ़ में 6 दिन, महाराष्ट्र में 5 दिन बजट पर चर्चा हुई। बजट सत्र सबसे महत्वपूर्ण सत्र होता है। दिल्ली, मध्य प्रदेश तथा पंजाब में बजट पर केवल 2 दिन ही चर्चा हो सकी। विधानसभा में भी औसत कामकाज का समय घटता जा रहा है।

मोदी सरकार के कार्य धरातल पर दिखाई दे रहे : सतीश पूनिया

मुरादाबाद, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के कार्य धरातल पर दिखाई दे रहे हैं। सेवा, सुशासन, सुरक्षा और गरीब कल्याण के लक्ष्य को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चल रहे हैं। पिछले नौ वर्षों में केंद्रीय योजनाओं का लाभ देश भर की करोड़ों जनता को बिना किसी भेदभाव और पक्षपात के मिल रहा है। नरेंद्र मोदी की सोच और काम से पूरे विश्व में भारत और 140 करोड़ भारतवासियों का सम्मान बढ़ा है। यह बातें मुरादाबाद में भाजपा राजस्थान के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व राजस्थान विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष विधायक सतीश पूनिया ने प्रेस वार्ता कर कहीं। जनपद के रामगंगा विहार स्थित एक रेस्टोरेंट में आयोजित वार्ता कर सतीश पूनिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के नौ साल बेमिसाल हैं। पथ, आकार व दिशा बनाने में कई सदियां गुजर जाती हैं लेकिन पिछले नौ वर्षों में नरेन्द्र मोदी सरकार ने ऐतिहासिक कार्य किया है। यह मोदी सरकार का चमत्कार था जो राहुल ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान जम्मू कश्मीर के लाल चौक पर ध्वज फहराया क्योंकि कांग्रेस के लंबे शासन काल में कोई भी कांग्रेसी लाल चौक पर तिरंगा नहीं फहरा सका। राजस्थान विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया ने कहा कि पहले वैक्सीन के लिए दूसरे देशों पर आश्रित रहने वाले भारत ने मोदी के संकल्प से कोरोना में भारत ने दो वैक्सीन तैयार किए। 210 करोड़ टीकें लगाए। 100 देशों में टीकें भेजे गए। यह भारत की क्षमता और बदलती छवि का उदाहरण है। गरीब कल्याण और गरीब सशक्तिकरण के लिए यह सरकार काम कर रही है। वंचितों को उनका अधिकार देने के लिए प्रधानमंत्री ने जंग छेड़ी है। सबका साथ सबका विश्वास के साथ संपूर्ण देश के विकास के लिए यह सरकार काम कर रही है। वर्ष 2014 से पूर्व हम विकास के साथ तकनीक में भी पिछड़े हुए थे। नौ वर्षों में हम इस दिशा में काफी आगे बढ़ गए हैं। अब भारत की पहचान आत्मनिर्भर देश के रूप में होती है। 2014 से पहले भारत आर्थिक रूप से विकसित देशों में 11वें नंबर पर था, आज ब्रिटेन को पीछे छोड़कर पांचवें नंबर पर पहुंच गया है। 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनेगा। पत्रकार वार्ता में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व एमएलसी सतपाल सिंह सैनी, महानगर प्रभारी वाईपी सिंह, नगर विधायक रितेश गुप्ता, एमएलसी डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त, भाजपा महानगर अध्यक्ष धर्मेंद्र मिश्रा, भाजपा जिला अध्यक्ष राजपाल सिंह चौहान, पूर्व सांसद कुंवर सर्वेश कुमार सिंह, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी डॉ. के के मिश्रा, जिला महामंत्री राजन विश्नोई, महानगर महामंत्री श्याम बिहारी शर्मा, भाजपा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की महानगर संयोजिका अल्पना रितेश गुप्ता, वरिष्ठ भाजपा नेत्री मदालसा शर्मा, क्षेत्रीय सह मीडिया प्रभारी निमित्त, जिला मीडिया प्रभारी संजय ढाका, महानगर मीडिया प्रभारी राहुल सेठी आदि उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के नौ वर्ष पूरे होने पर देशभर में भाजपा महा जनसंपर्क अभियान चला रही है। 30 जून तक चलने वाले अभियान के तहत सभी लोकसभा क्षेत्रों में प्रेस वार्ता का आयोजन किया जा रहा है। मुरादाबाद में भी इसी क्रम में राजस्थान के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व राजस्थान विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष विधायक सतीश पूनिया ने प्रेस वार्ता करने पहुंचे थे।

प्रधानमंत्री मोदी के कारण भारत के कदमों को अपना रही है दुनिया : जमाल सिद्दीकी

बलिया, (हि.स.)। केन्द्र में मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने उपलब्धियां गिनाई। शहर के एक होटल में शुक्रवार को आयोजित प्रेसवार्ता में श्री सिद्दीकी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को पूरी दुनिया अपना रही है। उन्होंने कहा कि मोदी युग में देश की राजनीति में परिवर्तन आया है। जातिवाद, शोषण व गुंडागर्दी को खत्म किया गया है। इसके पहले देश में परिवारवाद था। प्रधानमंत्री मोदी ने देश में एक ऐसा माहौल बनाया है। जिससे साधारण लोक कार्यकर्ता को भी राजनीति में आगे बढ़ने का अवसर मिला है। केन्द्र सरकार की उपलब्धियों का बखान करते हुए जमाल सिद्दीकी ने कहा कि मोदी ने पिछले नौ सालों में सरकार को गरीब कल्याण के लिए समर्पित किया है। पहले गरीबी हटाओ का नारा दिया जाता था लेकिन गरीबी नहीं हटती थी। कोरोना काल में भारत की तरफ दुनिया देखती थी। पीएम मोदी ने कोरोना से देश को बचाया। पूरी दुनिया ने कोरोना को लेकर उठाए गए भारत के कदमों को अपनाया है। दुनिया ने देखा कि किस तरह से 140 करोड़ लोगों को समय के अंदर दो डोज लगवाया गया। कोरोना के समय से 80 करोड़ परिवारों को राशन दिया जा रहा है। इसमें कहीं कोई भेद नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता भी सबकी सेवा में लगे रहे। बीते नौ सालों में कार्यकताओं ने मोदी सरकार की योजनाओं को जमीन पर उतारने में सहयोग किया। पीएम स्वनिधि योजना से गरीबों के जीवन में उजाला आया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में दुनिया भर में महंगाई है। लेकिन भारत में महंगाई नहीं है। यहां पर महंगाई दर महज 6.3 प्रतिशत है। क्योंकि पीएम ने सभी के लिए कार्य किया। सबका साथ लेकर काम किया। न लिंग भेद किया, न जाती भेद किया और न धर्म भेद किया। उन्होंने महिलाओं के जीवन को बेहतर बनाया। पीएम गरीब के बेटे हैं। उन्हें गरीब का दर्द मालूम है। उन्होंने उज्ज्वला योजना के जरिए फ्री गैस सिलेंडर दिया। जिसमें अकेले एक करोड़ 75 लाख यूपी में दिया गया है। आजादी के बाद आज तक बिजली कनेक्शन नहीं था। 75 लाख बिजली कनेक्शन यूपी में दिया गया है। हमारी सरकार ने देश में पेयजल संकट दूर किया। उत्तर प्रदेश में ही नल जल योजना के माध्यम से एक करोड़ आठ लाख घरों में पीने का जल पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि पीएम ने असंगठित मजदूरों को भी काम का बेहत्तर माहौल दिया। आठ करोड़ तीस लाख जॉब कार्ड सिर्फ उत्तर प्रदेश में दिया गया है। यही वजह है कि अब बड़े शहरों में प्लायन नहीं होता। यहां बेरोजगारों को 23 करोड़ 32 लाख ऋण बांटा गया है। पीएम ने किसान सम्मान निधि दो करोड़ 50 लाख किसानों को दिया। 55 हजार करोड़ यूपी में किसान सम्मान निधि के रूप में दिया गया है। मोदी सरकार ने गरीबों के स्वास्थ्य की भी चिंता की। आयुष्मान कार्ड के जरिए गरीबों को पांच लाख की मदद इलाज में दिया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश में 22 करोड़ लाभार्थियों को लाभ मिल चुका है। उन्होंने बताया कि आज देश में मोदी ने सात साल में पंद्रह एम्स खुलवाए हैं। महिलाओं के सम्मान के लिए शौचालय बनवाए गए। जिसके तहत उत्तर प्रदेश में दो करोड़ 22 लाख इज्जत घर बनवाए गए हैं। कहा कि विपक्ष कोशिश कर रहा है, लेकिन एक भी भ्रष्टाचार नहीं निकाल सका है। टूजी और कोयला घोटाले का जिक्र करते हुए कहा कि पहले रोज घोटाले होते थे। आज तक एक पैसे का घोटाला नहीं हुआ है। वहीं, प्रभारी मंत्री दयाशंकर मिश्रा दयालु ने कहा कि केंद्र की योजनाएं गरीबों के लिए हैं। जिले में मॉडल बस स्टेशन बनने जा रहा है। जल निकासी के लिए तीन सौ करोड़ की योजना पर काम हो रहा है। अब तो केंद्र व प्रदेश सरकार में योजनाओं को समय से पूरा किया जाता है। प्रेसवार्ता में लोकसभा सांसद वीरेन्द्र सिंह मस्त ने कहा, नौ साल के मोदी के कार्यकाल में देश का कायाकल्प हुआ है। 2014 के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने देश की संसदीय राजनीति में भरोसे का संकट दूर किया है। गांव, गरीब व किसान की चिंता मोदी ने की। अपनी सांसद निधि का हिसाब देते हुए कहा कि चार साल में जिला लोकसभा क्षेत्र के अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट लगा है। जगह-जगह सत्संग भवन बनाए गए हैं। ऐतिहासिक भृगु मन्दिर के कॉरिडोर का कार्य शुरू हुआ है। कहा कि भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत सड़कें बनवाई जा रही हैं। यूपी का पहला ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे बलिया में बन रहा है। गांवों को जोड़ने के लिए लिंक रोड भी बन रहे हैं। कुल 25 हजार करोड़ की सड़कें बन रही हैं। कहा कि बलिया के रेलवे स्टेशन अमृत काल योजना के तहत चमक रहे हैं। जल परिवहन के लिए गंगा में चार जेट्टीयां बन रही हैं। हर विकास खण्ड में एक-एक कृषि कल्याण केन्द्र बन रहे हैं। चार विकास खंडों में कार्य प्रारंभ भी है। खेल के मैदान बन रहे हैं। मेडिकल कॉलेज स्वीकृत हुआ है जो जल्द ही बनेगा। सेना में जिले के लोगों की काफी संख्या है। इसलिए यहां एक सैनिक स्कूल की भी स्वीकृति मिल चुकी है। जल संरक्षण के लिए कटलह नाला व मंगाई नदी को खुदवाया गया है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी। श्री मस्त ने कहा कि बलिया और गाजीपुर मोटे अनाज के पैदा करने के प्रमुख जिले हैं। हर ब्लाक पर मोटे अनाज के बीज वितरण किए जाएंगे। मोटे अनाज को पीएम ने दुनिया भर में मान्यता दिलाई है। इससे देश के छोटे किसानों का जीवन बेहतर बनेगा। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद नीरज शेखर, भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश साहू व पूर्व मंत्री उपेन्द्र तिवारी भी थे।

उप्र में लोकसभा क्षेत्र स्तर पर 80 रैलियां करेगी भाजपा, प्रधानमंत्री मोदी का भी मांगा समय

- लोस चुनाव की तैयारी में जुटी भाजपा, उप्र में रैलियों के लिए मोदी के बाद गडकरी की सर्वाधिक मांग

लखनऊ, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारी में पूर्णरूप से जुट गयी है। भाजपा प्रदेश के सभी 80 लोकसभा क्षेत्रों में रैली करेगी। महासंपर्क अभियान के तहत जून महीने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी उत्तर प्रदेश में जनसभा कर सकते हैं। प्रधानमंत्री के अलावा गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी एवं केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव जैस बड़े नेताओं के कार्यक्रम की पार्टी के प्रदेश नेतृत्व ने मांग की है। वैसे उत्तर प्रदेश के अधिकांश संसदीय क्षेत्रों में जनसभाओं के लिए प्रधानमंत्री मोदी के बाद सर्वाधिक मांग नितिन गडकरी की है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अवनीश त्यागी ने बताया कि पार्टी ने हर लोकसभा स्तर पर सात, विधानसभा स्तर पर चार और बूथ स्तर पर तीन कार्यक्रमों की योजना बनाई है। लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत सभी कार्यक्रमों में सांसद एवं विधायकों की सहभागिता रहेगी। इन कार्यक्रमों के माध्यम से केंद्र सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। भाजपा प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र के सभी विधानसभा क्षेत्रों में निवास करने वाले पूर्व दायित्व वाले पदाधिकारी, कार्यकर्ता के साथ टिफिन बैठक करेगी। इस अवसर केंद्र सरकार के 09 वर्ष की उपलब्धियों पर चर्चा होगी। लोकसभा क्षेत्र के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्रों में सातों मोर्चों का संयुक्त सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें भाजयुमो, महिला मोर्चा, किसान मोर्चा, अनुसूचित मोर्चा, अल्पसंख्यक मोर्चा, अनुसूचित जनजाति मोर्चा, पिछड़ा वर्ग मोर्चा के कार्यकर्ता सम्मिलित होंगे।

सांसद योग दिवस का होगा आयोजन - योग दिवस पर 21 जून को प्रदेश के सभी 27,634 शक्ति केंद्रों पर योग दिवस का कार्यक्रम किया जाएगा। इसके अलावा लोकसभा स्तर पर सभी सांसद अपने-अपने यहां योग दिवस का एक बड़ा कार्यक्रम करेंगे। इसी तरह सभी विधायक अपनी-अपनी विधानसभाओं में योग दिवस पर कार्यक्रम आयोजित करेंगे।

लोकसभा स्तर पर प्रबुद्ध सम्मेलन - प्रदेश प्रवक्ता अवनीश त्यागी ने बताया कि प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में प्रबुद्ध सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में 1000 विशिष्ट परिवारों जैसें- पद्म अवार्डी, खिलाड़ी, कलाकार, उद्योगपति, चिकित्सक, पूर्व न्यायधीश, शहीद परिवार के सदस्य एवं अन्य प्रसिद्ध परिवारों से संपर्क किया जाएगा। इसके अलावा लोकसभा क्षेत्र के उद्योगपति एवं व्यापारियों का सम्मेलन किया जाएगा। लोकसभा में सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर सक्रिय एवं प्रभावी भूमिका निभाने वाले व्यक्तियों के साथ संवाद किया जाएगा।

माफिया अतीक के अवैध कारोबार का गवाह बना आरबीएम काम्पलेक्स हुआ सील

लखनऊ, (हि.स.)। प्रयागराज में मारे गये माफिया अतीक अहमद की फैली हुई अवैध सम्पत्तियों की जांच में सामने आये लखनऊ के रतनखंड स्थित आरबीएम काम्पलेक्स को लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने 45 दिनों तक चली जांच के बाद शुक्रवार को सील कर दिया। उत्तर प्रदेश के एक पूर्व आईएएस अधिकारी की पत्नी माधुरी पाण्डेय के नाम से मौजूद भूखंड पर माफिया अतीक के निकट बिल्डर मोहम्मद मुस्लिम ने आरबीएम काम्पलेक्स का निर्माण कराया। इस काम्पलेक्स का उपयोग वैवाहिक व सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए किया जाता रहा है। बिल्डिंग से जुड़े मामले में प्राधिकरण जोन दो के अधिकारी देवांश त्रिवेद्वी ने कहा कि चिन्हित बिल्डिंग की जांच की जा रही थी, तभी कुछ चौकानें वाले दस्तावेज मिले थे। जांच के बाद अवैध निर्माण पर सील की कार्रवाई की गयी है। एलडीए के उपाध्यक्ष डा.इन्द्रमणि ने अपने बयान में कहा कि आरबीएम काम्पलेक्स से जुड़े समाचार के चलने के बाद जांच में तेजी लायी गयी और भूखण्ड स्वामी व काम्पलेक्स बनवाने वाले आर्किटेक्ट एवं बिल्डर की बहुत कुछ जानकारियां जुटायी गयी। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर पता चला कि मोहम्मद मुस्लिम ने आरबीएम बिल्डिंग बनवायी थी, जिसे सील कराया गया है।

लखनऊ में मारे गये माफिया अतीक और उससे जुड़े बिल्डर मोहम्मद मुस्लिम ने 12 बिल्डिंग व काम्पलेक्स में अपना धन लगाया है। सीतापुर रोड, आईआईएम रोड, चारबाग रोड, आलमबाग रोड, आशियाना रोड जैसे स्थानों पर अवैध निमार्णों को चिन्हित किया जा रहा है। आरबीएम पर कार्रवाई के बाद लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष की देखरेख में जांच जारी है।

केन्द्र के खिलाफ सभी विपक्षी दलों को एकजुट होना होगा : अरविंद केजरीवाल

रांची, (हि.स.)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एवं पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शुक्रवार को हेमंत सोरेन से रांची में मुख्यमंत्री आवास में औपचारिक मुलाकात की। इसके बाद तीनों ने संयुक्त रूप से पत्रकारों से बातचीत की। केजरीवाल ने कहा कि हेमंत सोरेन के साथ हमारा भाई का रिश्ता है। आपस में हम लोगों ने कई विषयों पर चर्चा की है। उन्होंने कहा कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने हमसे बहुत सी शक्तियां छीन ली थी लेकिन 11 मई को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली की चुनी हुई सरकार को वो सारी शक्तियां लौटा दीं। इसके बाद 19 मई को रात के अंधेरे में एक अध्यादेश जारी कर मोदी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश को पलट दिया। इस अध्यादेश को मानसून सत्र में संसद में पेश किया जायेगा। इसके खिलाफ सभी विपक्षी दलों को एकजुट होना होगा। केजरीवाल ने केंद्र के अध्यादेश को दिल्ली के लोगों के साथ अन्याय बताया। साथ ही कहा कि केंद्र सरकार ने जो किया, वह दिल्ली की जनता का अपमान है। केजरीवाल ने कहा कि अगर राज्यसभा में सभी गैर भाजपा सदस्य एकजुट हो जाएं तो राज्यसभा में भाजपा को हराया जा सकता है। क्योंकि, आज दिल्ली के साथ जो हुआ है, कल अन्य राज्यों के साथ भी हो सकता है।

इसलिए इस अध्यादेश का डटकर विरोध करना होगा। दिल्ली के सीएम ने दावा किया कि सभी पार्टियों का उन्हें समर्थन मिल रहा है। झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने भी उन्हें आश्वस्त किया है कि संसद से सड़क तक वे मोदी सरकार के इस अध्यादेश के खिलाफ आम आदमी पार्टी की लड़ाई को अपना समर्थन देंगे। मैं दिल्ली की जनता की ओर से हेमंत को धन्यवाद देता हूं। झारखंड के लोगों को भी धन्यवाद देता हूं।

सफल होगी केजरीवाल की मुहिम : हेमंत सोरेन - झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि केंद्र सरकार गैर भाजपा शासित प्रदेशों पर प्रहार कर रही है। वह इस विषय पर पार्टी में चर्चा करेंगे। दिशोम गुरु शिबू सोरेन से भी चर्चा करेंगे कि आगे क्या कदम उठाना चाहिए। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकारी अध्यक्ष सोरेन ने कहा कि बाबा भीमराव आंबेडकर ने जो लोकतंत्र हमें दिया था, उसे बचाने के लिए मजबूती के साथ लड़ाई लड़ेंगे। इसमें सभी लोगों की भूमिका सुनिश्चित करेंगे। सोरेन ने कहा कि इस विषय पर सभी राज्यों के साथ चर्चा हो रही है। दिल्ली में झारखंड के भी लोग रहते हैं। बिहार के भी लोग हैं। यूपी, केरल, महाराष्ट्र के लोग हैं। समूचे देश के जनप्रतिनिधि दिल्ली में रहते हैं। ऐसे निर्णय से आने वाले समय में पूरे देश पर असर डालेगा। देश के 80 प्रतिशत लोग जो हमारे देश में किसान और गांव देहात से आते हैं, उनके लिए बहुत ही पीड़ादायक साबित होगा। केजरीवाल पर जो कानून थोपने का प्रयास हो रहा है, उसपर राजनीतिक लड़ाई जरूरी है और जो कदम केजरीवाल जी ने बढ़ाया है, मैं चाहूंगा कि इस मुहिम में सफल हो यही कामना है। हेमंत सोरेन ने कहा कि चुनी हुई सरकार को जिस तरह से अधिकार विहीन किया जा रहा है, यह एक नई परंपरा की शुरूआत हो रही है और देश की अनेकता में एकता पर एक बड़ा प्रहार है। संघीय ढांचे की बात केंद्र सरकार करती है लेकिन कार्य उसके विपरीत होते हैं, जो केंद्र के सहयोगी सरकार नहीं है राज्यों में उनके साथ ऐसा ही व्यवहार हो रहा है।

अभी कुछ दिन पहले देश के लोकतंत्र के मंदिर लोकसभा का उद्घाटन हुआ लेकिन उसी मंदिर के चंद दूरी पर कई और घटनाएं भी घटी तो यह सिर्फ गैर भाजपा सरकारों पर प्रहार नहीं है, बल्कि देश की जनता के ऊपर प्रहार है।

लोकतंत्र को बचाने के लिए एकजुट होना होगा : भगवंत मान - पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा और आम आदमी पार्टी दोनों ही आंदोलन से निकली हुई पार्टी है तो हमें एक और आंदोलन की जरूरत है। लोकतंत्र और चुनाव को बचाने के लिए हम विपक्ष नहीं हैं, बल्कि देशभक्त हैं और हमें एकजुट होना होगा। उन्होंने कहा कि कोई हम कोई व्यक्तिगत समस्या लेकर नहीं आए हैं। यह लोकतंत्र की जो हत्या हो रही है, देश में उसको बचाने की मुहिम है। पिछले दिनों हमने देखा था कि हमारे पहलवान अपने जीते हुए मंडल को गंगा जी में बहाने के लिए हरिद्वार गए थे। अगर इस पर कोई समाधान नहीं निकला तो अगली बार वे अपनी अस्थियां विसर्जित करने जाएंगे। भाजपा लोकतंत्र की हत्या करती आई है। चुनाव में नहीं जीतती है तो जीते हुए लोगों को तोड़ती है।

रघुभूमि से तपोभूमि यात्रा तीन जून को अयोध्या से करेगी प्रस्थान

अयोध्या, (हि.स.)। रघुभूमि से तपोभूमि यात्रा शनिवार को मणिराम दास छावनी से शनिवार को प्रातः सात बजे बिहार के बक्सर के लिए प्रस्थान करेगी। यह यात्रा लोक दायित्व संगठन की ओर से की जायेगी। लोक दायित्व के प्रदेश अध्यक्ष डॉ संजय सिंह गौतम ने बताया कि प्रत्येक वर्ष माता सरयू के अवतरण दिवस ज्येष्ठ पूर्णिमा को यह यात्रा प्रारंभ होकर बक्सर स्थित महर्षि विश्वामित्र के सिद्धाश्रम तक उन स्थानों एवं मार्गो से जाती है, जिस मार्ग पर महर्षि विश्वामित्र प्रभु श्रीराम और लक्ष्मण को लेकर यज्ञ की रक्षा के लिए गए थे। उन्होंने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य रामायण सर्किट के डॉ. राम अवतार शर्मा द्वारा शोधित मार्ग को जन-जन से परिचित कराना है और लगभग मृतप्राय हो चुकी मूल सरयू नदी को जागृत एवं सदानीरा बनाना है। यात्रा के संयोजक पवन कुमार सिंह ने बताया कि यात्रा में महर्षि विश्वामित्र श्रीराम और लक्ष्मण की प्रतिमूर्ति रथ द्वारा चलेंगे एवं लगभग 50 यात्री 3 दिन तक पारंपरिक परिधान में तपस्वी जैसा जीवन व्यतीत कर बक्सर तक की यात्रा करेंगे। उन्होंने बताया कि यह यात्रा अयोध्या से चलकर आजमगढ़ स्थित भैरव बाबा मंदिर पर माता सरयू की भव्य आरती के पश्चात विश्राम करेगी। अगले दिन वहां से चलकर दूसरा पड़ाव कामेश्वर धाम मंदिर बलिया में रहेगा और अंतिम दिन यात्रा बक्सर पहुंचकर विराम करेगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान सरयू नदी का मार्ग मूल सरयू नदी का परिवर्तित मार्ग है।

भारत को दुनिया में नबर वन बनाना है, तो मोदी को फिर सत्ता में लाना होगा : कोचे मुंडा

खूटी, (हि.स.)। तोरपा के विधायक कोचे मुंडा ने कहा कि यदि भारत को आर्थिक और सामरिक दृष्टिकोण से दुनिया में सर्वोच्च स्थान पर लाना है, तो हमें केंद्र में फिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार को पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में लाना होगा। विधायक शुक्रवार को तोरपा प्रखंड के कसमार और मरचा में भाजपा के विकास तीर्थ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नौ साल बेमिसाल कार्यक्रम के तहत केंद्र सरकार द्वारा किये गये जन कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का जितना विकास हुआ, उतना विकास कांग्रेस के 70 वर्षों के कार्यकाल में भी नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में कृषि, सड़क, आईआईटी, आईटी, रक्षा, स्वास्थ्य सभी क्षेत्रों में काफी प्रगति की है। विधायक ने कहा कि महज नौ साल में ही प्रधानमंत्री ने सदियों से अटके-लटके कार्यों को पूरा किया। उन्होंने कहा कि बात गरीबों को आवास देने की हो, या गरीबों को चावल देने अथवा कोरोना वैक्सीन का टीका, देश ने अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकारी की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने और लोगों से जुड़ने के लिए भाजपा विकास तीर्थ कार्यक्रम के तहत गांव-गांव में जन संपर्क अभियान चला रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी के निर्देश पर 30 मई से 30 जून तक कई कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने गिरिडीह में नाबालिग के साथ दुष्कर्म और हत्या की मांगी रिपोर्ट

गिरिडीह, (हि.स.)। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने गिरिडीह में नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म और उसकी हत्या मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने गिरिडीह एसपी को पत्र जारी कर आयोग ने इस मामले से संबंधित पूरी रिपोर्ट आयोग को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। एसपी को लिखे पत्र में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि किसी भी स्तर पर नाबालिग या उससे जुड़े उनके रिश्तेदारों की पहचान उजागर नहीं होनी चाहिए। आयोग ने अपने पत्र में एसपी को इस मामले में पॉक्सो एक्ट के धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच करने का निर्देश दिया है। उल्लेखनीय है कि गत 29 अप्रैल को कुएं में नाबालिग स्कूली छात्रा को ग्रामीणों ने बेहोशी की हालत में पाया था। अस्पताल ले जाने के क्रम में उसकी मौत हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपित मो. कैफ को घटना के दिन ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है जबकि दो अन्य आरोपित की तलाश जारी है।

हिंदू साम्राज्य दिवस पर शहर में निकलेगी 350 फीट लंबी भगवा ध्वज की शोभा यात्रा

पूर्वी चंपारण, (हि.स.)। जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक के 350 वर्ष में प्रवेश करने के उपलक्ष्य पर कई भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। हिंदू साम्राज्य दिनोत्सव समिति के संयोजक सतीश टंडन ने बताया कि हिंदवी स्वराज्य और हिंदू पादशाही की स्थापना करने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक के 350 वर्ष में प्रवेश करने के उपलक्ष्य में हिंदू साम्राज्य दिनोत्सव का आयोजन को लेकर भव्य तैयारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक जेठ शुक्ल त्रयोदशी को हुआ था,ऐसे में हर वर्ष की भांति इस वर्ष 3 जून त्रयोदशी के दिन हिंदू साम्राज्य दिन उत्सव के रूप में मनाया जायेगा। इस दिन मोतिहारी शहर के विभिन्न क्षेत्रों से शिवाजी महाराज की झांकी निकालते हुए नरसिंह बाबा मंदिर के प्रांगण में एकत्रीकरण होंगा। इसके साथ ही 350 फीट लंबी भगवा ध्वज की एक शोभायात्रा संध्या चार बजे शहर के मुख्य मार्ग होते हुए नरसिंह बाबा मंदिर पहुंचेगी। संध्या छह बजे भारत माता की आरती के बाद कार्यक्रम संपन्न होगा। कार्यक्रम की सह संयोजिका प्रियंका नागवंशी ने बताया कार्यक्रम को लेकर समाज में पत्रक भेजने का कार्य किया जा रहा है। लोगो को अपने घरों पर दीपक जलाने स्वादिष्ट व्यंजन बनाने और घर के द्वार पर आम के पत्तों का बंदनवार लगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

जून में बेगूसराय आएंगे प्रधानमंत्री, पीएमओ ने किया अलर्ट

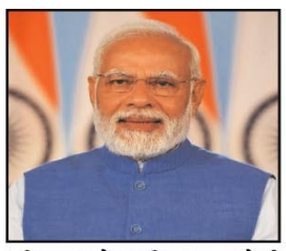

बेगूसराय, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जून महीने में बिहार की औद्योगिक राजधानी बेगूसराय आएंगे। इस दौरान वे कई बड़ी परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे। जून में बिहार में होने वाले प्रस्तावित चार सभाओं में सबसे पहले प्रधानमंत्री के बेगूसराय आने की संभावना है। इस दौरान विभिन्न परियोजनाओं के होने वाले उद्घाटन को लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने संबंधित इकाई को अलर्ट किया है। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की तारीख अभी घोषित नहीं हुई है लेकिन संभावना है कि 20 से 25 जून के बीच वे बिहार में सबसे पहले बेगूसराय आएंगे। इसके लिए हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (एचयूआरएल), इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को प्राथमिक सूचना दे दी गई है। अब कार्यक्रम की तैयारी शुरू की जा रही है। इस दौरान प्रधानमंत्री जनसभा को भी संबोधित करेंगे। जनसभा में उमड़ने वाली भीड़ के मद्देनजर उर्वरक नगर मैदान या उलाव हवाई अड्डा पर कार्यक्रम तय करने को लेकर विचार विमर्श किया जा रहा है। अधिक संभावना है कि जीरोमाइल के समीप स्थित उर्वरक नगर में ही जनसभा होगी। सांसद प्रतिनिधि अमरेन्द्र कुमार अमर ने शुक्रवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का बिहार का पहला कार्यक्रम बेगूसराय में संभावित है। यहां वे केन्द्रीय योजनाओं का उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन ईकाईयों को पीएमओ से अलर्ट आ गया है। कार्यक्रम में गिरिराज सिंह सहित कई अन्य केन्द्रीय मंत्री उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बेगूसराय में केन्द्र सरकार की 50 हजार करोड़ से अधिक की योजना आकार ले रही है। बिहार केसरी डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की कर्मभूमि बेगूसराय एक बार फिर औद्योगिक राजधानी के रूप में विकसित हो रहा है। प्रधानमंत्री यहां पुनर्निर्मित एचयूआरएल, बरौनी रिफाइनरी विस्तारीकरण के पूर्ण युनिट तथा फोरलेन का उद्घाटन करेंगे।

विभाग लक्ष्य के अनुरूप तेजी से करे पौधरोपण : मुख्यमंत्री

-सीएम ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की समीक्षा की

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को यहां पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की समीक्षा की और पौधरोपण अभियान की तैयारियों की विस्तृत जानकारी ली। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की बड़ी भूमिका है। विभाग नीतियों एवं प्राथमिकताओं के आधार पर बेहतर ढंग से कार्य करे और लक्ष्य के अनुरूप और तेजी से पौधारोपण कराएं। सीएम ने कहा कि पौधारोपण के लिए जो कार्ययोजना बनाई गई है उसको ठीक ढंग से कार्यान्वित करें। पहाड़ी क्षेत्र के निचले भागों में जल संग्रहण के लिए जो जगह बनायी गयी हैं, उन जगहों पर भी पौधारोपण कराएं। उन्होंने कहा कि जो पौधे पहले से लगाए गए हैं उनके सर्वाइवल के लिए सभी जरूरी उपाय करें। सरकारी भवनों के परिसर में भी जितना संभव हो पौधारोपण कराएं। नहर एवं नदी के किनारे पौधारोपण कार्य में तेजी लाएं। सड़क किनारे भी लक्ष्य के अनुरूप तेजी से पौधारोपण कराएं। सभी जिलों में पौधारोपण गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए अधिक-से-अधिक लोगों को जोड़ें और पौधारोपण के लक्ष्य को प्राप्त करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार से झारखंड के अलग होने के बाद राज्य का हरित आवरण क्षेत्र 9 प्रतिशत रह गया था।

वर्ष 2012 में हरियाली मिशन की शुरूआत की गई। 24 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया था जिसमें 22 करोड़ पौधे लगाए गए। सीएम ने कहा कि बड़ी संख्या में पौधारोपण किए जाने से राज्य का हरित आवरण क्षेत्र 15 प्रतिशत तक पहुंच गया। राज्य का हरित आवरण क्षेत्र कम-से-कम 17 प्रतिशत तक हो जाए इसके लिए तेजी से पौधारोपण कराएं। वर्ष 2019 में जल- जीवन -हरियाली अभियान की शुरूआत की गई जिसमें हरियाली को बढ़ावा देने के लिए तथा जल संरक्षण के लिए योजनाबद्ध ढंग से काम किये जा रहे हैं। सीएम ने कहा कि राजगीर, गया और अन्य पर्वतीय क्षेत्रों में पौधारोपण के लिए बीज डाले गए, जिससे वहां वृक्षों की संख्या बढ़ी और क्षेत्र हरा-भरा दिखता है। उन्होंने कहा कि बिहार में इको-टूरिज्म के विकास के लिए कई कार्य किए गए हैं। कई आकर्षक स्थलों को पर्यटक केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। हमने कई जगहों का भ्रमण कर वहां की व्यवस्थाओं को देखा है।

संपादकीय

कैसे खत्म होगी 'अति गरीबी'?

प्रधानमंत्री मोदी ने राजस्थान के अजमेर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए दावा किया है कि भारत में 'अति गरीबी' खत्म होने के बहुत निकट है। यह राजनीतिक और चुनावी बयान भी साबित हो सकता है। 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 'गरीबी हटाओ' के नारे पर चुनाव जीत लिया था। देश में गरीबी 2023 में भी है। क्या प्रधानमंत्री के कथन पर भी भरोसा नहीं करना चाहिए? प्रधानमंत्री मोदी के बयान का घोर विरोधाभास यह है कि आज भी करीब 22 करोड़ भारतीय 'गरीबी रेखा' के तले बताए जाते हैं। भारत सरकार कोई अधिकृत आंकड़ा देने की बजाय छिपाती रही है। वैसे 2022-23 के दौरान गरीब की जनगणना जारी है। कुछ आंकड़े सार्वजनिक भी हो सकते हैं, लेकिन यह जनगणना 2024 तक चलेगी। तब तक आम चुनाव हो चुके होंगे और नई सरकार बनने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी होगी! भारत में गरीबी के वे आंकड़े सामने हैं, जो आवधिक श्रम बल सर्वे के जरिए सार्वजनिक हुए हैं या संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम अथवा सीएमआईई सरीखे पेशेवर संगठनों की रपटों ने उद्घाटित किए हैं। गरीबी-रेखा के तले जीने वालों की संख्या अधिक होनी चाहिए, क्योंकि कोरोना महामारी के बाद ही 5.60 करोड़ भारतीय गरीबी-रेखा के नीचे चले गए हैं। हालांकि दावा किया जाता रहा है कि बीते 20 सालों में करीब 40 करोड़ लोगों को गरीबी-रेखा के बाहर लाया गया है। यानी इतने देशवासियों की औसत आमदनी में बढ़ोतरी कराई गई है, लेकिन सर्वे और रपटों के सच ये हैं कि भारत में 50 फीसदी आबादी की औसतन मासिक आय 5000 रुपए से कम है। यानी 170 रुपए रोजाना भी नहीं है। करीब 50 फीसदी लोगों की औसतन सालाना आय 53,610 रुपए है। देश में करीब 43 करोड़ श्रमिक हैं। उनमें आधे से कम को ही नियमित रोजगार नसीब है। देश की आबादी 142 करोड़ से ज्यादा हो गई है और विश्व में सर्वाधिक है, लेकिन करीब 41.01 करोड़ लोग ही 'नौकरीपेशा' हैं। यह संख्या घट रही है और बेरोजगारी की दर बढ़ कर 8 फीसदी को पार कर चुकी है। आंकड़ों में पूर्वाग्रह भी संभव हैं, लेकिन प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष बिबेक देबरॉय का मानना है कि 18 फीसदी आबादी अब भी गरीब है। यदि इन संक्षिप्त विवरणों का विश्लेषण किया जाए, तो 'अति गरीबी' के समापन की संभावनाओं पर बड़े-बड़े सवाल दिखाई देंगे। प्रधानमंत्री एक मोटा-सा खाका देश के सामने पेश कर सकते थे कि 'अति गरीबी' चरणबद्ध तरीके से कैसे खत्म हो सकती है। अभी तो व्यापक फासले और गहरी खाइयां हैं। भारत में मात्र एक फीसदी अमीर ऐसे भी हैं, जिनके पास देश की कमाई का 22 फीसदी से ज्यादा हिस्सा है। इस जमात की औसत आय 63.5 लाख रुपए है। देश में खरबपतियों की संख्या 160 से ज्यादा हो गई है, लेकिन इसी देश में 50 फीसदी महिलाओं में 'खून की कमी' है। औसतन 6-23 माह की उम्र के सिर्फ 11 फीसदी बच्चों को ही पूरा भोजन नसीब है। शेष कुपोषित और बीमार हैं। बालिग उम्र की 35 फीसदी आबादी को ही नियमित काम उपलब्ध है। शेष दिहाड़ीदार, मजदूर और अनियमित कामगार हैं। इसमें मनरेगा की जमात भी शामिल है, जिसे मजदूरी भी समयानुसार और नियमित नहीं मिलती। इन विरोधाभासों को क्या कहेंगे? बेशक यह खबर सुखद है कि 2022-23 में हमारी आर्थिक विकास दर 7.2 फीसदी रही है। विश्व में यह सबसे अधिक और तेज विकास दर है। फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी मात्र एक फीसदी विकास दर हो तरस रहे हैं। भारत चीन से डेढ़ गुना आगे है। जापान भी पीछे छूट गया है। कृषि की अप्रत्याशित विकास दर 5.5 फीसदी सामने आई है, तो 80 फीसदी तक निजी निवेश होटल क्षेत्र में आया है। कपड़ा, सीमेंट, इस्पात में भी निवेश बढ़ा है। सबसे ज्यादा 14 फीसदी बढ़ोतरी दर होटल-ट्रेड क्षेत्र में दर्ज की गई है। मैन्यूफैक्चरिंग, निर्माण, खनन और रियल एस्टेट आदि क्षेत्रों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है, लेकिन सवाल है कि इस विकास और अर्थव्यवस्था के विस्तार का फायदा देश के आम आदमी तक क्यों नहीं पहुंचता, ताकि उसकी गरीबी कम हो सके? बहरहाल प्रधानमंत्री ने आश्वासन दिया है, तो देश के साथ हम भी इंतजार करेंगे।

भारत में गरीबी के वे आंकड़े सामने हैं, जो आवधिक श्रम बल सर्वे के जरिए सार्वजनिक हुए हैं या संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम अथवा सीएमआईई सरीखे पेशेवर संगठनों की रपटों ने उद्घाटित किए हैं। गरीबी-रेखा के तले जीने वालों की संख्या अधिक होनी चाहिए, क्योंकि कोरोना महामारी के बाद ही 5.60 करोड़ भारतीय गरीबी-रेखा के नीचे चले गए हैं। हालांकि दावा किया जाता रहा है कि बीते 20 सालों में करीब 40 करोड़ लोगों को गरीबी-रेखा के बाहर लाया गया है। यानी इतने देशवासियों की औसत आमदनी में बढ़ोतरी कराई गई है, लेकिन सर्वे और रपटों के सच ये हैं कि भारत में 50 फीसदी आबादी की औसतन मासिक आय 5000 रुपए से कम है। यानी 170 रुपए रोजाना भी नहीं है। करीब 50 फीसदी लोगों की औसतन सालाना आय 53,610 रुपए है। देश में करीब 43 करोड़ श्रमिक हैं। उनमें आधे से कम को ही नियमित रोजगार नसीब है। देश की आबादी 142 करोड़ से ज्यादा हो गई है और विश्व में सर्वाधिक है, लेकिन करीब 41.01 करोड़ लोग ही 'नौकरीपेशा' हैं।

कुछ अलग

आत्मनिर्भरता का मुकदमा

एक बार फिर पौंग जलाशय पर्यटन की उम्मीदों से भर रहा है। अपने अस्तित्व की मिट्टी पर विस्थापन का दर्द लिए विश्व का यह भूभाग टुकर-टुकर देखता रहा, लेकिन न इसे समझा गया और न ही इसकी धडक़नें सुनी गईं। यह अनूठा बलिदान इतिहास के लिए लिखा गया होता, तो विस्थापितों की बोली लगाने के बजाए उन्हें गले से लगाने का मंतव्य पैदा होता। बस हलदून घाटी को ऐसा समुद्र बनाकर छोड़ दिया गया, जिसके तट आज भी पीड़ा की गहराई के सबूत बनते हैं। बहरहाल सुक्खू सरकार हिमाचल को अपने जलाधिकारों पर स्वाभिमान दिलाना चाहती है और इसलिए अब बात सिर्फ तमाम बड़ी बांध या विद्युत परियोजनाओं की ही नहीं, बल्कि पानी की हर बूंद की होने लगी है। इसी कड़ी में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आर के सिंह से जब मुख्यमंत्री मुलाकात करते हैं, तो आशाओं के झरने हिमाचली अस्मिता के पास आकर मधुर संगीत सुनाते हैं। बीबीएमबी से 12 प्रतिशत मुफ्त बिजली की मांग के साथ-साथ सुखविंदर सुक्खू शानन विद्युत परियोजना का बाइज्जत स्थानांतरण चाहते हैं। यह कलम दवात से लिखा समझौता भले ही रहा हो, लेकिन 99 साल बाद मार्च 2024 में खत्म हो रही लीज के बदले हिमाचल को उसके आर्थिक अधिकार लौटाने का सबब बन रहा है। मुख्यमंत्री सुक्खू की दृष्टि में प्रदेश का स्वावलंबन उसी पानी को जागीर बनाता है जिसे हमने यूं ही बहने दिया, लेकिन अब अगर इसे छबील की तरह बांटा जाएगा तो देश को मालूम होगा कि पहाड़ कितना समृद्ध और शक्तिशाली है और रहेगा। रेणुका जी बांध परियोजना केवल विकास परियोजना नहीं, बल्कि सात राज्यों की प्यास बुझाने का सदका भी है। हम बांध तथा जल विद्युत परियोजनाओं को अभी तक केवल विकास या राष्ट्रीय निर्माण की दृष्टि से ही देखते रहे, जबकि यह पहाड़ को निचोडऩे-झिंझोडऩे, तोडऩे और मरोडऩे का ऐसा कत्र्तव्य है, जिसका ऋण राष्ट्रीय समग्रता में उतारा जा सकता है। इन परियोजनाओं ने आज तक पर्वतीय देह से ही कुठाराघात किया है। ऐसे में सुक्खू सरकार ने पर्वतीय रिश्तों को अहमियत देते हुए पानी से लाभान्वित राज्यों के बाद अब केंद्र से पूछा है, तो यह आत्मनिर्भरता का मुकदमा है और इसे पानी से भीग कर ही फैसला देना है। जल के माध्यम से आत्मनिर्भर हिमाचल की नींव रखते हुए सुक्खू अगर तमाम बांध परियोजनाओं को प्रगति, संपन्नता व आर्थिक विकास का शगुन देना चाहते हैं, तो यह प्रदेश की वास्तविक हैसियत को परवान चढ़ाने का संकल्प है। इसी कड़ी में पौंग जलाशय की पर्यटन परियोजनाओं के नाम हो रहे 70 करोड़ का जलवा आने वाले दिनों में अपने रंग दिखाएगा। रामसर वेट लैंड की चयनित श्रृंखला में नाम कमा चुका यह क्षेत्र हर साल प्रवासी पक्षियों के आगमन, उनसे संबंधित शोध तथा आकर्षण के कारण प्रदेश की ख्याति बढ़ा रहा है। ऐसे में पर्यटन परियोजनाओं का ताज पहनकर यह क्षेत्र मेगा पर्यटन की मंजिल बन सकता है। जल क्रीड़ाओं की अधोसंरचना के साथ-साथ शिकारा तथा फ्लोटिंग होटल की परिकल्पना से पौंग डैम की किश्ती अब आर्थिकी के किनारे तक पहुंच सकती है। हम इसे सुक्खू सरकार का डिलीवरी सिस्टम कहें या प्रदेश के आत्मबल को आजमाने की कोशिश, लेकिन यहां कथनी और करनी का साथ दिखाई देने लगा है। पौंग जलाशय के साथ जुड़ा पर्यटन तब अपनी संभावनाओं को पूरा करेगा जब नगरोटा सूरियां के कालेज को स्टेट कालेज ऑफ फिशरीज स्टडी तथा इसके परिसर में एनसीसी का नेवल विंग व जल क्रीड़ा केंद्र बनाया जाए।

भारत के लोगों के नकारने से हिल रहे हैं और ये ग़ुस्सा नरेन्द्र मोदी पर निकाल रहे हैं

नई संसद के बहिष्कार की राजनीति

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

1947 में अंग्रेजों को यहां से जाना पड़ा। स्वतंत्र भारत की लोकसभा और राज्यसभा के लिए भी किसी उपयुक्त भवन की आवश्यकता थी। उस समय यही निर्णय हुआ कि इस कार्य के लिए फिलहाल इसी भवन का उपयोग किया जाए। जाहिर है भवन का नाम बदलना भी जरूरी था, इसलिए कौंसिल भवन को संसद भवन या पार्लियामेंट हाउस कहा जाने लगा। लेकिन कहना न होगा कि भवन मूल रूप से ब्रिटिश भवन निर्माण निपुणता का ही प्रतीक रहा। अनेक बार मांग भी होती रही कि यह पुरानी बिल्डिंग नए भारत की संसद के लिए छोटी भी पड़ती जा रही है, इसलिए नई भारतीय संसद का निर्माण किया जाए जो केवल नाम की भारतीय न हो, बल्कि भारतीय वास्तु व इतिहास की निरन्तरता का भी प्रदर्शन करती हो।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 28 मई 2023 को भारत की संसद के नए भवन का उद्घाटन किया। फिलहाल जिस भवन से संसद का काम लिया जा रहा था, वह ब्रिटिश सरकार द्वारा उस समय बनाया गया था, जिन दिनों उनका सूर्य कभी अस्त नहीं होता था। यह भवन 1927 में बन कर तैयार हुआ था और लार्ड इरविन, जो उस समय ब्रिटिश सरकार द्वारा नियुक्त भारत का वायसराय था, ने 18 जनवरी को इसका उद्घाटन किया था। इस भवन का नाम कौंसिल हाउस था और यहां इम्पीरियल लैजिस्लेटिव कौंसिल की बैठकें हुआ करती थीं। लेकिन ब्रिटिश सरकार का यूनियन जैक यहां बीस साल तक ही लहरा सका। 1947 में अंग्रेजों को यहां से जाना पड़ा। स्वतंत्र भारत की लोकसभा और राज्यसभा के लिए भी किसी उपयुक्त भवन की आवश्यकता थी। उस समय यही निर्णय हुआ कि इस कार्य के लिए फिलहाल इसी भवन का उपयोग किया जाए। जाहिर है भवन का नाम बदलना भी जरूरी था, इसलिए कौंसिल भवन को संसद भवन या पार्लियामेंट हाउस कहा जाने लगा। लेकिन कहना न होगा कि भवन मूल रूप से ब्रिटिश भवन निर्माण निपुणता का ही प्रतीक रहा। अनेक बार मांग भी होती रही कि यह पुरानी बिल्डिंग नए भारत की संसद के लिए छोटी भी पड़ती जा रही है, इसलिए नई भारतीय संसद का निर्माण किया जाए जो केवल नाम की भारतीय न हो, बल्कि भारतीय वास्तु व इतिहास की निरन्तरता का भी प्रदर्शन करती हो। कौंसिल हाउस की बिल्डिंग न केवल भारतीय संसद की आवश्यकताओं की जरूरतों से कोसों दूर थी बल्कि यह भारत की आत्मा का प्रतिनिधित्व भी नहीं करती थी। किसी ने हंसी में कहा भी था कि लगता था इस कौंसिल हाउस में अंग्रेजों की आत्मा घूमती रहती है। जहां तक भारतीय स्थापत्य कला का प्रश्न था, लुटियन, जिसने इस भवन का डिजाइन तैयार किया था, उसने अपना पत्नी को लिखा था, 'मुझे नहीं लगता कि भारत में कोई भारतीय स्थापत्य कला नाम की कोई चीज भी है या फिर भारत में वास्तुकला की कोई महान परम्परा भी है।' इसलिए यह जरूरी था कि भारत अपनी महान वास्तुकला की परम्परा के अनुरूप अपने 'लोकतन्त्र मन्दिर' का निर्माण करे। लेकिन अनेक कारणों से पुरानी सरकारें इस राष्ट्रीय महत्व के काम को टालती रहीं। उसका एक कारण यह भी हो सकता है कि इनका स्वयं ही भारत की महान वास्तुकला परम्परा में विश्वास नहीं था। अन्ततः नरेन्द्र मोदी की सरकार के जिम्मे ही यह राष्ट्रीय दायित्व निभाने का

अवसर आया। लुटियन का कौंसिल हाउस छह साल में बना था जबकि भारत के लोकतन्त्र का यह नया मन्दिर अढाई साल के रिकार्ड समय में बनकर तैयार हुआ। जिस दिन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के लौहपुरुष वीर सावरकर की जयंती थी, उस दिन पूरे विधि-विधान से इस मंदिर में लोकमंगल की साधना के प्रतीक सेंगोल राजदंड की प्राण प्रतिष्ठा की गई। इस राजदंड की कथा भी विचित्र है। जब अंग्रेजों का यहां से जाने का समय आ गया तो उनके समक्ष प्रश्न उपस्थित हुआ कि भारतीय शासन व्यवस्था जिस पर उन्होंने दो सौ साल से बलपूर्वक कब्जा जमा रखा था, वह अब भारतीयों को कैसे सौंपा जाए? गजट नोटिफिकेशन के माध्यम से तो यह कार्य होना ही था। लेकिन इसके लिए क्या कोई पुरातन भारतीय परम्परा भी है? कहा जाता है कि पंडित जवाहर लाल नेहरू के लिए यह एक ऐसा प्रश्न था जिसमें उनका विश्वास ही नहीं था। लेकिन इसे टाला भी नहीं जा सकता था। नेहरू ने आचार्य राजागोपालाचारी को यह उलझन सुलझाने के लिए कहा। राजागोपालाचारी ने महान चोल शासकों की परम्परा का अध्ययन करने के बाद बताया कि भारत में ऐसे समय नए शासक को राजदंड दिया जाता था जिसे तमिल भाषा में सेंगोल कहा जाता है। यह राजदंड यह सुनिश्चित करता है कि शासक अपने राज धर्म के मार्ग पर चलेगा। यह राजदंड भारत की हजारों हजारों साल की कत्र्तव्य यानी धर्म साधना का प्रतीक था, जो शासक की जबावदेही निश्चित करता था। सेंगोल पूरे विधि-विधान से पंडित नेहरू को दिया गया, लेकिन वह संसद भवन में न जाकर नेहरू जी के घर के एक्सकेवेशंस में डाल दिया गया। शायद इसका कारण था कि नेहरू भारत की प्राचीनता और उसकी प्राचीन परम्पराओं से बहुत चिढ़ते थे। वे भारत को प्राचीन राष्ट्र स्वीकार ही नहीं करते थे, बल्कि इसे 'नेशन इन मेकिंग' कहा करते थे। यही कारण था कि 'कत्र्तव्य पथ' का स्मरण करवाते रहने वाला सेंगोल उनके घर के किसी कोने में गोल्डन वाकिंग स्टिक बन कर पड़ा रहा और वहीं से प्रयागराज के अजायबघर में इसी पहचान के साथ पहुंच गया। नई भारतीय संसद में वह पुनः स्थापित किया गया। सेंगोल इस बात का भी प्रतीक है कि भारतीय शासन व्यवस्था भारतीय संविधान के अनुरूप चलती है। सेंगोल भारत की प्राचीन लोकतांत्रिक आस्था को नवीन संविधान की लोकतांत्रिक आस्था को निरन्तरता में स्थापित करती है। नरेन्द्र मोदी इसीलिए भारत को लोकतंत्र की जननी कहते हैं। नया संसद भवन अपने स्वरूप में भी सम्पूर्ण रूप से भारतीय है। यहां उसके प्राचीन इतिहास, संगीत, परम्परा, साहित्य, भूगोल, समाज शास्त्र का दिग्दर्शन होता है। यह नवीन और प्राचीन का एकात्म स्वरूप है। उसकी निरन्तरता का द्योतक है। यह उपनिवेश की चीत्कार कर रही दुष्ट आत्माओं से मुक्ति का राष्ट्रीय पर्व है। उस मानसिक दासता से बौद्धिक स्तर पर मुक्ति का महान अनुष्ठान है। लेकिन इसे क्या कहा जाए कि सत्ता प्राप्ति की लालसा में लार टपकाते अनेक दलों ने इस राष्ट्रीय अनुष्ठान का बहिष्कार ही नहीं किया बल्कि इसकी निन्दा भी की। इसकी व्याख्या कैसे की जा सकती है? इसके लिए भी भारतीय इतिहास में ही गहरे पैठना होगा। अपनी सन्तान के लिए सत्ता का सिंहासन किसी भी तरह सुरक्षित कर देने की लालसा में महाभारत के धृतराष्ट्र अन्धे हो गए थे। उस कारण से ही भारतीय इतिहास का एक अध्याय लिखा गया। कहा जा सकता है कि धृतराष्ट्र तो जन्मान्ध थे। यह ठीक है, लेकिन येन केन प्रकारेण अपनी सन्तानों के लिए सत्ता सिंहासन सुरक्षित रखने की लालसा में उनकी अन्तर-ज्योति भी बुझ गई थी। क्या इसे महज संयोग कहा जाए कि जिन दलों ने भारतीय संसद के इस राष्ट्रीय पर्व का बहिष्कार किया, वे सभी पारिवारिक दल ही थे। सोनिया गान्धी को अपने प्रौढ़ हो रहे पुत्र राहुल गान्धी को किसी तरह प्राचीन भारत के सत्ता सिंहासन पर बिठाना है, लालू यादव को अपने तेजस्वी की चिन्ता खाए जा रही है, मुलायम सिंह यादव तो नहीं रहे लेकिन पूरा परिवार किसी तरह अपने अखिलेश के लिए कुर्सी सुरक्षित करवा लेना चाहता है। ममता बनर्जी को अपने भतीजे की चिन्ता खाए जा रही है। डीएमके के करुणानिधि के बेटे ने पिता के देहान्त के बाद सही सलामत कुर्सी संभाल ली थी लेकिन अब गान्धी परिवार की तरह वह स्टालिन से छोटे स्टालिन तक सुरक्षित हो जाए, यही कामना है।

प्रशिक्षक भर्ती व पदोन्नति नियमों में सुधार

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ी करोड़ों लोगों में स्वयं व अपने देश को पदक जीत कर सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करता है तो उसके पीछे जहां उस दृढ़ संकल्प, लगातार कठोर परिश्रम व अपनों की सहायता व दुआएं होती हैं, वहीं पर एक प्रशिक्षक की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण होती है। इसीलिए अलग से राज्यों में खेल विभागों का गठन हुआ है। 1982 के एशियाड के बाद हिमाचल प्रदेश सरकार ने भी प्रदेश में हिमाचल प्रदेश युवा सेवाएं एवं खेल विभाग का गठन किया। विभाग के गठन के चार दशक बाद भी अभी तक हिमाचल प्रदेश में प्रशिक्षकों के भर्ती व पदोन्नति नियमों को अब अमलीजामा पहनाया जा सका है। हिमाचल प्रदेश के इस विभाग में निदेशक, संयुक्त निदेशक, उप निदेशक, जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारियों, प्रशिक्षकों, कनिष्ठ प्रशिक्षकों व युवा संयोजकों के पद सृजित हैं। इस विभाग का कार्य प्रदेश में युवा गतिविधियों व खेलों का विकास करना है।

प्रशिक्षक कैडर के भर्ती व पदोन्नति नियमों में सुधार कर लिया है और कुछ जूनियर प्रशिक्षकों की पदोन्नति भी हुई है। परन्तु अभी भी प्रशिक्षक का स्केल और काम जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी का लिया जा रहा है। यह तो प्रशिक्षकों के साथ अन्याय है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ी करोड़ों लोगों में स्वयं व अपने देश को पदक जीत कर सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करता है तो उसके पीछे जहां उस दृढ़ संकल्प, लगातार कठोर परिश्रम व अपनों की सहायता व दुआएं होती हैं, वहीं पर एक प्रशिक्षक की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण होती है। इसीलिए अलग से राज्यों में खेल विभागों का गठन हुआ है। 1982 के एशियाड के बाद हिमाचल प्रदेश सरकार ने भी प्रदेश में हिमाचल प्रदेश युवा सेवाएं एवं खेल विभाग का गठन किया। विभाग के गठन के चार दशक बाद भी अभी तक हिमाचल प्रदेश में प्रशिक्षकों के भर्ती व पदोन्नति नियमों को अब अमलीजामा पहनाया जा सका है। हिमाचल प्रदेश के इस विभाग में निदेशक, संयुक्त निदेशक, उप निदेशक, जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारियों, प्रशिक्षकों, कनिष्ठ प्रशिक्षकों व युवा संयोजकों के पद सृजित हैं। इस विभाग का कार्य प्रदेश में युवा गतिविधियों व खेलों का विकास करना है। हिमाचल प्रदेश में यह विभाग खेल प्रशिक्षण, खेलों के लिए आधारभूत ढांचा व राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता होने पर नगद पुरस्कार व

अवार्ड देने के लिए बनाया गया है। हिमाचल प्रदेश के इस विभाग का निदेशक प्रशासनिक सेवा से ही अधिकतर नियुक्त होता रहा है, केवल विशेष परिस्थितियों में ही आज तक दो बार ही विभागीय अधिकारी निदेशक पद तक पहुंच पाए हैं। उपनिदेशक और कभी-कभी संयुक्त निदेशक पद तक विभाग के प्रशिक्षक व युवा संयोजक पदोन्नत होकर पहुंच जाते हैं। इन विभागीय अधिकारियों को अधिक तकनीकी जानकारी होती है। आजकल हिमाचल प्रदेश युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के पास कोई भी उपनिदेशक नहीं है। वरिष्ठ जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी को उप निदेशक के पद पर बिठा कर काम चलाया जा रहा है। पिछले कुछ महीनों से एक एचएएस अधिकारी को संयुक्त निदेशक का जिम्मा दिया है। नियमित जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी भी केवल चार ही जिलों में हैं। राज्य के शेष जिलों में कामचलाऊ अधिकारी बिठा रखे हैं। सरकार को चाहिए कि जल्दी ही उपनिदेशक के पद पर नियमित पदोन्नति की जाए तथा जिलों में भी नियमित अधिकारी हों। इस विषय पर पहले भी कई बार इस कॉलम के माध्यम से लिखा जा चुका है, मगर लगता है कि सरकार के लिए युवा शक्ति व खेल प्राथमिकता पर नहीं हैं। विभाग में नाम मात्र के प्रशिक्षक हैं। अधिकतर खेलों में तो एक भी प्रशिक्षक पूरे जिले के लिए उपलब्ध नहीं है। विभाग में जो प्रशिक्षक नियुक्त हैं उन्हें कनिष्ठ प्रशिक्षक के पद पर नियुक्ति मिली है। उसके बाद वे सेवानिवृत्ति तक भी प्रशिक्षक नहीं बन पाए। अब जाकर दशकों बाद विभाग में नियुक्त जूनियर प्रशिक्षकों को पदोन्नति मिली है और कई तो बिना पदोन्नति के ही सेवानिवृत्त हो गये हैं। जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी पद पर पदोन्नति के लिए केवल 25 प्रतिशत ही कोटा है। 50 प्रतिशत युवा संयोजक व 25 प्रतिशत पद हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से भरे जाते हैं। प्रशिक्षक बनने की योग्यता बहुत कठिन है। स्नातक डिग्री के साथ जो प्रतिभागी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हो या तीन बार वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व किया हुआ हो या शारीरिक शिक्षा में स्नातकोत्तर डिग्री के साथ अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में खेला हो, उसके बाद राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान में प्रवेश परीक्षा पास कर एक वर्ष के कठिन प्रशिक्षण व शिक्षण के बाद प्रशिक्षक बनता है। हिमाचल प्रदेश सरकार को चाहिए कि वह प्रदेश में नियुक्त कनिष्ठ प्रशिक्षकों को पांच साल के बाद प्रशिक्षक के पद पर पदोन्नति कर 50 प्रतिशत कोटा जिला अधिकारी पद पर पदोन्नति के लिए दिया जाए। क्योंकि प्रशिक्षकों की संख्या बहुत अधिक है, अगर हर खेल में जिला स्तर पर पांच प्रशिक्षक भी हों तो प्रशिक्षकों की संख्या सौ से भी अधिक जा सकती है। इसके मुकाबले बारह जिलों में बारह ही युवा संयोजक नियुक्त हैं। इस तरह देखा जाए तो यह प्रशिक्षकों साथ बहुत अन्याय है। प्रदेश में विभिन्न खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड तो बन कर तैयार हैं, मगर उनका न तो सही रख रखाव है और न ही उन पर उस स्तर का प्रशिक्षण कार्यक्रम हो रहा है। सरकार को चाहिए कि वहां पर उन खेलों में उच्च प्रदर्शन करवाने वाली खेल अकादमियां स्थापित की जाएं। हिमाचल प्रदेश में युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के दो खेल छात्रवास बिलासपुर व ऊना में कुछ चुनिंदा खेलों के लिए आधा अधूरा प्रशिक्षण दे रहे हैं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने वाले प्रशिक्षकों की कमी व प्रबंधन में अव्यवस्था साफ देखी जा सकती है। उत्कृष्ट खेल परिणाम दिलाने वाले प्रशिक्षक बहुत कम हैं। क्योंकि विभाग में प्रशिक्षकों की अनदेखी जिसमें बहुत कम ग्रेड पे व दशकों से कनिष्ठ पद पर कार्यरत रहने के कारण राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान से प्रशिक्षित प्रशिक्षक खेल विभाग में प्रशिक्षक बनने से अधिक शिक्षा विभाग में प्राध्यापक या डीपीई बनने को अधिमान देते हैं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने के लिए प्रशिक्षकों व खिलाडिय़ों के लिए एक अच्छी प्रबंधन टीम की अहम भूमिका है। सही प्रबंधन मिले, इसके लिए नियमित जिला खेल अधिकारियों, उपनिदेशकों, प्रशिक्षकों व अन्य अधिकारियों की नियुक्ति बेहद जरूरी है। खिलाड़ी को तैयार करने में प्रशिक्षक की भूमिका जब बेहद जरूरी है तो फिर हम उसे सामाजिक व आर्थिक रूप से निश्चिंत कर शारीरिक व मानसिक पूरी तरह अपने प्रशिक्षण पर केन्द्रित क्यों नहीं होने देते। राज्य के युवा सेवाएं एवं खेल विभाग में प्रशिक्षकों के साथ न्याय करने के लिए इनके भर्ती व पदोन्नति नियमों में संख्या अनुपात में संशोधन नहीं हो पाया है।

नागरिक बोध

राजस्थान कांग्रेस के दो दिग्गज नेताओं के बीच विपरीत दिशाओं में सुलह के दावे

राजस्थान कांग्रेस में दो नेताओ के बीच सियासी घमासान का अंत होने का दावा किया जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के दिल्ली निवास स्थान पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की बैठक में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच पिछले कई महीनों से विरोध चल रहा था। उसका बैठक के दौरान सुलह होने की बात मीडिया के समक्ष पेश की गई। दोनों दिग्गज नेताओं का फिर से एक होने का दावा किया गया है।लेकिन अशोक गहलोत और सचिन पायलट मीडिया के सामने उपस्थित हुए तब उनके चेहरे मुर्झाए हुए थे। चेहरों पर दोनों दिग्गज नेताओं के बीच सुलह के कोई लक्षण दिखाई नही दे रहे है। 2020 से दोनों नेताओं के बीच वैचारिक भेद टॉक ऑफ टाउन थे। धीरे धीरे संबंध इतने बिगड़ गए कि दोनों नेताओं की दिशा अलग अलग हो गई। एक दूसरे से कटने लगे थे।सचिन पायलट ने अनशन और जनसंघर्ष यात्रा की शुरुआत अशोक गहलोत के खिलाफ की गई थी।जिसमे तीन मांगे रखी गई थी।दरअसल,इस उठापटक के बाद भी कांग्रेस हाईकमान इस घटनाक्रम को चूपी साधे देखते रहे,लेकिन दोनों नेताओं के बीच सियासी मैत्री के लिए कोई प्रयास नही किया। हाई कमान की सचिन को लेकर यह मजबूरी रही होगी कि युवा नेता की राजस्थान में जरूरत है। चुनाव सिर पर है और कांग्रेस युवाओ को एक मंच पर एकत्रित करने का कार्य सचिन बखूबी निभाना जानते है। लिहाजा,हाईकमान ने सचिन को बारबार समझा कर वापस भेज दिया जाता था। उधर, अशोक गहलोत राजस्थान की सियासत के चाणक्य है। धुरंधर गहलोत राजस्थान के तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके है। राजस्थान में वर्तमान टर्म में कांग्रेस की वापसी कराने के लिए जनकल्याणकारी योजनाओ का पिटारा खोल मतदाताओं को लुभाने और वोट दिलाने के प्रयास को तेजगति से आगे बढ़ाया जा रहा है। कांग्रेस के लिए दोनों नेताओं की जरुरत है। कांग्रेस इनको खोना नही चाहती है। बैठक के दौरान कांग्रेस सुलह की बात कह रही है तो क्या अशोक गहलोत सचिन पायलट को प्रदेश अध्यक्ष बनाने की सिफारिश करेंगे? अगर इस काम को गतिमान रखते हुए कांग्रेस राजस्थान में आगे बढ़ती है तो कांग्रेस राजस्थान में मुकाम हासिल कर सकती है। गहलोत ने मीडिया में दिए बयान में यह कहा कि सचिन कांग्रेस में है तो चुनाव मेंमिलकर काम करते है। इससे यह प्रतीत होता है कि सचिन पर अशोक गहलोत अभी भी विश्वास जताने में असफल रहे है। कांग्रेस की साख को बचाने के लिए मनमुटाव खत्म कर दोनों नेताओं को फिर से एक मंच पर आना होगा। क्योंकि इतने समय की एक दूसरे के बीच दीवार खींची चली आ रही है। जो अब नासूर बन गई है। अशोक की कामयाबी युवा नेताओ के समर्थन में है।कई सीटो पर दमखम दिखाने वाले सचिन के पास मतदाताओं का ब्रेकग्राउंड जनसंघर्ष यात्रा में स्पष्ट दिखाई दिया था। कांग्रेस दावा कर रही है कि दोनों नेताओ के बीच कोई गीले शिकवे नही है।

देश दुनीया से

फिर विस्थापित विश्वास का मणिपुर

मणिपुर क्या फिर से संघर्ष के पुराने दिनों में लौट चला है? वहां थम-थमकर हो रही जातीय हिंसा ने इस सवाल को मौजूं बना दिया है। मणिपुर पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों से काफी अलग है। यहां के तमाम राज्यों में सशस्त्र संघर्ष हुए हैं, लेकिन वे सब अब अतीत बन चुके हैं। असम में ही सैकड़ों विद्रोही सक्रिय थे, लेकिन अब कमोबेश सभी शांत हैं। नगालैंड में तो नेशनल सोशलिस्ट कौंसिल ऑफ नगालैंड- इसाक मुइवा गुट के साथ केंद्र सरकार का समझौता भी नहीं हो सका है, लेकिन फिलहाल यहां पर शांति है। मणिपुर की जनजातियां इसके चरित्र को जटिल बनाती हैं। हम बेशक उनको कानूनी रूप से अनुसूचित जनजाति न बुलाएं, लेकिन वे खुद को अनुसूचित जनजाति ही मानती हैं। फिर, उनके अंदर भी कई उप-जनजातियां हैं, जिनमें खूब आपसी तनाव रहा है। 1997 में ही कुकी और उसकी उप-जनजाति पाइटी में जबर्दस्त हिंसा हुई थी। नगा भी यहां काफी हैं। फिर, म्यांमार से भी काफी संख्या में लोग भागकर यहां आए हैं, जिनको चिन कहा जाता है। इन सबके बीच संघर्ष तो है ही, जनजातियों के भीतर भी तनाव है। इससे मणिपुर अन्य राज्यों से अलग प्रकृति का हो जाता है। जिस नजरिये से हम दूसरे राज्यों को देख सकते हैं, मणिपुर को नहीं देख सकते। यहां छोटे-मोटे तनाव होते रहे हैं, लेकिन पिछले पांच-छह साल में इसने जो उपलब्धि हासिल की है, वह उल्लेखनीय है। दशक-डेढ़ दशक पहले तक यहां शाम में चार बजे के बाद कर्फ्यू लग जाया करता था। ठहरने के लिए ढंग की जगह नहीं मिलती थी। परिवहन भी सुगम और सुरक्षित नहीं था। मगर अब यहां नए-नए होटल बन गए हैं। आना-जाना भी आसान हो गया है। नौजवान भी अब ज्यादा दिखने लगे हैं, क्योंकि वे पहले अच्छी शिक्षा हासिल करने के लिए बेंगलुरु, दिल्ली चले जाते थे। तमाम तरह के कारोबार यहां शुरू हो चुके हैं। तरक्की की इन इबारतों से जातीय तनाव की आग मानो चिनगारी में बदल गई थी। मगर अब ताजा हिंसा के बाद माना जा रहा है कि आपसी अविश्वास की खाई इतनी गहरी हो जाएगी कि उसे पाट पाना काफी कठिन होगा। हाल-फिलहाल के दिनों में कुकी और मैतेई शायद ही एक-दूसरे पर भरोसा कर सकेंगे। यह एक खतरनाक संकेत है। बेशक यहां अमन-चैन दिखने लगा था, क्योंकि सुरक्षा व्यवस्था बेहतर हुई है, और विकास के कई काम हुए हैं, लेकिन तमाम जनजातियों में आपस में प्रतिस्पद्र्धा भी है। और, दुर्भाग्य से इनमें से कई हथियारबंद समूह भी हैं। इस बार उन्होंने अपने हथियारों का प्रदर्शन किया है, चाहे वे लूटकर उन्होंने जुटाए हों या कहीं से उनको मिले हों। अतीत में यहां आलम यह था कि अलगाववादी गुटों की सक्रियता सब पर भारी पड़ती थी। इस कारण यहां के कई इलाके असुरक्षित माने जाते थे। राजधानी इंफाल को छोड़कर बाकी तमाम क्षेत्रों में विकास की रोशनी मानो पहुंच ही नहीं रही थी। नतीजतन, यहां पर्यटक भी नाममात्र के दिखते थे। मगर इन दिनों हालात काफी बदल चुके थे। मणिपुर को 'न्यू रिफॉर्म्ड सेफ स्टेट', यानी सुधार की नई राह पर आगे बढ़ता एक सुरक्षित राज्य माना जा रहा था। पिछले कुछ वर्षों में बनी यह तस्वीर मिनटों में ध्वस्त हो गई। हमें यह समझना होगा कि गैर-कानूनी घुसपैठ यहां की सच्चाई है। म्यांमार में जब से सरकार बदली है, उसने पूर्वोत्तर को प्रभावित किया है। बांग्लादेश के साथ भी ऐसा ही है, जिसकी बिगड़ती सेहत पूर्वोत्तर को नुकसान पहुंचाती है। असल में, म्यांमार और भारत के सीमावर्ती इलाकों में बसी इन जनजातियों में पारिवारिक रिश्ता है। आतंकवाद के खिलाफ म्यांमार सरकार की कार्रवाई के बाद काफी संख्या में लोग सीमा पार से आए। वे मणिपुर ही नहीं, मिजोरम में भी बसे। वहां तो करीब 30 हजार शरणार्थियों को चिह्नित भी किया गया है। कोई यह पूछ सकता है कि जब मिजोरम में भी म्यांमार से प्रवासी आए, तो वहां ऐसा तनाव क्यों नहीं दिखता? असल में, मिजोरम में इनके समर्थन में आवाज उठी है। हालांकि, वहां भी जनसांख्यिकी में बदलाव का मसला आ सकता है, जिसका गवाह मणिपुर बना है।

मणिपुर की जनजातियां इसके चरित्र को जटिल बनाती हैं। हम बेशक उनको कानूनी रूप से अनुसूचित जनजाति न बुलाएं, लेकिन वे खुद को अनुसूचित जनजाति ही मानती हैं। फिर, उनके अंदर भी कई उप-जनजातियां हैं, जिनमें खूब आपसी तनाव रहा है। 1997 में ही कुकी और उसकी उप-जनजाति पाइटी में जबर्दस्त हिंसा हुई थी। नगा भी यहां काफी हैं। फिर, म्यांमार से भी काफी संख्या में लोग भागकर यहां आए हैं, जिनको चिन कहा जाता है। इन सबके बीच संघर्ष तो है ही, जनजातियों के भीतर भी तनाव है। इससे मणिपुर अन्य राज्यों से अलग प्रकृति का हो जाता है।

न्यूज ब्रीफ

200 भारतीय मछुआरों और तीन कैदियों को रिहा करेगा पाकिस्तान, वाघा सीमा पर भारत को सौंप जाएगा

करांची। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी के भारत दौरे के बाद उनके तेवर काफी ढीले पड़ गए हैं। पहले भारत की सराहना और अब उन्होंने घोषणा की है कि पाकिस्तान शुक्रवार को मानवीय आधार पर 200 भारतीय मछुआरों और तीन असैन्य कैदियों को रिहा करेगा। पिछले महीने पाकिस्तानी अधिकारियों ने कराची की जेल में बंद 198 भारतीय मछुआरों को देश की समुद्री सीमा में अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार किए जाने के बाद रिहा कर दिया था। उन्हें वाघा सीमा पर भारत को सौंपा था। वहीं भुट्टो जरदारी ने एक ट्वीट में कहा कि आज, पाकिस्तान 200 भारतीय मछुआरों और तीन नागरिक कैदियों को रिहा कर रहा है। इससे पहले, 198 भारतीय मछुआरों को 12 मई 2023 को रिहा किया गया था। यह मानवीय मामलों का राजनीतिकरण नहीं करने की पाकिस्तान की नीति के अनुरूप है। करुणा को राजनीति पर वरीयता मिलनी चाहिए। बता दें कि पाकिस्तान और भारत नियमित रूप से मछुआरों को समुद्री सीमा का उल्लंघन करने के लिए गिरफ्तार करते हैं। हालांकि, उन्हें फिर रिहा कर दिया जाता है।

यूएसए में वाहन के पेड़ से टकराने से भारतीय मूल के व्यक्ति की मौत

न्यूयॉर्क। यूएसए में ओहायो राज्य के ह्यूरोन काउंटी में एक वाहन के पेड़ से टकरा जाने के कारण उसमें सवार भारतीय मूल के एक व्यक्ति की मौत हो गई। ओहियो स्टेट हाईवे पेट्रोल नॉरवॉक पोस्ट ने बताया कि भारतीय मूल के मिलन हितेशभाई पटेल (30) की इजिप्ट रोड के उत्तर में रूट 61 पर 30 मई को स्थानीय समयानुसार तड़के 4.39 बजे एक कार दुर्घटना में मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि मिलन एक सफेद 2014 टोयोटा कैमरी चला रहे थे। वह सड़क के दायीं ओर कार चला रहे थे, तभी उनका वाहन ट्रैफिक साइन और पेड़ से टकरा गया। उन्होंने सुरक्षा बेल्ट नहीं पहनी थी और वाहन में फंसने के कारण उनकी मौत हो गयी।

स्पेन के बादाजोज शहर में विस्फोट, एक की मौत, 16 घायल, इमारत का आगे का हिस्सा नष्ट

मेड्रिड। एक रिहायशी इमारत में शक्तिशाली विस्फोट होने से स्पेन के बादाजोज शहर में एक व्यक्ति की मौत हो गयी और कम से कम 16 लोग घायल हो गये। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आयी है। एबीसी एस्पाना न्यूज के हवाले से बताया गया है कि बादाजोज शहर में गुरुवार को एक अपार्टमेंट की इमारत में विस्फोट होने से इमारत का आगे का हिस्सा पूरी तरह से नष्ट हो गया और विस्फोट के तुरंत बाद आग लग गई। स्पेनिश पुलिस और दमकलकर्मी इमारत में घुसने में कामयाब रहे जहां उन्हें बाथरूम में एक व्यक्ति का शव मिला। प्रत्यक्षदर्शियों ने गैस रिसाव के कारण यह घटना घटने की संभावना जतायी है। उन्होंने कहा कि अग्निशमन विभाग को फोन किया, क्योंकि उन्हें गैस रिसाव का संदेह था। घायलों को अस्पताल में भर्ती किया है।

अमेरिकी सीनेट ने ऋण सीमा विधेयक पारित कर राष्ट्रपति बाइडन के पास हस्ताक्षर के लिए भेजा

वाशिंगटन। अमेरिका के सीनेट ने संघीय खर्च एवं ऋण सीमा विधेयक को पारित कर दिया है। जिससे अमेरिका अपने ऋण दायित्वों में होने वाली चूक को रोकने में सक्षम होगा। सीनेट ने इस विधेयक को गुरुवार देर रात 36 के मुकाबले 63 मतों से पारित किया और इसे राष्ट्रपति जो बाइडन के पास हस्ताक्षर के लिए भेज दिया। राष्ट्रपति बाइडेन और हाउस स्पीकर केविन मैक्कार्थी के बीच पिछले कई सप्ताहों से ऋण सीमा समझौते पर बातचीत चल रही थी। यह सीमित राजकोषीय सुधारों के बदले में अमेरिकी ऋण सीमा को दो वर्षों के लिए लिए बढ़ाता है, जिसमें अप्रयुक्त कोविड-19 फंड की पुनः प्राप्ति और कुछ आंतरिक राजस्व सेवा के वित्तपोषण को रद्द करना शामिल है। निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव ने इस विधेयक को बुधवार रात 117 के मुकाबले 314 मतों से पारित किया था। वित्त विभाग ने बताया कि अगर कांग्रेस ऋण सीमा बढ़ाने वाले इस विधेयक को पारित करने में विफल रहती है तो अमेरिका को 5 जून से अपने वित्तीय दायित्वों पर चूक का जोखिम उठाना पड़ता।

तो पाकिस्तान के आगे डिफॉल्ट करने के अलावा कोई और चारा नहीं!

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार ने यह मान लिया है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के विस्तारित कोष सुविधा (ईएफएफ) के तहत मंजूर हुआ 6.5 बिलियन डॉलर का कर्ज उसे नहीं मिल पाएगा। सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि अब पाकिस्तान सरकार का इरादा आईएमएफ से ऋण के नए प्रोग्राम पर बातचीत शुरू करने का है। इस दिशा में पहल बजट पेश होने के तुरंत बाद की जाएगी।

सरकारी सूत्रों ने कहा कि मौजूदा ऋण प्रोग्राम के तहत आईएमएफ की नौवीं समीक्षा पर अभी तक स्टाफ लेवल सहमति नहीं बनी है। इसके बाद 10वीं और 11वीं समीक्षा भी होनी है। लेकिन इन सबके लिए अब पर्याप्त समय नहीं बचा है। सूत्रों ने कहा- '30 जून तक 10वीं और 11वीं समीक्षाओं का पूरा होना असंभव है।' गौरतलब है कि मौजूदा ऋण प्रोग्राम की समय-सीमा अगले 30 जून को समाप्त हो जाएगी। इस तरह इस प्रोग्राम के तहत 2.5 बिलियन डॉलर की रकम मिलने की पाकिस्तान की उम्मीद टूट गई है।

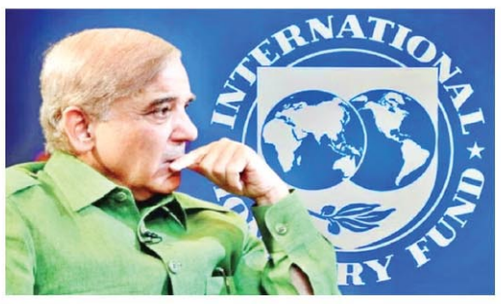

एक रिपोर्ट में बताया गया है कि आईएमएफ से तुरंत कर्ज ना मिलने के कारण संभव है कि अब पाकिस्तान डिफॉल्ट करने (ऋण चुकाने में अक्षम होने) पर मजबूर हो जाए। रेटिंग एजेंसी मूडीज ने चेतावनी दी है कि अगर पाकिस्तान को आईएमएफ से ऋण नहीं मिला, तो अगले वित्त वर्ष में पाकिस्तान डिफॉल्ट करने को मजबूर हो सकता है। पाकिस्तान में नया वित्त वर्ष जुलाई से शुरू होता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस हफ्ते आईएमएफ के साथ देश की अंदरूनी राजनीति से संबंधित मुद्दे पर पाकिस्तान सरकार की बदमजगी हुई, उससे दोनों पक्षों के संबंध और खराब हो गए हैं। इसके पहले आईएमएफ की शर्तों को लेकर दोनों पक्षों में तनाव पैदा हो चुका था। विशेषज्ञों ने कहा है कि पाकिस्तान के अंदरूनी हालत पर आईएमएफ की टिप्पणी को लेकर शहबाज शरीफ सरकार ने गैर-जरूरी अति-प्रतिक्रिया दिखाई। ऐसा करते हुए इस बात का ख्याल नहीं रहा कि पाकिस्तान आईएमएफ को नाराज करने की स्थिति में नहीं है। थिंक टैंक सेंटर फॉर रिजनल एंड ग्लोबल कनेक्टिविटी के निदेशक जीशान सलाहुद्दीन ने कहा है कि आईएमएफ से ऋण नहीं मिलने की स्थिति में पाकिस्तान के लिए किसी और स्रोत से कर्ज हासिल करना लगभग असंभव हो जाएगा। उस स्थिति में डिफॉल्ट से बचना मुश्किल हो जाएगा। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि पाकिस्तान को श्रीलंका के हालात से सबक लेना चाहिए। पिछले साल श्रीलंका ने डिफॉल्ट किया था। उसका नतीजा वहां भोजन, दवाओं और ईंधन की भारी किल्लत के रूप में सामने आया। ऐसा पाकिस्तान में भी हो सकता है। दूसरी बड़ी समस्या ऊंची महंगाई की है। अमेरिकी थिंक टैंक अटलांटिक काउंसिल में पाकिस्तान इनिशिएटिव के निदेशक उजैर यूनुस के मुताबिक वित्तीय मोर्चे पर पाकिस्तान का प्रदर्शन है और आईएमएफ की जैसी अपेक्षाएं हैं, उनके बीच खाई बहुत चौड़ी है। यूनस ने कहा कि आखिरकार पाकिस्तान को आखिरकार अपनी आर्थिक व्यवस्था के ढांचे में बुनियादी बदलाव लाना होगा। सिर्फ उससे ही उसकी समस्याओं का टिकाऊ हल निकल पाएगा। लेकिन फौरी तौर पर उसे आईएमएफ के कर्ज की जरूरत है।

नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल की भारत यात्रा

यात्रा के दौरान आलोचकों की हर इच्छा को पूरी नहीं कर पाए पीएम

काठमांडो। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल की नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हुई बातचीत को लेकर नेपाल में मिली-जुली प्रतिक्रिया हुई है। वैसे कुल मिला कर इस बात पर यहां संतोष जताया गया है कि आपसी संबंध में गुजरे वर्षों में बने रहे तनाव से आगे निकल कर दोनों देशों के नेताओं ने आमने-सामने बैठ कर बातचीत की और उनके बीच कई महत्त्वपूर्ण समझौते हुए।

इसके बावजूद नेपाल के कूटनीति हलकों और मीडिया में ज्यादा चर्चा उन मुद्दों की है, जिन पर दहल को ज्यादा सफलता नहीं मिली। इस सिलसिले में वायु मार्ग और पंचेश्वर बहुद्देश्यीय परियोजना का जिक्र किया गया है। हालांकि दोनों देशों के बीच बिजली के कारोबार को लेकर दीर्घकालिक सहमति बनी, लेकिन इस बारे में कोई ठोस समझौता नहीं हुआ।

काठमांडू के विश्वस्त सूत्रों के मुताबिक कहा है कि दहल की इस भारत यात्रा के दौरान नेपाल की तीन प्राथमिकताएं थीं। नेपाल में लोगों को उम्मीद थी कि इस यात्रा के दौरान दोनों देश के बीच महेंद्रनगर से एक अतिरिक्त वायु मार्ग पर विमान सेवा की शुरुआत का समझौता होगा, बिजली कारोबार के लिए 25 वर्ष का समझौता होगा और पंचेश्वर परियोजना पर अंतिम सहमति बन जाएगी।

नई दिल्ली गए नेपाली प्रतिनिधिमंडल में बुधवार को को उस समय गहरी नाराजगी पैदा हुई, जब मौर्य होटल में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा उससे मिले। दोनों भारतीय अधिकारियों ने वहां प्रस्ताव रखा कि बिजली व्यापार संबंधी समझौते को फिलहाल टाल दिया जाए। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके विरोध में नेपाली प्रतिनिधिमंडल ने स्पष्ट कर दिया कि जब तक बिजली व्यापार का समझौता नहीं होता, नेपाल लोवर अरुण और फुकोट करनाली पनबिजली परियोजनाओं के लिए करार पर दस्तखत नहीं करेगा।

इस कड़वाहट के बाद गुरुवार को दोनों देशों में एक मोटी सहमति बनी। दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की मुलाकात के दौरान 25 साल के बिजली व्यापार करार पर सिद्धांत रूप में सहमति बनी। दहल के साथ नई दिल्ली गए नेपाली प्रतिनिधिमंडल में शामिल एक वरिष्ठ अधिकारी ने काठमांडू पोस्ट को बताया- 'बुधवार तक भारतीय पक्ष बिजली समझौते पर दस्तखत के खिलाफ था। लेकिन लोवर अरुण और फुकोट करनाली के बारे में नेपाल के दृढ़ रुख के कारण गुरुवार को दोनों पक्षों में सहमति बन गई। चूंकि भारतीय मंत्रिमंडल ने इस समझौते को अभी मंजूरी नहीं दी है, इसलिए दोनों देशों में इससे संबंधित करार के बारे में दस्तावेजों का आदान-प्रदान नहीं हो सका।'

वायु मार्ग के मुद्दे पर भी दोनों देश एक मोटी सहमति पर पहुंच गए हैं। भारत सरकार महेंद्रनगर से उड़ान भर कर भारत में प्रवेश करने वाले विमानों को एक और मार्ग देने पर राजी हो गई है। लेकिन आलोचकों ने कहा है कि भारत सरकार जो रूट देने पर राजी हुई है, वह 15 हजार से 24 फीट की ऊंचाई वाली है। जेट विमानों के लिए इतनी कम ऊंचाई पर उड़ान भरना महंगा पड़ता है। आलोचकों के मुताबिक इस मामले में दहल भारत से रियायत पाने में नाकाम रहे।

पंचेश्वर परियोजना के बारे में भारत ने इसके प्रति अपनी वचनबद्धता दोहराई। लेकिन आलोचकों के मुताबिक इस बारे में भारत ने पुरानी बातों को दोहराया भर है। इस परियोजना के बारे में संधि 26 साल पहले हुई थी, लेकिन इसके निर्माण की दिशा में काम आगे नहीं बढ़ सका है। दहल की मौजूदा यात्रा के बाद भी ऐसा होने की संभावना नहीं है।

'भारत में लोकतंत्र तबाह हुआ तो पूरी दुनिया पर असर होगा': राहुल गांधी

वॉशिंगटन। राहुल गांधी अपने अमेरिकी दौरे पर लगातार केंद्र सरकार के खिलाफ हमलावर हैं। अब अपने ताजा बयान में राहुल गांधी ने कहा है कि भारत में लोकतंत्र का होना दुनिया के हित में है और अगर भारतीय लोकतंत्र तबाह हुआ तो इसका असर पूरी दुनिया पर होगा। राहुल गांधी ने ये भी कहा कि भारत में लोकतंत्र का तबाह होना अमेरिका के भी हित में नहीं है। कांग्रेस नेता ने ये भी कहा कि यह भारत का आंतरिक मामला है और वह इसके लिए लड़ाई लड़ते रहेंगे।

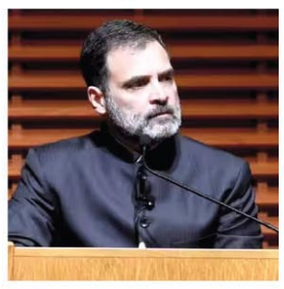

'दुनिया के हित में है भारत में लोकतंत्र का होना' – वॉशिंगटन में स्थित नेशनल प्रेस क्लब में गुरुवार को पत्रकारों से बात करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि 'भारत में लोकतंत्र के लिए लड़ना हमारा काम है और हम ऐसा कर भी रहे हैं लेकिन यह याद रखना चाहिए कि भारतीय लोकतंत्र, दुनिया के हित में है। भारत एक बड़ा देश है और अगर भारत में लोकतंत्र तबाह हुआ तो इसका असर पूरी दुनिया पर होगा। ऐसे में ये आपको सोचना है कि आप भारतीय लोकतंत्र को कितना महत्व देते हैं लेकिन यह हमारे लिए एक आंतरिक मामला है और इस लड़ाई के लिए हम समर्पित हैं और हम इसे जीतेंगे।'

'भारत को वो करना चाहिए, जो उसके हित में है। जिस तरह से निरंकुश विजन को प्रमोट किया जा रहा है, मैं उसके खिलाफ हूं। मुझे लगता है कि इस धरती पर लोकतंत्र की रक्षा की जानी चाहिए और भारत की इसमें अहम भूमिका है। भारत का अपना नजरिया है लेकिन मुझे नहीं लगता कि किसी को सोचना चाहिए कि वह केंद्र में है क्योंकि यह अहंकारपूर्ण होगा।'

अमेरिका से संबंधों पर ये बोले राहुल गांधी – अमेरिका और भारत के संबंधों पर राहुल गांधी ने कहा कि 'अमेरिका और भारत में समानताएं हैं और अगर वह साथ आते हैं तो काफी ताकतवर हो सकते हैं। चीन का जो विजन है वह समृद्धि तो देता है लेकिन वह अलोकतांत्रिक है। हमें यह स्वीकार नहीं है क्योंकि हम अलोकतांत्रिक शासन के तहत नहीं रह सकते। हमें लोकतांत्रिक रहते हुए संपन्नता और समृद्धि के बारे में सोचना चाहिए। इसमें भारत और अमेरिका के बीच के संबंध अहम भूमिका निभा सकते हैं।'

मोदी सरकार का समर्थन भी किया!

राहुल गांधी इन दिनों अमेरिका के दौरे पर हैं और वहां वह अपने कार्यक्रमों में केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला कर रहे हैं। हालांकि अब एक दुर्लभ मामले में राहुल गांधी ने केंद्र की मोदी सरकार का समर्थन किया है। राहुल गांधी ने रूस-यूक्रेन युद्ध में केंद्र की मोदी सरकार के स्टैंड का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार भी इस मुद्दे पर ऐसा ही करती।

कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने भाजपा सरकार पर बोला हमला, कहा-

लोगों में डर है; उन्हें लगता है कि कहीं उन पर हमला न हो जाए

वाशिंगटन। अमेरिका में कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने पीएम नरेंद्र मोदी और भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पिछले नौ सालों में सत्ता और धन सिर्फ कुछ लोगों तक ही सीमित हो गया है। पिछले नौ सालों में भारत में ध्रुवीकरण किया गया है। बता दें, सैम पित्रोदा इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष हैं।

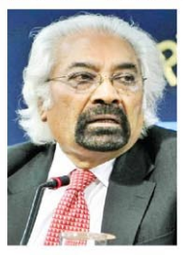

मीडिया से बात करते हुए पित्रोदा ने कहा कि पिछले नौ सालों में भारतीय समाज का ध्रुवीकरण किया गया है। धर्म के आधार पर ध्रुवीकरण किया गया है। भाजपा के लिए एक तरफ हिंदू हैं तो दूसरे तरफ बाकी दूसरे समुदाय के लोग हैं। भारत में विकास को ट्विस्ट कर दिया गया है। लोकतांत्रिक संस्थाएं काम नहीं कर पा रही हैं। आप सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं। आपको डर है कि अभी कोई आएगा और आप के ऊपर हमला कर देगा। इसलिए वह कुछ भी बोलने से हिचकते हैं, जो चिंता का विषय है। भारत में 85 या 82 प्रतिशत हिंदू आबादी है। लेकिन उनमें से बड़े स्तर के कुछ लोगों के पास ही ताकत और धन सीमित है। उनकी तुलना में दलित, आदिवासी, बढ़ई, लोहार, पल्बंर उतने विकसित नहीं हो पाए, जितना उन्हें होना चाहिए था। इसलिए वहां हिंदू और गैर हिंदुओं के बीच खींचतान नहीं है। बल्कि, लड़ाई वंचित और विशिष्ट लोगों के बीच संघर्ष है। पिछले नौ सालों में धन कुछ लोगों तक ही सीमित हो गया है। भारत में कई करोड़पति हैं, इससे मैं खुश हूं। लेकिन सरकार बड़ी संख्या में लोगों को गरीबी से नहीं उबार पाई। पित्रोदा ने आगे कहा कि सोशल मीडिया पर लोगों को ट्रोल परेशान करते हैं। वह महिलाओं को परेशान करते हैं। वे पत्रकारों को परेशान करते हैं।

तीन मामलों में 13 जून तक बढ़ी इमरान की जमानत

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री उस्मान बुजदार ने भी किया राजनीति छोड़ने का एलान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान शुक्रवार को यहां एक आतंकवाद रोधी अदालत (एटीसी) के समक्ष पेश हुए। अदालत ने लाहौर के कोर कमांडर हाउस पर हमले सहित तीन मामलों में उनकी अग्रिम जमानत की अवधि 13 जून तक बढ़ा दी। अदालत के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

खान कड़ी सुरक्षा के बीच एटीसी लाहौर में पेश हुए। उन्होंने इस बात को दोहराया कि उनकी जान को गंभीर खतरा है। पीटीआई कार्यकर्ता जिल्ले शाह की हत्या के मामले में अपनी जमानत की अवधि बढ़ाने की मांग को लेकर पीटीआई पार्टी के अध्यक्ष लाहौर उच्च न्यायालय में भी पेश हुए। उच्च न्यायालय ने मामले में उनकी जमानत छह जून तक बढ़ा दी है।

अदालत के एक अधिकारी ने बताया, एटीसी में न्यायाधीश एजाजअहमद बुट्टर ने सवाल किया कि वह (खान) जिन्ना हाउस के नाम से जाने जाने वाले लाहौर कोर कमांडर हाउस पर हमले से संबंधित मामले में जांच में शामिल क्यों नहीं हो रहे हैं। खान ने उनसे कहा कि उन्हें अपनी जान का गंभीर खतरा है। अधिकारी ने कहा, खान ने कहा कि उन्होंने जांचकर्ताओं से अनुरोध किया था कि उन्हें वीडियो लिंक के जरिए जांच में शामिल होने की अनुमति दी जाए, जिसे अस्वीकार कर दिया गया। हालांकि न्यायाधीश ने उन्हें जांच में शामिल होने का निर्देश दिया और उनकी जमानत 13 जून तक बढ़ा दी।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के पूर्व मुख्यमंत्री उस्मान बुजदार का नाम भी उन नेताओं की सूची में शामिल हो गया हैं, जिन्होंने हाल ही में राजनीति छोड़ने का एलान किया है। बुजदार इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) से जुड़े थे। बता दें कि अल कादिर ट्रस्ट मामले में पिछले महीने नौ मई को अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी हुई थी। इसके बाद देशभर में हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए थे। प्रदर्शनकारियों ने जिन्ना हाउस समेत कई सैन्य प्रतिष्ठानों को आग के हवाले कर दिया था। इसके बाद अब सेना ने पीटीआई के नेताओं के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है।

इससे पहले इमरान खान की करीबी और पूर्व मानवाधिकार मंत्री शिरीन मजारी ने भी पीटीआई को छोड़ने की घोषणा की है। उनके अलावा पार्टी के कई शीर्ष नेताओं ने पार्टी छोड़ चुके हैं। बुजदार ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा, सबसे पहले मैं नौ मई की घटना की निंदा करता हूं। जिन सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया, वे पाकिस्तान की संपत्तियां थीं और मेरा मानना है कि हमें ऐसी घटनाओं से बचना चाहिए।

भारत ने फिर की UNSC में सुधारों की पुरजोर वकालत, कहा-

'मौजूदा संरचना नई ताकतों को नहीं उभरने देती'

न्यूयॉर्क। भारत लंबे समय से संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में बदलाव की मांग कर रहा है। अब एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद विकृत और अनैतिक है और यह अभी भी उपनिवेशवाद की सोच से चल रही है। बदले भू-राजनैतिक परिदृश्य में यह नई ताकतों के उभार को प्रतिबिंबित नहीं करता है। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों और नीति विशेषज्ञों ने इसमें तुरंत सुधार करने की मांग की है।

यूएनएससी की मौजूदा संरचना दुनिया की हकीकतों से परे

गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र के मुख्यालय में सुरक्षा परिषद में सुधारों को लेकर एक राउंडटेबल चर्चा का आयोजन किया गया। इस चर्चा का आयोजन भारत, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, सेंट विंसेंट और ग्रेनाडा के डिप्लोमैट शामिल हुए। बैठक के दौरान

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मौजूदा संरचना आज की बहु-ध्रुवीय और आपस में जुड़ी हुई दुनिया की हकीकतों से परे है।

'कुछ देश कर रहे मौजूदा दुनिया का प्रबंधन'

भारत के शीर्ष थिंक टैंक ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के अध्यक्ष समीर सरन ने कहा कि इस बात का समर्थन नहीं किया जा सकता कि आज की बहु ध्रुवीय दुनिया में, पिछली सदी के युद्ध में जीते कुछ देश आज भी दुनिया का प्रबंधन करें। उन्होंने कहा कि युद्ध इतिहास की बात है और उसी तरह कुछ देशों का प्रभाव और क्षमताएं भी बीते दिनों की बात हो चुकी है। सुरक्षा परिषद का मौजूदा ढांचा अनैतिक है। सरन ने कहा कि युद्ध का बोझ उपनिवेशी देशों ने झेला और उसका फायदा उपनिवेश बनाने वाले देशों को मिला।

बता दें कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पांच स्थायी सदस्य हैं। इनमें अमेरिका, फ्रांस, चीन, रूस और ब्रिटेन शामिल हैं। 15 देशों की परिषद में अन्य देश अस्थायी सदस्य होते हैं और वह बदलते रहते हैं।

लड़ाकू विमान के बदले स्वीडन की नाटो में एंट्री करवाएगा अमेरिका?

वाशिंगटन। स्वीडन जल्द ही नाटो में शामिल हो सकता है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने यह जानकारी दी है। उनका कहना है कि स्वीडन जल्द ही नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन (नाटो) का सदस्य होगा। जिस तरह से तुर्किये और हंगरी लगातार स्वीडन का नाटों में शामिल किए जाने का विरोध कर रहे हैं, उसके बावजूद बाइडन ने जल्द से जल्द स्वीडन को नाटो का हिस्सा बनाने की बात कही है।

गौरतलब है, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का ये बयान इस बीच आया है, जब उन्होंने हाल ही में (29 मई) तुर्किये के राष्ट्रपति रेचप तैयप एर्दोगन से बात की है। इस बातचीत के दौरान एर्दोगन ने तुर्किये की अमेरिका से एफ-16 लड़ाकू विमान खरीदने की इच्छा दोहराई थी।

युद्ध में भी मर्यादा का पालन करने वाले थे छत्रपति शिवाजी महाराज

उदयपुर (हिंस)। छत्रपति शिवाजी महाराज युद्ध में भी मर्यादा का कठोर पालन करने वाले थे। उन्होंने किसी भी मस्जिद को अपने सैनिक अभियान में नष्ट नहीं किया, न ही किसी महिला के साथ अभद्रता होने दी, भले ही महिला शत्रु परिवार की क्यों न हो। यह बात प्रताप गौरव केंद्र *राष्ट्रीय तीर्थ* के निदेशक अनुराग सक्सेना ने शुक्रवार को छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक हिन्दवी साम्राज्य की स्थापना की तिथि के अवसर पर शिवाजी के व्यक्तित्व के संदर्भ में कही। उन्होंने कहा कि किसी भी मस्जिद को किसी सैनिक अभियान में नष्ट नहीं करने की बात को मुस्लिम इतिहासकारों ने भी खुले दिल से सराहा है। गोलकुण्डा के अभियान के समय शिवाजी को यह सूचना मिल गयी थी कि वहां का बादशाह शिवाजी के साथ संधि चाहता है, इसलिए उस राज्य में जाते ही शिवाजी ने अपनी सेना को आदेश दिया कि यहां लूटपाट न की जाए अपितु सारा सामान पैसे देकर ही खरीदा जाए। इस अवसर पर प्रताप गौरव शोध केंद्र के अधीक्षक डॉ. विवेक भटनागर ने कहा कि अंग्रेज इतिहासकारों व मुस्लिम इतिहासकारों ने शिवाजी को अपना साझा शत्रु माना है। इसलिए उन्होंने शिवाजी को औरंगजेब की नजरों से देखते हुए पहाड़ी चूहा या एक लुटेरा सिद्ध करने का प्रयास किया है। वास्तव में शिवाजी हिंदू राष्ट्रनीति के पुनरुत्थान के अधिनायक थे। शिवाजी की नीति धर्माधारित राज्य की स्थापना करने की थी। उन्होंने कभी किसी महिला के साथ कभी कोई अभद्रता नहीं होने दी, भले ही वह महिला शत्रु परिवार की क्यूं न हो। उन्होंने अपने गुरु समर्थ गुरु रामदास के आदेश पर उनके द्वारा दिए गए केसरिया अंग वस्त्र के टुकड़े से ही अपने राज्य की पताका बनाई और कहा, यह मां भगवती का शासन है, यह नीति का शासन है। इससे पूर्व, प्रताप गौरव केंद्र में छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। गौरव केंद्र भ्रमण करने आए पर्यटकों ने भी पुष्पांजलि अर्पित की।

पायलट के ट्वीट से सियासी चर्चा तेज अब उनके अगले कदम का इंतजार

जयपुर (हिंस)। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के टोंक में दिए गए हालिया बयान के बाद उनकी ओर से किया गया एक ट्वीट सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। पायलट के ट्वीट के बाद हर किसी की नजर अब राजेश पायलट की पुण्यतिथि 11 जून पर है। ग्यारह जून तक अगर पायलट को लेकर कांग्रेस कोई ठोस कदम नहीं उठाती है, तो वो क्या रास्ता अपनाएंगे, इस पर चर्चा तेज हो गई है। पूर्व उप मुख्यमंत्री पायलट ने अपने ट्वीट में लिखा कि मन में आस है, दिल में एक विश्वास है, बनाएंगे एक सशक्त राजस्थान, जन जन का जब साथ है। उनके इस ट्वीट के कई सियासी मायने निकाले

जा रहे हैं। बड़ा सवाल ये भी है कि उनकी ओर से गहलोत सरकार को दिए गए अल्टीमेटम का समय निकल जाने के बाद अब पायलट का अगला कदम क्या होगा? इसे लेकर कयासों का दौर जारी है। उल्लेखनीय है कि पायलट ने अजमेर की आरपीएससी के बाहर से जयपुर तक जन संघर्ष यात्रा निकाल कर गहलोत सरकार के सामने तीन मांगे रख 31 मई तक का अल्टीमेटम दिया था। बाद में उन्हें और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को दिल्ली बुलाया गया। यहां राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी की मौजूदगी में चार घंटे चली बैठक के बाद बाहर आकर मीडिया के सामने सब कुछ सही होने के संकेत दिए गए। हालांकि दिल्ली से लौटकर टोंक में जनसंपर्क के दौरान पायलट ने किसी भी तरह के समझौते से इनकार कर दिया। ऐसे में उनकी ओर से किए गए ट्वीट को लेकर कई मायने निकाले जा रहे हैं।

प्रदेश की राजनीति में बदलाव लाएगी तिरंगा यात्रा : दलबीर किरमारा

अभियान चलाकर ग्रामीणों को दी जानकारी

हिसार (हिंस)। आम आदमी पार्टी की ओर से आठ जून को निकाली जाने वाले तिरंगा यात्रा की सफलता के लिए पार्टी नेताओं ने ग्रामीण दौरे शुरू कर दिए हैं। पार्टी के जिला अध्यक्ष दलबीर किरमारा ने शुक्रवार को उकलाना हलका के गांव ढाड में अभियान चलाया और ग्रामीणों को तिरंगा यात्रा की जानकारी दी। इस दौरान ग्रामीण जिला सचिव कमल सोलंकी व कर्मचारी प्रकोष्ठ के मदन पपोसा भी उनके साथ मौजूद रहे। जिलाध्यक्ष दलबीर किरमारा ने बताया कि आठ जून को जींद में पार्टी द्वारा तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी द्वारा 8 जून को तिरंगा यात्रा का आयोजन किए जाने लिए जाने के बाद पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता इसको लेकर प्रचार अभियान में जुट गए हैं। उन्होंने बताया कि तिरंगा यात्रा को लेकर आम जनता में भी भारी जोश व उत्साह है।

पेपर लीक व साल्वर गैंग का सुरक्षित गढ़ बना हरियाणा : संपत सिंह

हिसार (हिंस)। कांग्रेस नेता एवं पूर्व मंत्री संपत सिंह ने कहा है कि सरकार की जनविरोधी नीतियों की वजह से प्रदेश बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, मंहगाई, नशा, साइबर ठगी, बलात्कार, चोरी, डकैती, अपहरण व फिरौती जैसे अपराध से ग्रस्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि सरकार की किसान विरोधी नीति की वजह से किसानों को न तो समर्थन मूल्य मिला और न ही फसल खराबे का मुआवजा मिला। किसान वर्ष 2020 के मुआवजे के लिए दो दिन से मोर्चा लगाकर लघु सचिवालय को घेरे बैठे हैं। सरकार किसानों के खातों में तुरंत मुआवजे के पैसे डाले। वे शुक्रवार को कांग्रेस भवन में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने बताया कि नलवा विधानसभा हलका की *हाथ से हाथ जोड़ो* जनसभा सात जून को होगी आजाद नगर स्थित साकेत कॉलोनी के कम्युनिटी सेंटर में होगी। इसमें सांसद दीपेन्द्र हुड्डा मुख्य अतिथि होंगे जबकि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान अध्यक्षता करेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि परिवार पहचान पत्र की वजह से गरीब परिवारों के 12 लाख बीपीएल कार्ड काट दिए गए जिसकी वजह से बुढ़ापा पैंशन, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड जैसी सभी सरकारी सुविधाएं बंद हो गई। प्रदेश में दो लाख से अधिक सरकारी पद खाली पड़े है। सरकार अब तक 32 भर्तियां पेपर लीक होने की वजह से रद कर चुकी है, प्रदेश पेपर लीक व साल्वर गैंग का सुरक्षित गढ़ बन गया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि पुलिस ने खेल रत्न व पद्मश्री प्राप्त महिला पहलवानों को धक्के मारे और बाल खींचकर अभद्रता की सभी सीमाएं लांघ दी। यौन शोषण का आरोपी सरकारी सरंक्षण में खुला घूम रहा है। इसकी वजह से विश्व स्तर पर सरकार और देश की बदनामी हो रही है परंतु फिर भी सरकार मौन है। इस अवसर पर उनके साथ पूर्व मंत्री सुभाष गोयल, पूर्व विधायक रामनिवास घोड़ेला, वजीर सिंह पूनिया, अमर गुप्ता, हरज्ञान ख्यालिया, बलवान सिंह, जेपी ज्याणी, अनिल बिश्नोई, सतीश ढांडा, राममेहर चहल, सतपाल मोर, सुरेंद्र बूरा, विजय शर्मा, प्रमोद पंवार, रणधीर बामल, जगबीर, संदीप, कुलदीप, नरेंद्र पूनिया व मंदीप उपस्थित थे।

नौ साल समावेशी, प्रगतिशील और सतत विकास लाने के लिए समर्पित रहे : महेंद्र सिंह

पटियाला (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार के नौ साल के सफल कार्यकाल की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. महेंद्र सिंह ने जिलाध्यक्ष केके मल्होत्रा की अध्यक्षता में प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ये नौ साल समावेशी, प्रगतिशील और सतत विकास लाने के लिए समर्पित रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार अपने सभी नागरिकों के लिए समानता और अवसर बनाने की अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ रही है। पिछले नौ साल भारत के नव निर्माण और भारत के गरीब कल्याण के नौ साल रहे हैं। इस मौके पर भाजपा पंजाब प्रदेश उपाध्यक्ष जय इंदर कौर और महामंत्री बिक्रमजीत सिंह चीमा भी मौजूद थे। महिंदर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने विकास की राजनीति को केंद्र बिंदु बनाकर मुख्यधारा में लाया है और अब राजनीतिक संवाद और नीतिगत कार्य प्रक्रिया इसके इर्द-गिर्द घूमती

है। 2014 में पदभार ग्रहण करने के बाद से, प्रधान मंत्री मोदी हर नीति निर्माण और कार्यान्वयन में भारत प्रथम दृष्टि को प्रोजेक्ट करने के अपने संकल्प में दृढ़ रहे हैं। इस मौके पर जय इंदर कौर ने कहा कि भारत ने पिछले 9 साल में एक पार्टी की *अपना परिवार, अपना विकास* की नीति को छोड़कर *सबका साथ, सबका विकास* की कहानी लिखी है। पहले भारत की कोई नहीं सुन रहा था। आज जब भारत बोलता है तो दुनिया सुनती है। माननीय प्रधानमंत्री ने जातिवाद, भाई-भतीजावाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति को खत्म कर विकास की राजनीति की स्थापना की है।आयुष्मान भारत योजना से देश के करीब 55 करोड़ लोग लाभान्वित हो रहे हैं। भाजपा कार्यकर्ता अगले एक माह तक सेवा, सुशासन व गरीब कल्याण के मंत्र को कलस्टर के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाएंगे। इस मौके पर परमिंदर बराड़, जसमीन संधावालिया, सुखविंदर कौर नौलखा, हरमेश गोयल, सुरजीत सिंह गढ़ी, पूर्व मेयर संजीव शर्मा बिट्टू, हरदेव बल्ली, विजय कूका, निखिल काका, हरदीप स्नोर, वीरिंदर खन्ना आदि भी मौजूद रहे।

सामाजिक न्याय विभाग में 25 क्लर्कों को सौंपा गया नियुक्ति पत्र

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के सामाजिक न्याय, अधिकारिता और अल्पसंख्यक विभाग बारे मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने शुक्रवार को पंजाब सिविल सचिवालय, चंडीगढ़ स्थित अपने कार्यालय में सामाजिक न्याय, अधिकारिता और अल्पसंख्यक विभाग में नये नियुक्त 25 क्लर्कों को नियुक्ति पत्र सौंपे। कैबिनेट मंत्री ने नव-नियुक्त कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि उनको पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ काम करना चाहिए जिससे सरकारी द?तरों में लोगों के विश्वास को और बढ़ाया जा सके। मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार नौजवानों को पहल के आधार पर रोजगार दे रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी सरकार राज्य में नौजवानों के लिए रोजगार के और मौके पैदा करेगी कैबिनेट मंत्री ने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले कर्मचारियों को लोकहित में अपनी सेवाएं पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि नव-नियुक्त कर्मचारी पूरे समर्पण के साथ अपनी सेवाएं निभाकर समाज के कल्याण में योगदान दे सकते हैं। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय, अधिकारिता और अल्पसंख्यक रमेश कुमार गैंटा, सामाजिक न्याय, अधिकारिता और अल्पसंख्यक विभाग के डायरेक्टर जसप्रीत सिंह और सुपरिटेंडेंट अमरजीत कौर विशेष तौर पर उपस्थित थे।

चुनाव में 50 फीसदी टिकटें युवाओं को देगी इनेलो : अभय चौटाला

हिसार (हिंस)। इनेलो के प्रधान महासचिव एवं विधायक अभय सिंह चौटाला ने कहा है कि इनेलो की सरकार बनने पर जहां युवाओं को नौकरी दी जाएगी तो वहीं नौकरी से वंचित रहने वाले युवाओं को 21 हजार रुपए बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि चुनाव में 50 फीसदी टिकटें भी युवाओं को दी जाएगी।वे शुक्रवार को परिवर्तन पदयात्रा आपके द्वार के 92वें दिन जिला के बरवाला व उकलाना विधानसभा क्षेत्रों के बरवाला शहर, खेदड़, बालक एवं पाबड़ा गांवों में जनसंवाद कर रहे थे। वे खेदड़ पावर प्लांट के आगे धरने पर बैठे युवाओं से मिले और उनकी बात सुनी। उन्होंने बिजली निगम के

एमडी मोहम्मद साइन को फोन लगा कर इन युवाओं का पक्ष रखा जिस पर एमडी ने जवाब दिया कि यह काम आज ही हो जाएगा। इनेलो नेता ने कहा कि भाजपा सरकार युवा विरोधी ही नहीं बल्कि किसान विरोधी भी है। किसान अपनी मांगों को लेकर विभिन्न जिलों में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं। किसानों की मांगों का समर्थन करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार को किसानों की सारी मांगे तुरंत माननी चाहिए। उन्होंने कहा कि हरियाणा के युवा न केवल बेरोजगारी का दंश झेल रहे हैं बल्कि इस गठबंधन सरकार के झूठे सब्जबाग के कारण यह वर्ग पथभ्रष्ट हो चुका है। अभय सिंह चौटाला ने कहा कि प्रदेश की भाजपा गठबंधन सरकार की इसी दोगली और झूठी नीति के कारण आज हरियाणा का युवा हताश है मगर अब इन लोगों ने ये भी जान लिया है कि असल में उनका हितैषी कौन है।

नाबालिग महिला पहलवान के पिता बोले

दिल्ली पुलिस को खुद सौंपे सभी दस्तावेज

रोहतक (हिंस)। महिला पहलवानों द्वारा कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण पर यौन शोषण के आरोपों को लेकर नाबालिग महिला पहलवान के पिता सामने आए। शुक्रवार को उन्होंने कहा कि जब बेटी ने नेशनल कैंप में हुई आपबीती बताई तो एक दम मानो शरीर से आत्मा बाहर निकल गई। ऐसा मन हुआ कि बृभूषण को मार दूं। साथ ही उन्होंने कहा कि मेरे भाई ने झूठ बोला है, क्योंकि रिश्ते में वह चाचा नहीं, बल्कि लड़की का ताऊ लगता है। पिछले कई सालो से सुख दुख में हमारा कोई भी वास्ता नहीं रहा है। स्वयं उन्होंने दिल्ली पुलिस को बेटी के दस्तावेज सौंपे है और उन्हें कानून व न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है, जीत सच्चाई की होगी। दरअसल हाल ही में नाबालिग पहलवान के ताऊ ने आरोप लगाया कि था उसके भाई का परिवार दूसरों के प्रभाव में है और बेटी नाबालिग नहीं बालिग है। शुक्रवार को नाबालिग महिला पहलवान के पिता मीडिया के समाने आए कहा कि उनकी लड़ाई सरकार, दिल्ली पुलिस व व्यक्ति विशेष से नहीं है, बल्कि यह न्याय के लिए और गलत को सही करने की लड़ाई है, ताकि भविष्य में खिलाड़ियों के साथ ऐसा दोबारा न हो सके। उन्होंने कहा कि न्याय में देरी हो सकती है, लेकिन जीत हमेशा सच्चाई की होगी और पहलवान सच्चाई की लड़ाई लड़ रहे है, इसलिए पूरा देश आज उनके साथ है। साथ ही उन्होंने बताया कि बड़ी बेटी का निधन 2004 में हुआ था और इसके बाद दोबारा वर्ष 2006 में उन्हें दोबारा से बेटी हुई और बड़ी बेटी के नाम पर ही छोटी बेटी का नाम भी रखा गया। दिल्ली पुलिस को स्वयं नाबालिग बेटी से जुडे दस्तावेज सौंपे है और जांच का इंतजार है।

गर्भवती महिलाओं के आवेदन भरने का जिम्मा देने पर आंगनबाड़ी वर्कर्स में उबाल

कैथल (हिंस)। शुक्रवार को आंगनबाड़ी वर्कर एवं हेल्पर ने लघु सचिवालय में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की अगुवाई यूनियन की जिला प्रधान राजबाला ने की व संचालन कविता ने किया। प्रदर्शन के दौरान आंगनबाड़ी वर्कर्स ने सरकार के खिलाफ देर तक नारेबाजी की। आंगनबाड़ी वर्कर्स गर्भवती माताओं को मिलने वाले लाभ के आवेदन पत्र वर्कर की आईडी से ऑनलाइन भरने के सरकारी आदेश से नाराज थी। जिलेभर की आंगनबाड़ी वर्कर लघु सचिवालय में एकत्रित हुई और मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। उन्होंने मांगों के समर्थन में जिला कार्यक्रम अधिकारी को ज्ञापन भी सौंपा। लघु सचिवालय में प्रदर्शन के दौरान बोलते हुए राज्य महासचिव शकुंतला शर्मा ने कहा कि आए दिन आंगनबाड़ी वर्कर हेल्पर के ऊपर नए नए कार्य थोंपे जा रहे हैं। अभी हाल में विभागीय अधिकारियों द्वारा पत्र जारी किया है कि आंगनबाड़ी

वर्कर गर्भवती माताओं को मिलने वाले लाभ के आवेदन पत्र वर्कर की आईडी से ऑनलाइन भरा जाएगा। सरकार के इस फरमान को मानने के लिए आंगनबाड़ी वर्कर तैयार नहीं है। इस काम के लिए सरकार ने मैं तो उन्हें कोई मोबाइल दे रखा है और ना ही इसकी कोई ट्रेनिंग दी गई है। इसलिए वर्कर अपनी आईडी से फार्म नहीं भर सकती। उन्होंने कहा कहा कि वर्कर व हैल्पर कम पढ़ी-लिखी हैं और आईडी हैक होने का भय बना रहता है। आंगनबाड़ी वर्कर्स ने मांग की है कि एक मार्च 2018 को हुए समझौते के अनुसार आंगनबाड़ी वर्कर व हेल्पर्स के मानदेय में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर श्रम विभाग हरियाणा सरकार द्वारा जारी पत्र की अनुपालना की जाए। पिछले दिनों हड़ताल के दौरान का मानदेय 100 रुपए की कटौती करके दिया जाए। इस मौके पर सुनीता, सीमा, सरोज, मीनाक्षी, आशा, निर्मला व पिंकी सहित अन्य वर्कर और हैल्पर मौजूद थी।

राहुल गांधी के मन में अपने ही देश के प्रति सम्मान नहीं : अरविंद सैनी

गुरुग्राम (हिंस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा मुस्लिम लीग को धर्म निरपेक्ष बताए जाने पर भाजपा के प्रदेश सह-मीडिया प्रमुख अरविंद सैनी ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा मुस्लिम लीग को धर्मनिरपेक्ष कहना बहुत ज्यादा खतरनाक है। राहुल बार-बार विदेशों में भारत को नीचा दिखा रहे हैं। अरविंद सैनी ने कहा कि मुस्लिम लीग को सेक्युलर कहकर राहुल गांधी बंटवारे का बीजारोपण कर रहे हैं। इससे यह साबित होता है कि कांग्रेस व राहुल गांधी की रूह में जिन्ना रहता है। यही कारण है कि राहुल ने मुस्लिम लीग को धर्मनरपेक्ष का सर्टिफिकेट देने की कोशिश की है। अरविंद सैनी ने कहा कि राहुल गांधी को शायद यह पता नहीं है कि हिंदुस्तान आजाद हो चुका है और यहां की समस्याओं का समाधान यहां की सरकार ही करेगी। राहुल गांधी लगातार हेट इंडिया कैंपेन चला रहे हैं। सैनी ने कहा कि राहुल गांधी में घृणा भरी है, लेकिन वे अपने मन की इस घृणा को छुपाने के लिए मोहब्बत की दुकान की बात करते हैं। भाजपा प्रदेश मीडिया सह प्रमुख ने कहा कि विदेश में कौन से संस्थान है, जो राहुल को बुलाते हैं। राहुल गांधी जब जब देश से बाहर जाते हैं, तब तब अपने बयानों से वे देश का सिर नीचे करने की कोशिश करते हैं। वो इसलिए ऐसा करते हैं कि राहुल के मन में देश के प्रति सम्मान नहीं है।

पंजाब में 3300 करोड़ रुपए के खेती प्रोजेक्टों की हुई शुरुआत : जौड़ामाजरा

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार के बागबानी विभाग ने पिछले वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान राज्य की उन्नति व प्रगति को साझा करने और पंजाब में एआईएफ स्कीम के प्रचार के लिए सरकार के साथ-साथ निजी क्षेत्र के सहयोगियों के योगदान को मान्यता देने के लिए मैग्सीपा, सैक्टर-26 चंडीगढ़ में कृषि बुनियादी ढांचा फंड (एआईएफ) सम्मेलन आयोजित किया गया। इस मौके पर बागबानी मंत्री चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान के प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए पंजाब ने एआईएफ स्कीम के अंतर्गत बहुत तरक्की की है। पिछले वित्तीय वर्ष 2022-23 दौरान 3480 प्रोजेक्टों से 2877 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश आकर्षित किया गया है। उन्होंने बताया कि 720 करोड़ रुपए के कर्जे पहले ही मंजूर किए जा चुके हैं, जिनमें से 591 करोड़ रुपए के कर्जे पहले ही अलग-अलग कर्ज देने वाली संस्थाएं बांट चुकी हैं। पंजाब में इस स्कीम का लाभ लेने में अग्रणी जिले बठिंडा (326), संगरूर (326), पटियाला (315), श्री मुक्तसर साहिब

(294) और फाजिल्का (283) हैं। मौजूदा वर्ष दौरान पंजाब में एआईएफ स्कीम के अंतर्गत हुई प्रगति बारे बात करते हुए मंत्री ने कहा कि पिछले साल से पंजाब लगातार विकास की तरफ बढ़ रहा है। पंजाब से एआईएफ पोर्टल पर अपलोड किए गए कुल आवेदनों की संख्या 5500 से अधिक है और 3300 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश आकर्षित किया गया है। एआईएफ सम्मेलन में बढ़िया प्रदर्शन करने वाले जिलों और बैंकों को सम्मानित किया गया।

राजस्थान में सात आईएएस और तीस आईपीएस अफसरों के तबादले

जयपुर (हिंस)। राज्य सरकार ने शुक्रवार सुबह सात आईएएस और 30 आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए है। कार्मिक विभाग की ओर से जारी की गई तबादला सूची में तीन आईपीएस और दो आईएएस अधिकारियों को अतिरिक्त कार्यभार दिया गया है। सूची में सात जिलों के एसपी बदल दिए गए हैं। माना जा रहा है कि आसन्न विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सरकार की ओर से यह बदलाव किया गया हैं। हालांकि, अभी आईपीएस और आईएएस के तबादले की बड़ी सूची आना बाकी है। पिछले सप्ताह ही सरकार ने 142 आरपीएस अफसरों के तबादले किए थे। अब जिन 37 अफसरों के तबादले किए गए है उनमें पांच अफसरों को अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है। यानी, वे अफसर जो काम देख रहे हैं उसके अलावा उन्हें अन्य विभागों का भी जिम्मा दिया गया है। इसके साथ ही कुछ पुलिस अधिकारियों को ऑफिस से हटाकर फील्ड पोस्टिंग भी दी गई है। आदेशों के अनुसार सात आईएएस अफसरों को इधर से उधर किया गया है। सूची में हाल ही माध्यमिक शिक्षा निदेशक पद से हटाए गए आईएएस गौरव अग्रवाल को कृषि एवं पंचायती विभाग में आयुक्त लगाया गया है। इसके अलावा जोधपुर दक्षिण और जोधपुर डवलपमेंट अथॉरिटी के भी आयुक्त बदले गए हैं। उत्सव कौशल जोधपुर नगर निगम दक्षिण व देवेंद्र कुमार जोधपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त होंगे। कानाराम को एक बार फिर से शिक्षा निदेशक बनाया गया है। इससे पहले भी वे इस पद पर रह चुके है। करीब एक साल पहले ही उनका तबादला जयपुर किया गया था। उनकी जगह गौरव अग्रवाल को निदेशक बनाया गया था। लेकिन, अग्रवाल के एपीओ होने के कारण दोबारा कानाराम को निदेशक का कार्यभार सौंपा गया है। इसके अलावा एमएल चौहान को अतिरिक्त महानिदेशक एचसीएम रीपा उदयपुर लगाया गया है। पुष्पा सत्यानी को निदेशक राजस्थान राज्य कृषि विपणन एवं पदेन संयुक्त शासन सचिव एवं प्रशासक कृषि विपणन बोर्ड जयपुर लगाया गया है। अक्षय गोदारा को संयुक्त शासन सचिव कार्मिक क विभाग जयपुर लगाया गया है। आईएएस विकास सीताराम भाले को उनके विभागों के अलावा प्रमुख शासन सचिव पशुपालन, मत्स्य एवं गोपालन विभाग का अतिरिक्त जिम्मा दिया गया है। जबकि, कुमारी रेणू जयपाल को आयुक्त महिला अधिकारिता विभाग एवं पंचायती राज विभाग महिला अधिकारिता का जिम्मा सौंपा गया है। इसी तरह आईपीएस तबादला सूची में राजीव कुमार शर्मा को महानिदेशक पुलिस कानून एवं व्यवस्था, आरएसी एवं राज्य आपदा राहत बल, जयपुर, जंगा श्रीनिवास राव को महानिदेशक, पुलिस प्रशिक्षण कम्युनिटी पॉलिसिंग एवं मानवाधिकार, जयपुर, डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा को महानिदेशक पुलिस एससीआरबी एवं साइबर क्राइम एवं तकनीकी सेवाएं, जयपुर, संजय अग्रवाल को अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस मुख्यालय जयपुर, अनिल पालीवाल को अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस रेल्वेज जयपुर, बिनीता ठाकुर को अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस पुलिस हाउसिंग जयपुर, सचिन मित्तल को अतिरिक्त महानिदेशक भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड, जयपुर, पी रामजी को अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस कम निदेशक, राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर, रूपिन्दर सिंह को महानिरीक्षक पुलिस आरएसी जयपुर, लता मनोज कुमार को महानिरीक्षक पुलिस अजमेर रेंज, गौरव श्रीवास्तव को महानिरीक्षक पुलिस क्राइम जयपुर, राहुल प्रकाश को उप महानिरीक्षक पुलिस भरतपुर रेंज, डॉ. रवि को उप महानिरीक्षक पुलिस एसीबी जयपुर, रणधीर सिंह को उप महानिरीक्षक पुलिस एसीबी जयपुर, हरेंद्र कुमार महावर को उप महानिरीक्षक पुलिस एसीबी जोधपुर, राहुल कोटोकी को उप महानिरीक्षक पुलिस प्रशिक्षण जयपुर और कल्याणमल मीणा को उप महानिरीक्षक पुलिस एसीबी कोटा, सुनील कुमार विश्नोई को उप महानिरीक्षक पुलिस क्राइम जयपुर, मनीष अग्रवाल को उप महानिरीक्षक पुलिस जयपुर के पद पर लगाया गया है।

देश के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में शानदार ग्रोथ: मई महीने में पीएमआई बढ़कर 58.7 हुआ, अप्रैल में यह 57.2 था

नई दिल्ली।

पिछले कुछ महीनों में देश के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में शानदार ग्रोथ देखने को मिली है। इस बात की जानकारी ग्लोबल परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स डेटा में दी गई है। जारी पीएमआई डेटा के अनुसार, मई में कई सेक्टर्स में डिमांड में तेजी आई है।

पीएमआई 31 महीने में सबसे ज्यादा – पीएमआई के आंकड़ों के मुताबिक, मई की मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई अप्रैल के 57.2 से बढ़कर 58.7 रही, जो कि 31 महीने में सबसे ज्यादा है। ये लगातार 22वां मौका है, जब भारत की मैन्युफैक्चरिंग 50 के ऊपर बनी हुई है। पीएमआई का आंकड़ा 50 के ऊपर हो तो ये मैन्युफैक्चरिंग एक्टिविटी में विस्तार का संकेत देता है, जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा मैन्युफैक्चरिंग एक्टिविटी में कमी को दर्शाता है।

पीएम**आई में मई में उत्साह जनक ग्रोथ देखने को मिली** – भारत के मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई में मई में उत्साह जनक ग्रोथ देखने को मिली है, जो इस सेक्टर की पॉजिटिव तस्वीर को दिखाता है। जनवरी 2021 के बाद से ही फैक्ट्रियों के ऑर्डर तेज गति से बढ़ रहे हैं। एजेंसी ने आगे कहा, सेल्स में हुई बढ़त ने प्रोडक्शन, रोजगार और खरीद की मात्रा में भी मजबूत बढ़त का रास्ता साफ किया। मई में सप्लाई चेन की स्थिति में और सुधार देखने को मिला है। इसके साथ ही कंपनियों ने इनपुट इन्वेंट्री में रिकॉर्ड स्टोरेज किया है।

मई में प्रोडक्शन में बढ़त की दर 28 महीनों में सबसे तेज – मई में कंपनियों के एक्सपोर्ट में पिछले 6 महीनों में सबसे तेज विस्तार दर्ज किया गया है। मैन्युफैक्चरर्स ने बढ़ते नए ऑर्डर और बाजार की परिस्थितियों के बीच प्रोडक्शन बढ़ाया है। मई में प्रोडक्शन में बढ़त की दर 28 महीनों में सबसे तेज रही है। पहली वित्तीय तिमाही के बीच में रोजगार के मौके तेजी से बढ़े हैं। इस दौरान रोजगार बढ़ने की दर 6 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। औसत लागत बोझ मध्यम दर से बढ़ा जो उनके लॉन्ग टर्म एवरेज से काफी नीचे था। इनपुट लागत की प्रवृत्ति के उलट, बिक्री मूल्य मई में ठोस और तेज दर से बढ़ी है। साथ ही महंगाई दर एक साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की आर्थिक सेहत को मापने का एक इंडिकेटर है। इसके जरिए किसी देश की आर्थिक स्थिति का आकलन किया जाता है। पीएमआई सेवा क्षेत्र समेत निजी क्षेत्र की अनेक गतिविधियों पर आधारित होता है। इसमें शामिल तकरीबन सभी देशों की तुलना एक जैसे मापदंड से होती है। पीएमआई का मुख्य मकसद इकोनॉमी के बारे पुष्ट जानकारी को आधिकारिक आंकड़ों से भी पहले उपलब्ध कराना है, जिससे अर्थव्यवस्था के बारे में सटीक संकेत पहले ही मिल जाते हैं। पीएमआई 5 प्रमुख कारकों पर आधारित होता है।

न्यूज ब्रीफ

ट्विटर की कंटेंट मॉडरेशन-पॉलिसी हेड ने दिया इस्तीफा: मस्क ने ट्विटर खरीदने के बाद एला इरविन को कंपनी में शामिल किया था

नई दिल्ली। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर की कंटेंट मॉडरेशन और पॉलिसी की प्रमुख एला इरविन ने इस्तीफा दे दिया है। रॉयटर्स के मुताबिक, एलन मस्क के ट्विटर खरीदने के बाद इरविन जून 2022 में ट्विटर से जुड़ी थीं। इसके बाद उन्होंने नवंबर में योएल रोथ के इस्तीफे के बाद ट्रस्ट एंड सेफ्टी के हेड का भी कार्यभाल संभाला था। इरविन ने इस्तीफा क्यों दिया है इसके बारे में अभी तक ट्विटर या एलन मस्क की ओर से कोई भी प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो इरविन एलन मस्क की भरोसेमंद सहयोगियों में से एक हैं। इरविन ने ट्विटर में ट्रस्ट एंड सेफ्टी हेड के तौर पर हैरेसमेंट, हेट स्पीच और वायलेंट कंटेंट पर ट्विटर की पॉलिसी को लेकर भी काम किया। इसके साथ ही वह ट्विटर अकाउंट सस्पेंड करने के नियम बनाने में भी शामिल रहीं। वह ट्विटर पर अक्सर अकाउंट सस्पेंड किए गए यूजर्स को जवाब देती थीं। एलन मस्क ने पिछले साल अक्टूबर में जब से ट्विटर खरीदा है तब से ट्विटर पर लगातार एडवरटाइजर्स की संख्या में गिरावट देखने को मिल रही है। इसके कारण अक्टूबर के बाद से ट्विटर के रेवेन्यू में 50प्रतिशत की गिरावट आई है। इरविन ने ऐसे समय में कंपनी से इस्तीफा दिया है, जब ट्विटर एडवरटाइजर्स के लिए संघर्ष कर रहा है।

एवीएस इंडिया के प्रेसिडेंट पुनीत चंडोक का इस्तीफा: 4 साल पहले कंपनी जॉइन की थी, वैशाली कस्तूरे संभालेंगी लीडरशिप रोल

नई दिल्ली। अमेजन वेब सर्विसेज इंडिया और साउथ एशिया के कॉमर्शियल बिजनेस के प्रेसिडेंट

पुनीत चंडोक ने कंपनी में अपने पद से हटने का फैसला किया है। उनका इस्तीफा 31 अगस्त 2023 से प्रभावी होगा। एवीएस इंडिया ने पुष्टि की। एवीएस ने कहा, हम पुनीत को पिछले 4 सालों में दिए उनके योगदान और लीडरशिप के लिए धन्यवाद देते हैं और उन्हें शुभकामनाएं देते हैं। वैशाली कस्तूरे ने तत्काल प्रभाव से एवीएस इंडिया और साउथ एशिया कॉमर्शियल बिजनेस के इंटरिम लीडर के रोल को संभाल लिया हैं। वैशाली अभी तक मिड-मार्केट और ग्लोबल बिजनेस की एंटरप्राइज हेड थी। चंडोक ने एवीएस में अपने टेन्योर के दौरान एंटरप्राइजेज, डिजिटल बिजनेसेज, स्टार्टअप्स और एसएमबी के साथ काम किया ताकि उन्हें टेक्निकल डेट कम करने और इनोवेट यानी नया करने में मदद मिल सके। एवीएस में शामिल होने से पहले, उन्होंने मैकिन्से एंड कंपनी और आईबीएम ग्लोबल सर्विसेज में लीडरशिप की भूमिकाएं निभाईं। चंडोक ने एवीएस के साथ ऐसे समय में काम किया है जब क्लाउड टेक्नोलॉजी को भारत में बड़े पैमाने पर अपनाया जा रहा था। एवीएस इंडिया ने हाल ही में कहा था कि बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए देश में क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड करने और बढ़ाने के लिए वह 2030 तक 1.056 लाख करोड़ (12.7 बिलियन) का निवेश करेगी।

आरबीआई की बैठक से पहले बैंक ऑफ इंडिया आईसीआईसीआई व पीएनबी के कर्ज हुए महंगे

नई दिल्ली। इस महीने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति की बैठक से पहले ही बैंकों ने

कर्ज महंगा करना शुरू कर दिया है। आईसीआईसीआई बैंक, पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) और बैंक ऑफ इंडिया का एक जून से कर्ज महंगा हो जाएगा। हालांकि, पीएनबी कुछ अवधि के लोन को सस्ता भी कर दिया है। पिछले साल मई से लेकर अब तक आरबीआई ने 2.5 प्रतिशत ब्याज दरें बढ़ाई हैं। आरबीआई की बैठक अगले हफ्ते से होनी है, जिसमें रेपो दर पर फैसला होना है। हालांकि, अप्रैल की बैठक में केंद्रीय बैंक ने इसे जस का तस रखा था। आईसीआईसीआई बैंक: इसने 6 माह के कर्ज की दर बढ़ाकर 8.75 फीसदी कर दी है, जबकि एक साल वाले कर्ज की दर 8.85 फीसदी होगी। पीएनबी: इसने सभी अवधि के कर्ज की दर में 0.10 फीसदी का इजाफा किया है। इसकी एक साल की दर 8.60 फीसदी और तीन साल के कर्ज की दर 8.90 फीसदी होगी।

सबसे ताकतवर रॉकेट को फिर से लॉन्च करने की तैयारी

इस बार शिप-25 को स्पेस में भेजेंगे मस्क, पिछले लॉन्च में विस्फोट हो गया था

वॉशिंगटन।

स्पेसएक्स अपने स्टारशिप व्हीकल के एक और टेस्ट की तैयारी कर रहा है। इस बार वो सुपर हेवी व्हीकल बूस्टर 9 और शिप 25 को स्पेस में भेजेगा। स्पेसएक्स के स्टारशिप स्पेसक्राफ्ट और सुपर हैवी रॉकेट को कलेक्टिवली स्टारशिप कहा जाता है। ये एक रीयूजेबल ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम है। इसमें एडवांस्ड रेप्टर इंजन लगे हैं। स्पेसएक्स ने वीडियो रिलीज कर ये जानकारी दी है। 18 मई को कंपनी ने शिप 25 को साउथ टेक्सास में अपने स्टारबेस साइट पर एक सबऑर्बिटल पैड पर मूव किया था। इसके अगले दिन यानी 19 मई को वॉटर कूल्ड स्टील प्लेट पर इसके 6 रेप्टर इंजनों का स्टैटिक फायर टेस्ट किया गया। स्टैटिक फायर एक कॉमन प्रीफ्लाइट टेस्ट है, जिसमें व्हीकल के इंजन को थोड़ी देर के लिए चालू किया जाता है।

2 महीने में लॉन्च के लिए तैयार हो जाएगा स्टारशिप – एलन मस्क ने लॉन्च के अपडेट की जानकारी देते हुए बताया कि मेजर लॉन्चपैड अपग्रेड लगभग एक महीने में पूरा हो जाना चाहिए। फिर पैड पर रॉकेट टेस्टिंग का एक और महीना, फिर स्टारशिप की दूसरी उड़ान। जुलाई -अगस्त में स्टारशिप फिर उड़ान भर सकता है।

20 अप्रैल के टेस्ट में स्टारशिप एक्सप्लोड हो गया था – इससे पहले 20 अप्रैल को स्टारशिप का पहला ऑर्बिटल टेस्ट किया गया था। इस टेस्ट में बूस्टर 7 और शिप 24 को लॉन्च किया गया था। हालांकि स्टारशिप लिफ्ट ऑफ के 4 मिनट बाद गल्फ ऑफ मैक्सिको के करीब 30 किलोमीटर ऊपर एक्सप्लोड हो गया था। स्टारशिप के फेल होने के बाद भी स्पेसएक्स हेडक्वार्टर में एलन मस्क और एम्प्लॉइज खुशी मना रहे थे। ऐसा इसलिए क्योंकि रॉकेट का लॉन्चपैड से उड़ना ही बड़ी सफलता थी। स्टेनलेस स्टील से बने स्टारशिप को दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने बनाया है। ये दुनिया का सबसे ऊंचा और ताकतवर रॉकेट है। एलन मस्क ने भी स्टारशिप लॉन्च से दो दिन पहले कहा था- सफलता शायद मिले, लेकिन एक्साइटमेंट की गारंटी है।

स्टेज सेपरेशन में आई थी परेशानी – स्पेसएक्स ने कहा था- स्टेज सेपरेशन से पहले स्टारशिप ने रैपिड

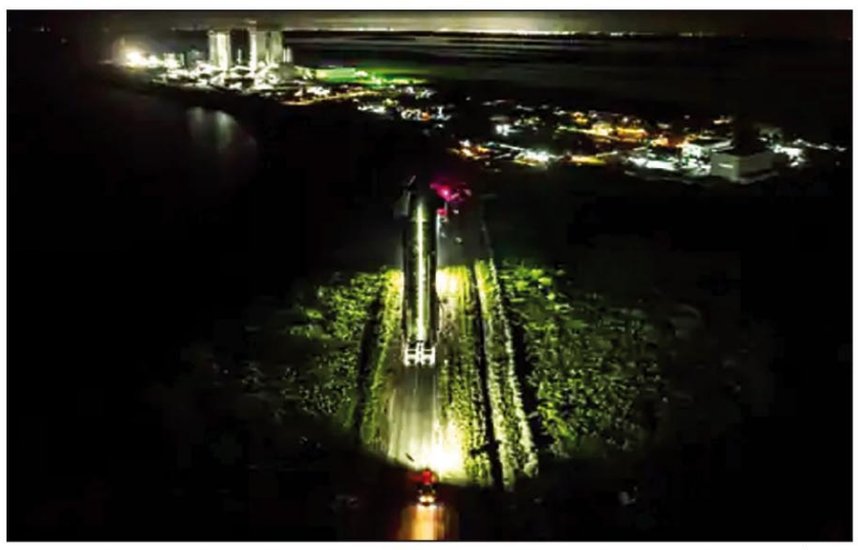

अनशेड्यूल्ड डिसअसेंबली एक्सपीरिएंस की। इस तरह के एक टेस्ट के साथ, हम जो सीखते हैं उससे सफलता मिलती है। आज का टेस्ट हमें स्टारशिप की रिलायबिलिटी में सुधार करने में मदद करेगा। टीमें डेटा को रिव्यू करना जारी रखेंगीं और अगले फ्लाइट टेस्ट की दिशा में काम करेंगी।लिफ्टऑफ के 4 मिनट बाद रॉकेट को नष्ट किया सुपर हेवी बूस्टर पर लगे 33 इंजन इगनाइट हुए और स्टारशिप धीरे-धीरे ऊपर बढ़ा। लगभग एक मिनट बाद, रॉकेट मैक्सिमम एयरोडायनेमिक प्रेशर के पीरियड से गुजरा। सुपर हेवी बूस्टर स्टेज पर कई इंजन फेल होने के कारण रॉकेट अनबैलेंस होने लगा। अपर स्टेज स्टारशिप व्हीकल को बूस्टर से अलग होना था, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। लिफ्टऑफ के 4 मिनट बाद, फ्लाइट टर्मिनेशन सिस्टम ने रॉकेट को नष्ट कर दिया।

लॉन्च पैड को ज्यादा नुकसान नहीं, फिर लॉन्च को तैयार – लॉन्च के फेल होने के बाद 29 अप्रैल को ट्विटर स्पेस पर मस्क ने कहा था कि लॉन्च मोटे तौर पर मेरी उम्मीद के मुताबिक था, और शायद मेरी उम्मीदों से थोड़ा ज्यादा था। ऐसी भी खबरें थी की लॉन्च पैड को काफी नुकसान पहुंचा है। इसपर मस्क ने कहा था- लॉन्च पैड को नुकसान इतना कम है कि स्टारशिप कुछ ही महीनों में फिर से उड़ान भरने के लिए तैयार हो सकता है।

स्टारशिप इंसानों को मंगल पर पहुंचाएगा – ये लॉन्चिंग इसलिए अहम है क्योंकि ये स्पेसशिप ही इंसानों को इंटरप्लेनेटरी बनाएगा। यानी इसकी मदद से पहली बार कोई इंसान पृथ्वी के अलावा किसी दूसरे ग्रह पर कदम रखेगा।

मस्क साल 2029 तक इंसानों को मंगल ग्रह पर पहुंचाकर वहां कॉलोनी बसाना चाहते हैं। स्पेसशिप इंसानों को दुनिया के किसी भी कोने में एक घंटे से कम समय में पहुंचाने में भी सक्षम होगा।

दुनिया का सबसे पावरफुल व्हीकल- स्टारशिप अब तक का डेवलप दुनिया का सबसे पावरफुल लॉन्च व्हीकल है। ये पूरी तरह से रीयूजेबल है और 150 मीट्रिक टन भार ले जाने में सक्षम है। स्टारशिप सिस्टम 100 लोगों को एक साथ मंगल ग्रह पर ले जाएगा।

लगातार 14वें महीने 1.40 लाख करोड़ से ज्यादा जीएसटी संग्रह, यह अब तक का सर्वाधिक स्तर

नई दिल्ली।

अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर बेहतरी जारी है। लगातार 14वें महीने संग्रह 1.40 लाख करोड़ रुपये के पार हुआ है। वहीं, साल 2017 से लेकर अब तक पांच बार जीएसटी संग्रह 1.50 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। वित्त मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को बताया कि आर्थिक गतिविधियों में तेजी और चोरी रोकने का असर दिखा है। मई में जीएसटी संग्रह 1.57 लाख करोड़ रहा है। इससे पहले अब तक का रिकॉर्ड संग्रह अप्रैल, 2023 में रहा है जो 1.87 लाख करोड़ रुपये था। आंकड़ों के मुताबिक, मार्च, 2023 में 1.60 लाख करोड़ रुपये, जनवरी में 1.57 लाख करोड़ रुपये, अक्तूबर में 1.51 लाख करोड़ रुपये, अप्रैल में 1.87 लाख करोड़ और अप्रैल, 2022 में 1.67 लाख करोड़ रुपये का संग्रह मिला था। देश के जिन राज्यों में जीएसटी संग्रह मई में सबसे ज्यादा रहा है, उनमें महाराष्ट्र में 23,536 करोड़, कर्नाटक में 10,317 करोड़, गुजरात में 9,800 करोड़ और तमिलनाडु में 8,953 करोड़ रुपये हैं।

एसयूवी और दोपहिया के दम पर वाहनों की बिक्री तेज

मजबूत आर्थिक गतिविधियों के बल पर मई में वाहनों की बिक्री भी तेज रफ्तार में रही। एसयूवी और दोपहिया वाहनों की बिक्री में जबरदस्त उछाल आया है। महिंद्रा एंड महिंद्रा की एसयूवी में 23 फीसदी की तेजी आई है जबकि मारुति की एसयूवी में 65 फीसदी की तेजी आई है। मारुति ने इस दौरान 1.78 लाख वाहन बेचे हैं जो एक साल पहले की तुलना में 10 फीसदी अधिक है। कंपनी ने बताया, घरेलू बाजार में बिक्री 13 फीसदी बढ़कर 1.51 लाख रही। यात्री वाहनों की बिक्री 15 फीसदी बढ़ी। छोटी कारों की बिक्री हालांकि 30 फीसदी गिर कर 12,236 इकाई रही। कांपैक्ट कारों में 5 फीसदी का इजाफा रहा। कंपनी का निर्यात 3 फीसदी गिरकर 26,477 इकाई रहा।

बजाज ऑटो : मई में 29 फीसदी बढ़कर 3.55 लाख इकाई रही जो एक साल पहले 2.76 लाख रही थी। दोपहिया वाहनों की बिक्री 3.08 लाख रही जो एक साल पहले 2.50 लाख थी। निर्यात 1.53 लाख से घटकर 1.13 लाख पर रहा। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 80 फीसदी बढ़ी। टाटा मोटर्स : बिक्री 2 फीसदी गिरकर 74,973 इकाई रही। यात्री ईवी की बिक्री 3,505 से 66 फीसदी बढ़कर 5,805 रही। वाणिज्यिक बिक्री में 12 फीसदी घटी है।

श्रीलंका की अर्थव्यवस्था में सुधार के शुरुआती संकेत, आईएमएफ ने कही यह बात

नई दिल्ली ।

श्रीलंका की दिवालिया हो चुकी अर्थव्यवस्था को लेकर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने सकारात्मक संकेत दिए हैं। आईएमएफ का मानना है कि आर्थिक संकट से जूझ रहे देश की अर्थव्यस्था पटरी पर लौट रही है। आईएमएफ के उप प्रबंध निदेशक केंजी ओकामुरा ने बीते दिन देश की अपनी दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा के अंत में यह बात कही। उन्होंने साथ ही श्रीलंका के अधिकारियों और आम लोगों से कहा कि सुधार की इस रफ्तार को बनाए रखने की जरूरत है। महत्वपूर्ण नीतिगत कार्रवाइयों के कारण श्रीलंका की अर्थव्यवस्था में सुधार के शुरुआती संकेत दिख रहे हैं, लेकिन आर्थिक सुधार चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। अधिकारियों और श्रीलंकाई के लोगों दोनों को मजबूती के साथ सुधार की गति को बरकरार रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ऋणदाताओं के साथ लगातार खुला संवाद ऋण स्थिरता को बहाल करने के लिए पुनर्गठन समझौतों तक पहुंचने में मदद करेगा। इससे पहले श्रीलंका में आईएमएफ की शर्तों को लेकर लगातार उठ रहे सवालों के बीच इस अंतरराष्ट्रीय

वित्तीय संस्था ने सफाई दी थी। उसने कहा था कि विशेष परिस्थितियों के कारण आईएमएफ को सख्त शर्तें लगानी पड़ीं। संस्था के एक अधिकारी ने कहा था कि जब देश अपने ऊपर मौजूद कर्ज को चुकाने की स्थिति में नहीं रहा, तब सरकार को आईएमएफ के पास जाना पड़ा और आईएमएफ की शर्तों को स्वीकार करना पड़ा। इससे पहले राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने श्रीलंका के ऋण पुनर्गठन कार्यक्रम के बारे में अहम जानकारी दी थी। उन्होंने कहा था कि इस साल सितंबर तक ऋण पुनर्गठन कार्यक्रम पूरा हो जाएगा।

शरद पवार से फिर मिले गौतम अडाणी: हिंडनबर्ग मामले में जेपीसी की मांग को बेकार बताने के बाद यह दूसरी मुलाकात

मुंबई।

बिजनेसमैन गौतम अडाणी ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार से उनके मुंबई स्थित आवास पर मुलाकात की। अडाणी-हिंडनबर्ग मामले में प्रतिक्रिया के बाद यह दूसरा मौका है जब एनसीपी प्रमुख और अडाणी के बीच मुलाकात हुई है। इससे पहले 20 अप्रैल 2023 को गौतम अडाणी और शरद पवार के बीच मुलाकात हुई थी। दरअलस, अडाणी-हिंडनबर्ग मामले की जांच के लिए विपक्ष केंद्र सरकार से जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी की लगातार मांग कर रहा है। इस पर शरद पवार के कहा था कि राजनीतिक फायदा उठाने के लिए मुकेश अंबानी और गौतम अडाणी जैसे उद्योगपतियों पर हमला करना सही नहीं है।

तकनीकी मुद्दे पर चर्चा हुई

शरद पवार ने कहा, सिंगापुर से एक प्रतिनिधिमंडल मेरे पास आया और किसी तकनीकी मुद्दे (टेक्निकल इश्यू) पर

उद्योगपति गौतम अडाणी से मिलना चाहता था। यहां उन्होंने सिंगापुर के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि यह एक तकनीकी मुद्दा है, जिसके बारे में ज्यादा समझ नहीं है।

पिछली मीटिंग को कॉन्फिडेंशियल रखा गया था

पवार और अडाणी के बीच पिछली मीटिंग करीब 2 घंटे तक चली थी। इस मीटिंग को काफी कॉन्फिडेंशियल रखा गया था। मीटिंग में दोनों के बीच किन मुद्दों पर चर्चा हुई थी उसके बारे में कोई भी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई थी।

जेपीसी की मांग को शरद पवार ने गलत बताया था

जेपीसी पर पवार ने कहा था, पहले भी कई जेपीसी बनी हैं। मैं इनमें हेड भी रहा हूं, लेकिन इसमें बहुमत की ही बात मानी जाती है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट की नियुक्त कमेटी ज्यादा प्रभावी होगी। इसका रिजल्ट भी निकलेगा। हिंडनबर्ग वैसे भी विदेशी है। हम इसकी रिपोर्ट को इतना महत्व क्यों दें।

हिंडनबर्ग ने अडाणी पर स्टॉक मैनिपुलेशन जैसे आरोप लगाए थे

24 जनवरी को अमेरिकी फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडाणी ग्रुप को लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की थी। इस रिपोर्ट में अडाणी ग्रुप पर अकाउंटिंग फ्रॉड और स्टॉक मैनिपुलेशन जैसे कई गंभीर आरोप लगाए गए थे। इसके बाद अडाणी ग्रुप के ज्यादातर स्टॉक 60प्रतिशत से ज्यादा गिर गए थे।

देश में यूपीआई ट्रांजैक्शन बढ़ा

मई में 900 करोड़ के पार पहुंचा आंकड़ा, ट्रांजैक्शन की टोटल वैल्यू 37प्रतिशत बढ़कर 14.3 लाख करोड़ रही

नई दिल्ली ।

भारत के स्वदेशी पेमेंट सिस्टम यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस ने मई महीने में 900 करोड़ (9 बिलियन) के आंकड़े को पार कर लिया है। यूपीआई पर मई महीने के दौरान टोटल 941 करोड़ (9.41 बिलियन) ट्रांजैक्शन हुए हैं। नेशनल पेमेंट्स कोरपोरेशन ऑफ इंडिया ने डेटा जारी कर इस बात की जानकारी दी है।

ट्रांजैक्शन की टोटल वैल्यू 14.3 लाख करोड़ रही

इन डिजिटल ट्रांजैक्शन की टोटल वैल्यू 14.3 लाख करोड़ रही है, जो एक साल पहले के मुकाबले 37प्रतिशत ज्यादा है। वहीं, ट्रांजैक्शंस के टोटल वॉल्यूम में भी सालाना आधार पर 58प्रतिशत की ग्रोथ देखने को मिली है। ये संख्या मई 2022 में 595 करोड़ (5.95 बिलियन) रही थी।

अप्रैल में यूपीआई पर टोटल 386 करोड़ (3.86 बिलियन) पर्सन टू पर्सन पेमेंट्स हुई थीं। इसकी तुलना में पर्सन टू मर्चेंट ट्रांजैक्शन्स की संख्या 503 करोड़ (5.02 बिलियन) रही

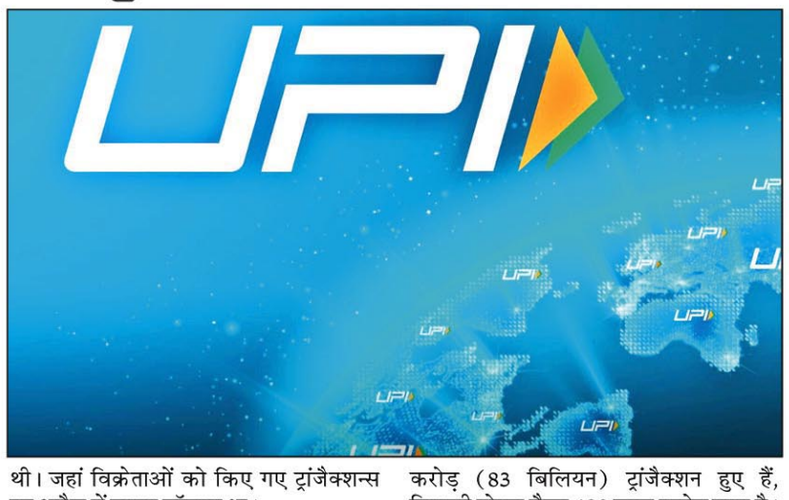

थी। जहां विक्रेताओं को किए गए ट्रांजैक्शन्स का अप्रैल में ज्यादा वॉल्यूम था।

वहीं, मई महीने के दौरान विक्रेताओं को दिए गए ट्रांजैक्शन्स की वैल्यू 10.85 लाख करोड़ रुपए रही। पेमेंट सिस्टम में टोटल 8,300 करोड़ (83 बिलियन) ट्रांजैक्शन हुए हैं, जिसकी टोटल वैल्यू 139 लाख करोड़ रुपए है।

क्या है यूपीआई सेवा

वॉलेट सर्विस देने वाला हर ऐप यूपीआई के जरिए लेनदेन की डायरेक्ट सुविधा देता है। यानी अगर आप चाहें तो वॉलेट से भी लेनदेन कर सकते हैं और यूपीआई से भी। भारत में ई-पेमेंट के लिए वॉलेट सेवाएं भी उपलब्ध हैं। पूरे देश में जितना ऑनलाइन ट्रांजैक्शन हो रहा है, उसका 50प्रतिशत से भी बड़ा हिस्सा वॉलेट ऐप का है। रिटेल पेमेंट में यह आंकड़ा 85प्रतिशत से भी ऊपर का है।

यूपीआई कैसे काम करता है

यूपीआई की सेवा लेने के लिए आपको एक वर्चुअल पेमेंट एड्रेस तैयार करना होता है। इसके बाद इसे आपको अपने बैंक अकाउंट से लिंक करना होता है। वर्चुअल पेमेंट एड्रेस आपका वित्तीय पता बन जाता है। इसके बाद आपका बैंक अकाउंट नंबर, बैंक का नाम या आईएफएससी कोड आदि याद रखने की जरूरत नहीं होती। पेमेंट करने वाला बस आपके मोबाइल नंबर के हिसाब से पेमेंट रिक्वेस्ट प्रोसेस करता है और वह पेमेंट आपके बैंक अकाउंट में आ जाता है। अगर, आपके पास उसका यूपीआई आईडी (ई-मेल आईडी, मोबाइल नंबर या आधार नंबर) है तो आप अपने स्मार्टफोन के जरिए आसानी से पैसा भेज सकते हैं। न सिर्फ पैसा बल्कि यूटिलिटी बिल पेमेंट, ऑनलाइन शॉपिंग, खरीदारी आदि के लिए नेट बैंकिंग, क्रेडिट या डेबिट कार्ड भी जरूरत नहीं होगी। ये सभी काम आप यूनीफाइड पेमेंट इंटरफेस सिस्टम से कर सकते हैं।

यूपीआई से जुड़ी खास बातें

यूपीआई सिस्टम रियल टाइम फंड ट्रांसफर करता है। एक एप्लीकेशन में कई बैंक अकाउंट लिंक किए जा सकते हैं। किसी को पैसा भेजने के लिए आपको सिर्फ उसके मोबाइल नंबर, अकाउंट नंबर या यूपीआई आईडी की जरूरत पड़ती है।

यूपीआई को आईएमपीएस के मॉडल पर डेवलप किया गया है। इसलिए यूपीआई ऐप के जरिए आप 24×7 बैंकिंग कर सकते हैं।

यूपीआई से ऑनलाइन शॉपिंग करने के लिए ओटीपी, सीवीवी कोड, कार्ड नंबर, एक्सपायरी डेट आदि की जरूरत नहीं होती।

जवान में नजर आयेंगे नयनतारा और विजय सेतुपति

फिल्म जवान का निर्देशन एटली कुमार ने किया है, जिसमें नयनतारा और विजय सेतुपति ने अभिनय किया है। शुरूआत में, इस साल जून में रिलीज होने की उम्मीद थी, रेड चिलीज प्रोडक्शन के निमार्ताओं ने फिल्म को 7 सितंबर तक के लिए स्थगित कर दिया क्योंकि उन्हें फिल्म के वीएफएक्स पर काम करने के लिए और समय चाहिए था। बता दें कि पिछले कुछ महीनों में, शाहरुख खान अभिनीत फिल्म जवान पर आधारित कई खबरें आई हैं। एटली द्वारा निर्देशित, फिल्म, जिसमें नयनतारा और विजय सेतुपति भी हैं, अपने शूट से लेकर कई अन्य पहलुओं के लिए सुर्खियां बटोर रही है। फिल्म के सु-र्खियां बटोरने का एक कारण पुष्पा स्टार अल्लू अर्जुन के जवान में कैमियो करने की खबरें भी रहीं जो गलत साबित हुई हैं।

कैमियो की भूमिका में अल्लू अर्जुन नहीं संजय दत्त होंगे - दक्षिण के सुपर स्टार अल्लू अर्जुन जवान में कैमियो करते हुए नहीं दिखाई देंगे। यह सब सिर्फ एक अफवाह थी कि अल्लू को जवान में देखा जाएगा, वास्तव में उन्हें कभी भी कैमियो के लिए संपर्क नहीं किया गया था। अभी तक जवान में एकमात्र कैमियो संजय दत्त का ही होगा। अल्लू अर्जुन के जवान में नहीं होने की वास्तविकता के बावजूद, हम अभी भी पठान के बाद शाहरुख खान को एक नए अवतार में बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित हैं।

फिल्म शंकरा में अक्षय के साथ नजर आयेंगी अनन्या

बालीवुड अभिनेता अक्षय कुमार और अदाकारा अनन्या पांडे अपनी आने वाली फिल्म शंकरा की शूटिंग में व्यस्त हैं। विगत दिवस इनको आईआईटी रुड़की में देख गया। सोशल मीडिया पर इनका स्पॉटिंग वीडियो खूब वायरल हो रहा है। वीडियो में दोनों को सेट पर जाते हुए देखा जा सकता है। अक्षय कुमार एक वर्ष में 4 से 5 फिल्में शूट करने के लिए जाने जाते हैं। वह फिल्मों की शूटिंग स्टार्ट टू फिनिश करते हैं। हाल ही में उन्हें केदारनाथ मंदिर में पूजा-पाठ करते हुए देखा गया था। अब उन्हें फिल्म शंकरा के सेट पर देखा गया है। वह आईआईटी रुड़की कैंपस में आते हुए नजर आ रहे हैं। मूवी शंकरा की घोषणा अभी तक नहीं की गई है और न ही इस फिल्म से जुड़ी कोई जानकारी सामने आई है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह फिल्म सी शंकर नायर पर आधारित है। फिल्म का टाइटल द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ सी शंकर नायर होगा। फिल्म में अक्षय कुमार एक वकील और एक्टिविस्ट के रोल में होंगे। वहीं, अनन्या पांडे उनके जूनियर की भूमिका निभा रही हैं। इस फिल्म का निर्माण करण जौहर कर रहे हैं। वहीं खबर है कि अक्षय कुमार बड़े मियां छोटे मियां की भी शूटिंग कर रहे हैं। फिल्म में टाइगर श्रॉफ भी नजर आने वाले हैं। अक्षय कुमार जल्द ही ओ माई गॉड 2 में नजर आएंगे। इसमें यामी गौतम और पंकज त्रिपाठी भी नजर आएंगे। वहीं, अनन्या पांडे को फिल्म ड्रीम गर्ल 2 में

दोबारा लौटना नहीं चाहती है दीपिका कक्कड़

मुंबई (ईएमएस)। खबर आई है कि एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ एक्टिंग को हमेशा हमेशा के लिए अलविदा कह चुकी हैं। अब वह दोबारा लौटना नहीं चाहती। जैसा कि सभी जानते हैं दीपिका जल्द ही मां बनने वाली हैं। एक्ट्रेस और उनके पति शोएब अपने इस बेबी को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। टीवी एक्ट्रेस और ब्लॉगर इस वक्त प्रेग्नेंसी के थर्ड ट्राइमेस्टर में हैं। सस-ुराल सिमर का में सिमर का किरदार निभाकर घर-घर पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस दीपिका ने साल 2018 में शोएब इब्राहिम संग शादी कर ली थी। अपनी प्रेग्नेंसी की न्यूज भी एक्ट्रेस ने पूरे तीन महीने के बाद फैंस को दी थी। इसी बीच अब खबर आ रही है कि एक्ट्रेस का मां बनने के बाद भी एक्टिंग की दुनिया मे लौटने का कोई ईरादा नहीं है बल्कि उन्होंने एक्टिंग को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया है। हाल ही में एक इंटरव्यू में दीपिका ने कहा, मैं प्रेग्नेंसी फेज को काफी एंजॉय कर रही हूं और पहले बच्चे के लिए काफी एक्साइटेड भी हूं। मैं ही नहीं शोएब भी काफी एक्सा-इटेड हैं। मैंने बहुत छोटी उम्र से काम करना शुरू कर दिया था और यह करीब 10-15 साल तक चला। जब मैं प्रेग्नेंट हुई तो मैंने शोएब को बता दिया था कि अब एक्टिंग को अलविदा कहना चाहती हूं। मेरा बस हो गया। मैं अब हाउसवाइफ और मां बनकर अपनी आगे की जिंदगी बिताना चाहती हूं। दीपिका ने अपने अब तक के एक्टिंग करियर में टीवी सीरियल से लेकर रियलिटी शोज तक किए हैं। बिग बॉस 12 की तो वह विनर तक रह चुकी हैं। आखिरी बार वह 2020 में करण ग्रोवर के साथ सीरियल कहां हम कहां तुम में नजर आई थीं। इसके बाद से दीपिका किसी शो में नजर नहीं आईं। लेकिन एक्टिंग के साथ-साथ वह अपने यूट्यूब चैनल पर अपने फैंस के साथ अपनी हर अपडेट शेयर करती रहती हैं। हाल ही में दिए अपने एक इंटरव्यू में दीपिका ने चौंकाने वाली बात कही कि वह दोबारा एक्टिंग में लौटना नहीं चाहती। बता दें कि दीपिका कक्कड़ ने अपनी प्रेग्नेंसी के तीन महीने बाद फैन्स के साथ ये न्यूज शेयर की थी। इस मामले में दीपिका के पति शोएब इब्राहिम ने बताया था कि, हमने प्रेग्नेंसी के करीब 3 महीनों तक इस बात को छिपाए रखा, क्योंकि डॉक्टर्स ने हमें ऐसा करने को कहा था। बता दें कि दीपिका कक्कड़ इन दिनों अपनी प्रेग्नेंसी पीरियड को काफी एंजॉय कर रही हैं। आए दिन एक्ट्रेस अपनी तस्वीरें भी फैन्स के साथ शेयर करती रहती हैं।

नसीरुद्दीन शाह के बयान पर भड़के मनोज तिवारी

हिन्दी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने फिल्म द केरल स्टोरी की कड़ी आलोचना की थी। अब मनोज तिवारी ने उन्हें खरी खोटी सुनाई है। बता दें कि जहां भारत में अधिकांश अभिनेता राजनीतिक या सामाजिक मुद्दों पर स्टैंड लेने से कतराते हैं, वहीं नसीरुद्दीन शाह विभिन्न विषयों पर अपने विचार साहसपूर्वक व्यक्त कर रहे हैं। हाल ही में मुस्लिम समुदाय की स्थिति के बारे में बात करने वाले नसीर अब फिल्म "द केरल स्टोरी" पर प्रतिक्रिया देते हैं। उसके बाद मनोज तिवारी ने नसीरुद्दीन पर निशाना साधा है। मनोज तिवारी ने निर्देशक सुदीप्तो सेन की द केरल स्टोरी का समर्थन किया है। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा, "नसीरुद्दीन शाह एक बेहतरीन अभिनेता हैं लेकिन उनकी नीयत अच्छी नहीं है। मुझे यह कहते हुए बहुत दुख हो रहा है। जब इस देश में नसीरुद्दीन शाह की फिल्में बनती और रिलीज होती थीं।" नसीरुद्दीन शाह ने कहा, भीड़, अफवा, फराज, तीनों फिल्में फ्लॉप रहीं। इस फिल्म को देखने कोई नहीं गया। वही लोग द केरल स्टोरी देखने के लिए लाइन लगा रहे हैं। यह चलन बेहद खतरनाक है। मैंने अभी तक द केरल स्टोरी नहीं देखी है और न ही देखना चाहता हूं। क्योंकि मैंने इसके बारे में बहुत कुछ पढ़ा है।

कम उम्र में ही स्टार बनी ये अभिनेत्रियां

बॉलीवुड में कई अभिनेत्रियां ऐसी हुई हैं जिन्होंने कम उम्र में ही फिल्मों में लोकप्रियता हासिल की है। आलिया भट्ट ने 20 साल से कम की उम्र में फिल्मों में डेब्यू किया और अपना लोहा मनवाया। जब 2012 में आलिया भट्ट ने करण जौहर की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द इयर से बड़े परदे पर अपनी यात्रा शुरू की तब उनकी उम्र महज 19 साल थी। देखते ही देखते आलिया भट्ट आज देश की एक उभरती अभिनेत्री बन गयी। आलिया से पहले अगर बात करें तो इस कड़ी में एक महत्वपूर्ण नाम- करिश्मा कपूर का है। कपूर खानदान की पहली बेटी जो इंडस्ट्री में एक अभिनेत्री के रूप में आई इसका श्रेय करिश्मा को ही जाता है। करिश्मा ने 1991 में जब प्रेम कैदी से अपना फिल्मी सफर शुरू किया तो उस वक़्त वो महज 17 साल की थीं। उसके बाद तो जैसे करिश्मा छा गयीं। देखते ही देखते उनकी गिनती शीर्ष अभिनेत्रयों में होने लगी। एक दशक से भी ज्यादा समय तक करिश्मा लाखों-करोड़ों प्रशंसकों के दिलों की धड़कन बनी रही हैं। जब करिश्मा कपूर का करियर शुरू हो रहा था ठीक उसी वक़्त एक और अभिनेत्री का उदय हुआ हालांकि, उनका दौर लंबा नहीं चला। उन्होंने 20 साल से कम की उम्र में ही अपनी नेशनल पहचान बना ली थी। जी, हम बात कर रहे हैं दिव्या भारती की! 18 साल की उम्र तक दिव्या आधा दर्जन तमिल, तेलुगु फिल्म कर चुकी थीं। उसी उम्र में उन्होंने विश्वात्मा से हिंदी फिल्मों का सफर शुरू किया जो उनकी मौत तक जारी रहा। बॉलीवुड की दीवा माधुरी दीक्षित भी उन अभिनेत्रयों में से हैं जिन्होंने बहुत ही कम उम्र में अपनी पहचान बना ली थी। 17 साल की उम्र में अबोध से डेब्यू करने वाली माधुरी 20 साल की उम्र तक तेजाब जैसी बड़ी हिट से दुनिया भर में तहलका मचा चुकी थीं। रेखा, हिंदी फिल्म की अभिनेत्रियों का कोई इतिहास लिखा जाए तो वह रेखा के नाम के बिना अधूरा है। रेखा ने अपने काम से वो मुकाम पाया है। रेखा ने भी श्री देवी की तरह ही महज 15 साल में अपना डेब्यू कर लिया था। इस लिस्ट में ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी को भला कौन भूल सकता है? हेमा मालिनी ने दक्षिण की फिल्मों में अपना डेब्यू काफी पहले कर लिया था। लेकिन, जब वो राज कपूर के साथ सपनों का सौदागर फिल्म में दिखीं तब उनकी उम्र महज 20 साल थी। वहीं से ड्रीम गर्ल के सफर का आगाज हुआ। साल 1972 में राजकपूर अपनी ड्रीम प्रोजेक्ट फिल्म मेरा नाम जोकर लेकर आये थे। यह फिल्म नहीं चल पायी थी। उसके बाद राजकपूर बहुत परेशान हुए और कर्ज में डूब गए। उन्हें जल्द से जल्द उस कर्ज और सदमे से बाहर आना था। ऐसे में उनकी नजर डिंपल कपाड़िया पर पड़ी और उन्होंने अपने टैलेंटेड बेटे ऋषि कपूर और डिंपल को लेकर फिल्म बॉबी की शूटिंग शुरू कर दी। बॉबी एक जबरदस्त हिट साबित हुई और डिंपल कपाड़िया महज 16 साल की उम्र में इतनी बड़ी कामयाबी पाने वाली अभिनेत्री बनीं।

एलेक्सा पर सेलेब्रिटी वॉयस फीचर हुआ बंद, नहीं खरीद सकेंगे आवाज

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेजन ने एलेक्सा पर सेलेब्रिटी वॉयस फीचर को बंद करने की पुष्टि की है, जिसका मतलब यह है कि मेगास्टार अमिताभ बच्चन, अमेरिकी एक्टर सैमुअल एल जैक्सन, पूर्व अमेरिकी बास्केटबॉल खिलाड़ी शकील ओ नील जैसी मशहूर हस्तियों की आवाज अब नहीं खरीदी जा सकेंगी। यह फीचर ग्लोबल लेवल पर बंद हो रहा है, साथ ही अमेजन आने वाले दिनों में एलेक्सा पावर्ड डिवाइस पर सेलिब्रिटी वॉयस को बंद कर देगा। एलेक्सा पर बच्चन की आवाज खरीदते समय, पेज पर लिखा आता है, अब यह फीचर खरीद के लिए उपलब्ध नहीं है, लेकिन जिन यूजर्स ने इसे पिछले साल खरीदा था, वह खरीद तारीख से लेकर 1 साल तक इसका इस्तेमाल कर सकेंगे। एलेक्सा पर जैक्सन की आवाज खरीदने पर, पेज पर लिखा आता है कि एलेक्सा के लिए व्यक्तित्व आवाज अब खरीद के लिए उपलब्ध नहीं है, और जिन यूजर्स ने इस वॉयस को खरीदा था, वह कुछ समय तक इसका उपयोग करना जारी रख सकते हैं। गौरतलब है कि जैक्सन पहली आवाज थी, जिसे पेश किया गया था और वह यूजर्स को चु-टकुले और कहानियां सुनाता था और सवालों के जवाब देता था। सेलिब्रिटी वॉयस, जो 2019 में शुरू हुई, अमेजन के न्यूरल टेक्स्ट-टू-स्पीच मॉडल का उपयोग करती है। इसका उद्देश्य ज्यादा साउंड देना है। 2020 में, फीचर भारत में आया और बच्चन देश में एलेक्सा के लिए पहली सेलिब्रिटी आवाज बन गए।

टाइगर श्रॉफ ने अपनी बहन के पेट पर मजाक में मारे घूसे, यूजर्स ने दी नसीहत

मुंबई (ईएमएस)। टाइगर श्रॉफ ने एक्सरसाइज के दौरान अपनी बहन कृष्णा के पेट पर घूसे मारे। हालांकि यह मजाक था, लेकिन यूजर्स ने उनकी खबर ले ली। किसी ने महिला आयोग का डर दिखाया तो किसी ने परंपरा और आदर्श की दुहाई दी। गौरतलब है कि टाइगर श्रॉफ का ह-ीरोपंति से लेकर अब तक बेहतरीन सफर रहा है। फैंस उनकी डांसिंग और टोन्ड बॉडी के भी कायल है, जिस पर उन्होंने बचपन के दिनों से लेकर खूब मेहनत की है। टाइगर श्रॉफ मार्शल आर्ट्स में हाथ आजमा चुके हैं, और ब्रूस ली को अपना आदर्श मानते हैं। वह अपने वर्कआउट को लेकर जुनूनी हैं, और एक्सरसाइज करना उनका डेली रूटीन है। टाइगर तरह-तरह की एक्सरसाइज करते हैं। हाल ही में उनका एक वीडियो सामने आया है, जिसमें उन्हें बहन कृष्णा के साथ एक्सरसाइज करते देखा जा सकता है। टाइगर बॉक्सिंग ग्लव्स पहनकर कृष्णा के पेट पर मारते देखे जा सकते हैं। एक्टर के इस तरह एक्सरसाइज करने को जहां कुछ लोगों ने पसंद किया, तो कुछ ने उन्हें ट्रोल भी किया। इस वीडियो को इन्सटैंट बॉलीवुड की तरफ से शेयर किया गया था। उस वीडियो में जिन्हें टाइगर का इस तरह एक्सरसाइज करना पसंद नहीं आया, उन्होंने एक्टर की स्किल्स को क्रिटिसाइज किया है। कई यूजर्स ने कमेंट किया, औरतों पर हाथ नही उठाते। इसी तरह एक यूजर ने लिखा, ये वीडियो महिला आयोग को दिखाओ। कुछ यूजर्स ने इस वीडियो पर चुटकी ली है। एक यूजर ने लिखा, हर भाई कभी न कभी तो ये करना चाहता है, बस मम्मी पापा रोक देते हैं। टाइगर श्रॉफ ने अब तक बाघी, स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 रैंबो जैसी कई फिल्मों में काम किया है। उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट्स में अली अब्बास जफर की बड़े मियां छोटे मियां 2 और विकास बहल की गणपत है। बड़े मियां छोटे मियां 2 मल्टीस्टारर एक्शन-कॉमेडी फिल्म होगी, जिसमें टाइगर श्रॉफ, अक्षय कुमार, सोनाक्षी सिन्हा और अलाया एफ के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करते देखे जाएंगे।

रिलीज से पहले फिल्म 'जरा हटके जरा बचके' की रिकॉर्ड एडवांस बुकिंग

विक्की कौशल और सारा अली खान की फिल्म 'जरा हटके जरा बचके' आजकल चर्चा में है। यह फिल्म 2 जून को रिलीज हुई है। इस फिल्म का ट्रेलर कुछ दिनों पहले रिलीज हुआ था। इस ट्रेलर को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। साथ ही प्रदर्शन से पहले ही फिल्म की एडवांस बुकिंग के लिए प्रशंसकों की भारी भीड़ उमड़ी है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म की एडवांस बुकिंग भी हाउसफुल है। फिल्म 'जरा हटके जरा बचके' की एडवांस बुकिंग को फैंस का शानदार रिस्पॉन्स मिला है। प्रदर्शन से पहले ही इस फिल्म के करीब 22 हजार टिकट बिक चुके हैं। अनुमान लगाया जा रहा है कि फिल्म पहले दिन करीब 4 करोड़ रुपये की कमाई कर सकती है। 'जरा हटके जरा बचके' के अलावा और कोई फिल्म रिलीज होने की राह में नहीं है तो इसका फायदा फिल्म को मिल सकता है। वहीं, फिल्म की एड-वांस बुकिंग पर 'बाय वन गेट वन फ्री' यानी एक टिकट खरीदने पर एक टिकट फ्री ऑफर दिया गया था। इसका फायदा भी फिल्म को मिला है। फिल्म की कहानी इंदौर के एक मिडिल क्लास कपल पर आधारित है। कॉलेज में एक साथ रहने के दौरान कपिल और सौम्या को प्यार हो गया। इसके बाद दोनों परिवार की रजामंदी से शादी कर लेते हैं, लेकिन समय के साथ पूरी तस्वीर बदल जाती है और शादी के बाद झगड़े और बढ़ जाते हैं। दोनों के बीच झगड़ा इस हद तक बढ़ जाता है कि मामला कोर्ट तक पहुंच जाता है और तलाक तक पहुंच जाता है। ट्रेलर में कपिल और सौम्या एक तरफ प्यार करते और एक तरफ घरवालों के सामने लड़ते नजर आ रहे हैं। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म में क्या ट्विस्ट आएगा।

फैशन में एमबीए करना चाहती थी रकुल, बन गई एक्ट्रेस

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने कहा है कि वह फैशन में एमबीए करना चाहती थी, लेकिन अभिनय के मोर्चे पर वह सफल हो गई। रकुल हाल ही में स्ट्रीमिंग फिल्म छत्रीवाली और तमिल-तेलुगु द्विभाषी फिल्म बू में देखी गई। गौरतलब है कि अभिनेत्री रकुल ने हाल ही में पा-ॅडकास्ट द हैबिट कोच विद एशडिन डॉक्टर के एक एपिसोड में थी, जहां उन्होंने अपने प्लान बी के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि जब मैं बॉम्बे चली गई तो मैं सिफ 20 साल की थी। मैं मैथेमैटिक्स में स्नातक हूं, इसलिए मैंने खुद से कहा था कि मैं इसे (अभिनय) 2 साल के लिए कोशिश करूंगी और अगर यह काम नहीं करता है, तो मैं अपनी पढ़ाई पर वापस लौटूंगी। यही कारण है कि मैंने अपना स्नातक पूरा किया। रकुल ने बताया कि उन्हें पहली फिल्म तब मिली जब मैं कॉलेज में थी। उन्होंने आगे कहा कि कॉलेज में मेरा एटेंडेंस कम हो गया, मैंने कहा कि मुझे अपना कॉलेज पूरा करना है। मैंने खुद को 2 साल दिए, हालांकि चीजें काम कर गईं। लेकिन प्लान बी यह था कि मैं फैशन में एमबीए करूंगी। लेकिन, सौभाग्य से मुझे ऐसा नहीं करना पड़ा। उन्होंने यह भी बताया कि अनुशासन ने उनके करियर को काफी हद तक आकार देने में मदद की। उन्होंने आगे कहा कि मैंने एक पूरी तरह बाहरी होने के नाते जो कुछ भी किया है, वह मेरे अनुशासन का ही नतीजा है। जब मैंने शुरूआत की थी, मुझे नहीं पता था कि मैं इसे कैसे करूंगी, या क्या रास्ता बनने वाला है, लेकिन मैं अनुशासित थी। मुझे पता था कि मुझे इतना काम करना है। जब मैं काम नहीं कर रही थी, तो मैं ऑडिशन दे रही थी। मेरे पास तब भी एक टाइम टेबल था।

सूडोकु नवताल- 6450

सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6449 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्दजाल - 7197

रं	रा	जें	द्र	कु	मा	य	च	ज	पे	यी	
द	गी	ल	प्रे	व	जी	म	द	म	कां	रा	
जु	स	ला	म	न	क	रा	ल	ल	त्का	म	
दा	स	स	क	मा	सू	म	ध	त्रि	श	र	
ई	आ	द्रो	ही	स	ज	ना	तू	दे	झ	प	
न	ल	अ	र	दि	म	उ	ती	कौ	घ	दौ	
क	व	रि	फ	जी	प	बा	ज	न	व	ड़	
श	एं	वा	ई	ला	ब	र्ड	डू	ए	श	न्हा	
मी	ड	ल	फू	ल	तू	र	स	त्या	शी	आ	
र	गॉ	ल	प	लि	जी	न	ला	कौ	ल	द	
वि	ज	अ	ग्नि	खू	ब	सू	र	त	प	म	

शब्दजाल में 'उर्मिला मातोंडकर' अभिनीत दस फिल्मों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

मासूम,चमत्कार,द्रोही,रंगीला,जुदाई, दौड़,अफलातून,कौन,खूबसूरत,सत्या

शब्दजाल - 7196 का हल

र	क	ल	ड्डै	च	र	स	धी	सी	ल	अ	
च	शो	ल	दे	क्रां	ति	ब्र	इं	ता	ट	नु	
ला	स	ले	ल	र्म	छ	रा	रा	औ	अ	रो	
मु	ज	ज	सु	चु	र	रा	प	र	ना	ध	
रा	फ	दो	ग	ल्ला	प	ज	तू	गी	मि	निं	
री	क	की	प	ह	न	के	ना	ता	का	ग	
ही	अ	स	रा	या	प	अ	चु	ज	ला	ट्रे	
रे	ता	दा	ई	ह	ब	भि	फ	प	श	न	
ब	बा	छ	लि	या	मा	मा	ल	व	के	न	
न	ला	म	लि	प	न	न	शा	श्री	ता	ने	
ने	जी	व	अ	चा	न	के	शा	त	र	इ	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6150

	7				4	5
	33	1	23	6	33	
5		2	4			3
	28		27	4	36	
1	2			5		7
6	37	7	38		33	2
		5		3		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6149 का हल

1	5	4	3	2	7	6
2	30	7	31	4	34	2
6	3	2	4	5	7	1
5	37	6	33	6	29	3
7	5	3	6	1	2	4
3	30	5	32	7	34	5
4	2	1	6	3	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

भारत चौथी बार जूनियर एशिया हॉकी चैंपियन : पाकिस्तान को फाइनल में 2-1 से हराया; अंगद और हुंडल ने दागे गोल

मुंबई।
भारतीय हॉकी टीम एक बार फिर जूनियर एशिया कप चैंपियन बनी। भारतीय टीम ने ओमान के सलालाह में खेले गए फाइनल में पाकिस्तान को 2-1 से हराया। भारत ने चौथी बार यह खिताब जीता है। इसी के साथ भारतीय टीम टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम बन गई। जूनियर एशिया कप का नौवां सीजन था। भारतीय टीम छठी बार टूर्नामेंट का फाइनल खेल रही थी। खिताबी मुकाबले में भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। भारत को पहले ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिल गया, हालांकि टीम गोल नहीं कर सकी।

अंगदबीर सिंह और अरिजीत सिंह हुंदल ने भारत की ओर से किए गोल - मैच के 13वें मिनट में अंगद बीर सिंह ने गोल कर भारत को 1-0 से आगे किया। 15 मिनट में पाक को मिले पेनल्टी कॉर्नर पर भारत ने गोल नहीं होने दिया। मैच के 20वें मिनट में अरिजीत सिंह हुंडल ने गोल कर बढ़त दोगुनी कर दी। इसके बाद पहले हाफ में कोई गोल नहीं हुआ।

पाकिस्तान के लिए बशरत अली ने किया गोल - मैच के 38वें मिनट में पाकिस्तान के बशरत अली ने गोल किया और बढ़त कम की। इसके बाद दोनों टीमें गोल नहीं कर सकीं और मुकाबला 2-1 से भारत के पक्ष में रहा। भारत ने टूर्नामेंट में कुल 50 गोल किए और सबसे ज्यादा गोल करने वाली टीम रही।

हॉकी इंडिया ने की इनाम की घोषणा - हॉकी इंडिया कार्यकारी बोर्ड ने खिलाड़ियों के लिए 2 लाख और सहायक स्टाफ के लिए 1 लाख के नकद पुरस्कार की घोषणा की। टीम को बधाई देते हुए, हॉकी इंडिया के अध्यक्ष पद्मश्री दिलीप टिर्की ने कहा, भारतीय जूनियर पुरुष टीम ने जूनियर एशिया कप में अपने नाबाद प्रदर्शन से हम सभी को गौरवान्वित किया है। जोहोर कप में ऐतिहासिक जीत से उनका दबदबा कायम हो गया है और मुझे विश्वास है कि यह बड़ी जीत उन्हें इस साल के अंत में होने वाले जूनियर विश्व कप के लिए अच्छी स्थिति में रखेगी।

न्यूज ब्रीफ

वेस्टइंडीज ने वनडे विश्व कप में जगह पाने के लिए चला नया दांव, पूर्व दिग्गज कप्तान को सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान कार्ल हूपर और फ्लॉयड रीफर को टीम के नए मुख्य वनडे और टी20 कोच डैरन सैमी के असिस्टेंट के रूप में नियुक्त किया गया है। न्यूजीलैंड के पूर्व ऑलराउंडर जेम्स फ्रैंकलिन भी असिस्टेंट कोच के तौर पर टीम से जुड़े हैं। यह फैसला वेस्टइंडीज की तीन मैचों की वनडे सीरीज और जिम्बाब्वे में विश्व कप क्वालीफायर से पहले लिया गया है। हूपर ने 102 टेस्ट और 227 वनडे मैच खेले है। उन्होंने विभिन्न स्तरों पर कैरेबियन और ऑस्ट्रेलियन कोचिंग में काम किया है। वह बिग बैश लीग 2022-23 (बीबीएल) में एडिलेड स्ट्राइकर्स के एसीटेट कोच थे। इससे पहले कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) में एंटीगुआ हॉक्सबिल्स और गुयाना अमेजन वारियर्स के साथ काम कर चुके हैं। उन्होंने बारबाडोस में वेस्ट इंडीज हाई-परफॉर्मेंस सेंटर में एक मेंटर के रूप में भी काम किया है। हूपर ने कहा कि जब शुरुआत में मुझे यह मौका दिया, तो मैंने तुरंत अपनी हा कर दी। क्योंकि मैं असल में टीम की मदद करना चाहता हूं। मेरा मानना है कि यह वेस्टइंडीज क्रिकेट के आगे बढ़ने का समय है और मुझे इसमें मदद करने के लिए अपनी क्षमता, ज्ञान और अनुभव पर भरोसा है। वेस्टइंडीज के लिए छह टेस्ट, आठ वनडे और एक टी20 मैच खेलने वाले रीफर ने 2019 विश्व कप के दौरान टीम के मुख्य कोच के रूप में काम किया है। उन्होंने वेस्ट इंडीज ए टीम और वरिष्ठ पुरुषों की टीम के साथ कोचिंग की भूमिका निभाई है। वह 2021 में पुरुष अंडर -19 टीम और सीपीएल में जमैका तलवाहों के मुख्य कोच थे।

टीम इंडिया की नई जर्सी लॉन्चः कश्मीरी डिजाइनर ने तैयार की जर्सी, तीनों फॉर्मेट के लिए अलग-अलग डिजाइन

नई दिल्ली। टीम इंडिया की नई जर्सी लॉन्च कर दी गई है। स्पोर्ट्स ब्रांड एडिडास टीम इंडिया का नया

किट स्पॉन्सर है। कंपनी ने ही वीडियो जारी करके तीनों फॉर्मेट के लिए तीन अलग-अलग डिजाइन की जर्सी जारी की। टीम इंडिया 7 जून से खेले जाने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में इसी जर्सी में नजर जाएगी। पिछले ही महीने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने एडिडास के साथ 2028 तक के लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था। इंडियन मेंस क्रिकेट टीम के अलावा एडिडास विमेंस सीनियर नेशनल क्रिकेट टीम, इंडिया ए, इंडिया बी और अंडर-19 मेंस और विमेंस क्रिकेट टीम की जर्सी को भी स्पॉन्सर करेगा। टी-20 इंटरनेशनल मैचों के लिए टीम इंडिया डार्क ब्लू कॉलरलेस जर्सी पहनकर मैदान पर उतरेगी। वहीं वनडे के लिए जर्सी में हल्के नील रंग का इस्तेमाल किया गया है, जिसमें कॉलर लगा है। वहीं, टेस्ट मैचों की जर्सी सफेद रंग की है। तीनों जर्सी के कंधे पर एडिडास की 3-3 पट्टियां बनीं हैं। इन जर्सियों को कश्मीर के डिजाइनर आकिब वानी ने डिजाइन किया है। वहीं, इस समय भारतीय क्रिकेट टीम का शर्ट स्पॉन्सर अनाउंस होना बाकी है। जर्सी को लॉन्च करने का कार्यक्रम वानखेड़े स्टेडियम में आयोजित किया गया।

आईसीसी रेवन्यू में बीसीसीआई को 38.5प्रतिशत हिस्सा देना सही है: इंग्लैंड बोर्ड के सीईओ बोले-आईसीसी की कमाई में भारत का कंट्रीब्यूशन सबसे ज्यादा

दुबई। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड के सीईओ रिचर्ड गोल्ड ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के रवेन्यू

डिस्ट्रीब्यूशन में भारत को सबसे ज्यादा 38.5 फीसदी हिस्सा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को दिए जाने को सही बताया है। दरअसल आईसीसी ने कुछ दिन पहले 2024-27 के लिए नया रेवेन्यू डिस्ट्रीब्यूशन मॉडल जारी किया था। इसके तहत आईसीसी को हर साल जितनी कमाई होगी, उसका 38.5 फीसदी हिस्सा बीसीसीआई को देने का फैसला किया था। आईसीसी अपने इस मॉडल को पास कराने के लिए जुलाई में डरबन में होने वाली बोर्ड मीटिंग में रखेगा। ईसीबी के सीईओ रिचर्ड गोल्ड ने आईसीसी के साल 2024-27 के साइकल के वित्तिय मॉडल में भारत को कमाई का सबसे ज्यादा भाग देने का समर्थन किया है और कहा कि भारत इसके लिए हकदार है। क्योंकि आईसीसी के रवेन्यू को बढ़ाने में भारत का कंट्रीब्यूशन काफी ज्यादा है। ऐसे में वह हर साल 230 मिलियन डॉलर (1887 करोड़ रुपये) का हकदार है। इससे पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन नजम सेठी ने आईसीसी की इस रवेन्यू डिस्ट्रीब्यूशन मॉडल की आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि आईसीसी की यह रवेन्यू डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम सही नहीं है।

आईपीएल खत्म, अब इंटरनेशनल क्रिकेट की भरमार

डब्लूटीसी फाइनल के बाद वेस्टइंडीज का दौरा, फिर एशिया कप और वर्ल्ड कप भी

मुंबई।
इंडियन प्रीमियर लीग के खत्म होते ही भारतीय क्रिकेट फैंस का फोकस इंटरनेशनल क्रिकेट पर लौटने वाला है। 7 जून से इंग्लैंड के ओवल क्रिकेट ग्राउंड पर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेला जाना है। इसमें भारत के सामने ऑस्ट्रेलिया की टीम होगी। इसके बाद भी लगातार भारतीय टीम एक्शन में दिखने वाली है। इस स्टोरी में हम जानेंगे कि अभी से लेकर अक्टूबर-नवंबर में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप से पहले तक भारतीय टीम कौन सी सीरीज और टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली है।

डब्लूटीसी फाइनल के बाद वेस्टइंडीज जाएगी टीम इंडिया - वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल खेलने के बाद भारतीय टीम ब्रेक लेगी और इसके बाद जुलाई में वेस्टइंडीज के लिए रवाना होगी। भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टेस्ट, 3 वनडे और 3 टी-20 मुकाबले खेलेगी। यह टूर 12 जुलाई से 13 अगस्त यानी 1 महीना चलेगा। वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज से वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप की नई साइकिल फिर शुरू हो जाएगी। भारत के लिए वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट जीतना अहम होगा, क्योंकि इसके पॉइंट्स अगली डब्लूटीसी की पॉइंट्स टेबल में जुड़ेंगे। वनडे और टी-20 सीरीज से भारत वेस्टइंडीज के नए स्क्वॉड को समझ पाएगा। साथ ही वर्ल्ड कप के लिए अपनी स्ट्रैटजी को फाइन-ट्यून करने का मौका भी मिलेगा।

अगस्त में आयरलैंड में होंगे 3 टी-20 मुकाबले - वेस्टइंडीज टूर के तुरंत

बाद टीम इंडिया आयरलैंड 3 टी-20 मुकाबले खेलने जाएगी। इस दौरान चांस है कि भारत के यंग टैलेंट को मौका मिले। आईपीएल में अपना नाम बनाने वाले खिलाड़ियों को इस टूर के दौरान भारतीय जर्सी में देखा जा सकता है। तीनों टी-20 मुकाबले आयरलैंड में ही खेले जाएंगे।

सितंबर में होगा एशिया कप - इस साल सितंबर में वनडे एशिया कप खेला जाएगा। इसे मिनी वर्ल्ड कप भी माना जा सकता है। टूर्नामेंट में भारत समेत 6 टीमें हिस्सा लेंगी और इनमें 2 ग्रुप होंगे। भारत के ग्रुप में पाकिस्तान और नेपाल हैं। दूसरे ग्रुप में श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान की टीमें हैं। दोनों ग्रुप से दो-दो टीमें सुपर 4 में पहुंचेंगी, जहां सभी टीमें आपस में 1-1 मैच खेलेंगी। सुपर-4 में टॉप-2 पर रहने वाली दो टीमों के बीच फाइनल खेला जाएगा। भारत के लिए वर्ल्ड कप के नजरिए से एशिया कप बहुत महत्वपूर्ण होगा। टूर्नामेंट में खेलने से भारत को मल्टी टीम इवेंट खेलने का अनुभव होगा और मैनेजमेंट को टीम की मजबूती और कमजोरियां समझने में आसानी होगी। एशिया कप का शेड्यूल अभी तक फाइनल नहीं हुआ है।

वर्ल्ड कप से पहले भारत आएगा ऑस्ट्रेलिया - वर्ल्ड कप से ठीक पहले सितंबर में ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत आएगी। ऑस्ट्रेलिया भारत में 3 वनडे मुकाबले खेलेगी। वर्ल्ड कप से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 वनडे खेलना भारत के लिए फायदेमंद होगा। ऑस्ट्रेलिया दुनिया की टॉप टीमों में से एक है ऐसे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत से भारत को मेंटली बूस्ट मिलेगा।

डब्लूटीसी-फाइनल में भारत की गेंदबाजी को लेकर ऑस्ट्रेलिया को असमंजसः जडेजा का प्लेइंग-11 में रहना लगभग तय; अश्विन को लेकर कुछ कन्फर्म नहीं

मुंबई। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 7 से 11 जून के बीच लंदन के ओवल मैदान में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होना है। फाइनल के लिए टीम इंडिया की प्लेइंग-11 क्या होगी, इसे लेकर असमंजस बना हुआ है। वहीं टीम इंडिया की प्लेइंग-11 की चिंता ऑस्ट्रेलिया टीम को भी है। पिछले डब्लूटीसी फाइनल में अश्विन-जडेजा फेल रहे पिछली बार न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए डब्लूटीसी फाइनल में स्पिन-गेंदबाजी ऑलराउंडर आर अश्विन और रवींद्र जडेजा दोनों ही खेले थे। भारत उस टेस्ट में आठ विकेट से हार गया था और इन दोनों स्पिनरों को उतारने के टीम इंडिया के फैसले की काफी आलोचना हुई थी। दोनों गेंदबाज उस मैच में कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में तीन स्पिनरों को खिलाया भारत ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में तीन स्पिनरों को खिलाया था, जिसमें आर अश्विन, रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल शामिल थे। चार मैचों की सीरीज में अश्विन (25 विकेट) और जडेजा (22 विकेट) शानदार लय में थे और उन्होंने मेजबान टीम को 2-1 से जीत दर्ज करने में मदद की। डब्लूटीसी फाइनल प्लेइंग-11 में जडेजा, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज का खेलना तय है। लेकिन चौथा गेंदबाज कौन होगा, यह तय नहीं है। चौथे स्पॉट के लिए चार खिलाड़ी रेस में हैं, जिसमें आश्विन, शार्दूल ठाकुर, उमेश यादव और जयदेव उनादकट शामिल हैं।

इमर्जिंग विमेंस एशिया कप के लिए भारतीय ए टीम घोषित

अंडर-19 टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम की श्वेता सहरावत को टीम की कमान

मुंबई।
भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इमर्जिंग विमेंस एशिया कप के लिए भारतीय ए टीम की घोषणा कर दी है। इमर्जिंग विमेंस एशिया कप 13 जून से हांगकांग में होना है। पिछले साल अंडर-19 विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम की वाइस कैप्टन रही दिल्ली की श्वेता सहरावत को टीम की कमान सौंपी गई है, जबकि सौम्या तिवारी को वाइस कैप्टन बनाया गया है। श्वेता ने भारत को महिला अंडर-19 टी-20 वर्ल्ड कप चैंपियन बनाने में बड़ा योगदान दिया था। उन्होंने टूर्नामेंट के 7 मैचों में 99 की औसत से 297 रन बनाए थे। उन्होंने सात पारियों में तीन अर्धशतक भी लगाए थे। वे तीन बार आउट हुईं थीं। उनका स्ट्राइक रेट 140 से ज्यादा का रहा। वहीं बैटिंग ऑलराउंडर सौम्या तिवारी ने 4 मैचों में 84 रन बनाए थे। फाइनल में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 37 गेंदों पर 24 रन की नाबाद पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई थी। इनके आलवा अंडर-19 विमेंस वर्ल्ड कप में शामिल बॉलिंग ऑलराउंडर पार्शवी चोपड़ा, तीतास साधु, मन्नत कश्यप, एस यशश्री को भी टीम में जगह दी गई है। इमर्जिंग विमेंस टी-20 एशिया कप पहली बार खेला जा रहा है। इसकी मेजबानी हांगकांग कर रहा है। इसमें आठ टीमें भाग ले रही हैं। भारतीय ए टीम के अलावा इसमें पाकिस्तान, श्रीलंका, मलेशिया, थाईलैंड बांग्लादेश और हांगकांग की टीम शामिल हैं। भारतीय टीम ग्रुप ए में शामिल है। इसमें इंडिया ए के अलावा हांगकांग, पाकिस्तान ए और थाईलैंड की टीम शामिल हैं। ग्रुप बी में बांग्लादेश, मलेशिया, श्रीलंका और यूएई की टीम शामिल हैं। दोनों ग्रुप में टॉप में रहने वाली टीम सेमीफाइनल में खेलेंगी दोनो ग्रुप में शामिल टीमें अपने-अपने ग्रुप की सभी टीमों के साथ खेलेंगी। वहीं अपने-अपने ग्रुप में टॉप-2 पर रहने वाली टीम सेमीफाइनल में पहुंचेंगी।

शुभमन गिल नहीं चेन्नई का युवा बल्लेबाज है भारतीय क्रिकेट टीम का स्टार, दिग्गज बॉलर वसीम अकरम का दावा

नई दिल्ली।
आईपीएल 2023 के दौरान कई युवा खिलाड़ियों ने बेहतर परफॉर्मेंस के दम पर टूर्नामेंट में अपना नाम बनाया। शुभमन गिल ने टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाकर ऑरेंज कैप अपने नाम की। उन्होंने टूर्नामेंट में तीन शतक लगाकर 890 रन बनाए। वह विराट कोहली और जोस बटलर के बाद ऐसा करने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं।

गायकवाड़ टीम का भविष्य

इस बीच पाकिस्तान के दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने शुभमन गिल को नहीं बल्कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के सलामी बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ को भारतीय क्रिकेट का उज्ज्वल भविष्य बताया है। अकरम ने स्पोर्ट्सकीड़ा के साथ बातचीत में कहा कि गायकवाड़ ने हाई प्रैशर वाले मैचों में बेहतरीन परफॉर्म किया। साथ ही शारीरिक रूप से काफी फिट हैं।

बेहतरीन फील्डर हैं गायकवाड़

अकरम ने आगे कहा कि वह अभी काफी युवा है और एक बेहतरीन फील्डर हैं। वह भारतीय क्रिकेट और फेंचाइजी क्रिकेट का उज्जवल भविष्य हैं। गायकवाड़ लीग में 590 रन के साथ ऑरेंज कैप लिस्ट में सातवें नंबर पर रहे हैं। वह सीएसके के लिए दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे।

आईपीएल 2023 में गायकवाड़ का प्रदर्शन-

सीएसके के इस खिलाड़ी ने सीजन में 42.14 की ओसत से 4 अर्धशतक लगाए हैं। उन्होंने फाइनल में अहम भूमिका निभाते हुए मैन ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी जीता। उन्होंने फाइनल में 16 गेंदों में 26 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। बारिश के कारण मैच 15 ओवर का किया गया था, जिसमें टीम को 170 रन का टारगेट दिया गया था।

शादी के कारण टेस्ट चैंपियनशिप से बाहर-

रुतुराज गायकवाड़ को शुरू में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में भारतीय टीम में रिजर्व खिलाड़ियों का हिस्सा माना जा रहा था, लेकिन शादी के कारण वह इंग्लैंड नहीं जा सके और उनकी जगह यशस्वी जायसवाल को टीम में जगह मिली।

स्टुअर्ट ब्रॉड के पंजे से इंग्लैंड एकमात्र टेस्ट में आयरलैंड के खिलाफ टॉप पर

लंदन।
चिरप्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ व्यस्त गर्मी के लिए इंग्लैंड के अभियान की शानदार शुरूआत हुई, क्योंकि उन्होंने पड़ोसी देश आयरलैंड के खिलाफ एकमात्र चार दिवसीय टेस्ट को पहले दिन ही अपने नियंत्रण में ले लिया। जैक क्रॉली और बेन डकेट के बीच एक आक्रामक ओपनिंग स्टैंड से पहले अनुभवी तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने पांच विकेट लिए, आयरलैंड के खिलाफ लॉर्डस में एकमात्र टेस्ट के पहले दिन इंग्लैंड को ड्राइवर सीट पर मजबूती से पहुंचा दिया। इंग्लैंड ने आयरलैंड के खिलाफ लॉर्डस में प्रभावी गेंदबाजी प्रदर्शन के साथ अपने समर की शुरूआत की, चाय के तुरंत बाद मेहमान टीम को 172 रनों पर समेट दिया। क्रॉली और डकेट ने इंग्लैंड को बढ़त के करीब ले जाने के लिए कुछ ही समय में शतकीय साझेदारी की। इंग्लैंड ने स्टंप्स तक एक विकेट खोकर 152 रन बना लिए हैं। क्रॉली स्टंप्स के पास पदार्पण करने वाले फिओन हैंड की गेंद पर आउट हुए, लेकिन इंग्लैंड 25 ओवर बल्लेबाजी करने के बाद आयरलैंड के कुल स्कोर से केवल 20 रन दूर है और 6.08 की दर से स्कोरिंग कर रहा है।

इससे पहले, इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों ने

संकेत दिया कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज श्रृंखला में चीजें कैसे आगे बढ़ सकती हैं, जब ब्रॉड के टेस्ट करियर में 20वें शानदार पांच विकेट हॉल के साथ मजबूत गेंदबाजी प्रदर्शन से अपने कमजोर आक्रमण के बारे में चिंताओं को खारिज कर दिया। नई गेंद के घूमने के साथ, ब्रॉड आयरलैंड के बल्लेबाजी लाइन-अप पर हावी हो गए, उन्हें प्रमुख बल्लेबाजों एंडी बालबर्नी और हैरी टेक्टर को एक ही ओवर में शून्य पर आउट कर आयरलैंड का स्कोर 19/3 कर दिया। ब्रॉड बाद में लौटे और सलामी बल्लेबाज जेम्स मैक्कलम को आउट कर दिया, जो आयरलैंड के एकमात्र बल्लेबाज थे जिन्होंने 100 से अधिक गेंदें खेलीं। जैक लीच ने तीन और मैथ्यू पॉट्स ने दो विकेट चटकाए। टेस्ट पदार्पण पर जोश टंग ने अच्छा स्पैल डाला लेकिन पारी में कोई विकेट नहीं मिला। आयरलैंड के लिए जेम्स मैकुलम ने सर्वाधिक 36 रन बनाए जबकि कर्टिस कैम्फर (33) और पॉल स्टर्लिंग (30) ने स्कोर में अन्य प्रमुख योगदान दिया क्योंकि आयरलैंड सस्ते में आउट हो गया। जेम्स एंडरसन और ओली रॉबिन्सन की चोटों के बारे में चिंताओं के साथ, इंग्लैंड को इस महीने के अंत में शुरू होने वाली एशेज से पहले गर्मियों में गेंद से अच्छी शुरूआत की जरूरत थी। गेंदबाजी आक्रमण ने प्रभावी प्रदर्शन के साथ इस चिंता को दूर कर दिया। पहले दिन स्टंप्स के समय, डकेट 60 और ओली पोप 29 रन बनाकर नाबाद थे, जबकि इंग्लैंड 20 रनों से पीछे चल रहा था, एक बड़ा टोटल पोस्ट करने और अपना फायदा उठाने के लिए अच्छी स्थिति में था। आयरलैंड 172 पर 56.2 ओवर में ऑल आउट (जेम्स मैकुलम 36; स्टुअर्ट ब्रॉड 5-51, जैक लीच 3-35) बनाम इंग्लैंड 25 ओवर में 152/1 (जैक क्रॉली 56, बेन डकेट नाबाद 60; फिओन हैंड 1-42)।

पहलवानों के समर्थन में आई कपिल-गावस्कर की 1983 विश्व कप जीतने वाली टीम, साझा बयान जारी किया

नई दिल्ली।
बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक के नेतृत्व में भारत के कई ओलंपिक पदक विजेता पहलवान भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह का विरोध कर रहे हैं। बृजभूषण पर लगे यौन शोषण के आरोपों के बाद पहलवान उनकी गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। 28 मई को पहलवानों के नए संसद भवन की तरफ कूच करने पर दिल्ली पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया था। हालांकि, बाद में पहलवानों को छोड़ भी दिया था। इतना ही नहीं दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरने-प्रदर्शन को भी बंद करा दिया गया था और उनके टेंट हटा दिए गए थे।

इसके बाद 30 मई को पहलवान हरिद्वार पहुंचे थे और ओलंपिक समेत कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में जीते पदकों को गंगा में बहाने का फैसला लिया था। हालांकि, किसान नेता नरेश टिकैत की मांग पर पहलवानों ने गंगा में पदक बहाने के फैसले को टाल दिया दिया था।

पहलवानों से गंगा में पदक न बहाने की अपील की - अब 1983 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम पहलवानों के समर्थन में

सामने आई है। इनमें कपिल देव, सुनील गावस्कर, दिलीप वेंगसरकर और मदनलाल समेत कई दिग्गज क्रिकेटर्स शामिल हैं। इन सब ने एक साझा बयान जारी किया है और पहलवानों से मेडल को गंगा में न बहाने की अपील की है । बयान में इन पूर्व दिग्गज क्रिकेटर्स ने कहा है कि पहलवानों के साथ जो हुआ वह दुखद है, लेकिन वह मेहनत से हासिल किए गए पदकों को गंगा में न बहाएं। 1983 की चैंपियन टीम ने कहा कि पहलवानों ने देश का मान बढ़ाया है। वह जल्दबाजी में कोई फैसला न लें। उम्मीद है कि पहलवानों की मांग सुनी जाएगी।

1983 की चैंपियन टीम ने क्या कहा - बयान में 1983 की चैंपियन टीम ने लिखा- हम अपने चैंपियन पहलवानों के साथ बदतमीजी से व्यथित और परेशान हैं। हमें सबसे ज्यादा चिंता इस बात की भी है कि वे अपनी मेहनत की कमाई को गंगा नदी में बहाने की सोच रहे हैं। उन पदकों में वर्षों का प्रयास, बलिदान, दृढ़ संकल्प और धैर्य शामिल है और वह पदक न केवल उनके अपने हैं बल्कि देश के गौरव और खुशी का विषय हैं। हम उनसे आग्रह करते हैं कि वे इस मामले में जल्दबाजी में कोई फैसला न लें और साथ ही उम्मीद करते हैं कि उनकी शिकायतों को सुना जाएगा और उनका जल्द से जल्द समाधान किया जाएगा। देश के कानून को कायम रहने दें।

पीएसजी से अलग होंगे मेसी : गैल्टर

पेरिस। स्टार फुटबॉलर लियोनन मेसी फ्रांस के पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) क्लब से अगल होंने जा रहे हैं। इसकी पुष्टि क्लब के कोच क्रिस्टोफ गैल्टर ने की है। गैल्टर के अनुसार मेसी इस सत्र के अंत में क्लब से अलग हो जाएंगे। मेसी पिछले दो साल से ही इस क्लब के साथ बने हुए है। गैल्टर ने पीएसजी और क्लेरमोंट के बीच पार्स डेस प्रिंसेस में खेले जाने वाले मैच से पहले कहा कि यह मेसी का क्लब की ओर से अंतिम मुकाबला होगा जिसमें उनका जोरदार स्वागत भी होगा। गैल्टर ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि मुझे सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को कोचिंग देने का अवसर मिला। मेसी की ही कप्तानी में अर्जेंटीना ने इस बार विश्वकप फुटबॉल खिताब जीता था। मेसी की हाल ही में संयुक्त अरब अमीरता (यूएई) के एक क्लब से बात हुई थी और माना जा रहा है कि वह भी पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डों की ही तरह रिकार्ड राशि लेकर इस क्लब में जाएंगे।

1983 वनडे वर्ल्ड कप का फाइनल खेली थी यह टीम - कप्तान कपिल देव के नेतृत्व में भारतीय क्रिकेट टीम ने क्लाइव लॉयड के नेतृत्व वाली वेस्टइंडीज को हराकर पहली बार वनडे विश्व कप ट्रॉफी जीती थी। सुनील गावस्कर, मोहिंदर अमरनाथ, के श्रीकांत, सैयद किरमानी, यशपाल शर्मा, मदन लाल, बलविंदर सिंह संधू, संदीप पाटिल, कीर्ति आजाद और रोजर बिन्नी जैसे स्टार्स से सजी भारतीय टीम ने 25 जून, 1983 को लॉर्ड्स में खेले गए यादगार फाइनल में हिस्सा लिया था और टीम को जीत दिलाई थी।

जिम में वर्कआउट करने पर यदि लगता है कि फिटनेस संबंधी सभी जरूरतें पूरी हो गई हैं तो आप गलत हैं। आदि मानव की तुलना में हमारी जीवनशैली भले ही बदल गई हो, पर शारीरिक संरचना में अधिक बदलाव नहीं आया है। ऐसे में प्राथमिक मुद्राओं का अभ्यास जरूरी है। फिटनेस के लिए केवल जिम नहीं, पूरे शहर को अपना पर्सनल प्लेग्राउंड बनाएं।

पूरा शहर है आपका जिम

डैन जॉन ने अपनी पुस्तक 'नैवर लैट गोः ए फिलॉसफी ऑफ लिफ्टिंग, लिविंग एंड लर्निंग' में कहा है कि यह जरूरी है कि आप रोज व्यायाम करें। उनका मतलब मानव शरीर के व्यायाम संबंधी 'प्राथमिक आयाम' से है। यानी वह बुनियादी नियम, जिन्हें शरीर आसानी से अंजाम दे सकता है और जिनके बिना इनसान का अस्तित्व ही सिमट जाएगा। जॉन सहित दुनिया के लगभग सभी फिजिकल ट्रेनरों का मानना है कि प्रत्येक व्यक्ति को इन शारीरिक गतिविधियों में पारंगत होना चाहिए, जो कि इस प्रकार हैं-स्क्वैटिंग (उकड़ बैठना या पालथी मारना), लंगिंग (मजबूत फेफड़े), बैंडिंग (झुकना)और लिफ्टिंग (जमीन से कुछ उठाने की प्रक्रिया), कुछ भार उठाकर चलना, धकेलना, खींचना और कूदने-फांदने जैसे गतिशील व्यायाम।

मनुष्य ने अपने विकास क्रम में जंगली जानवरों के बीच इन मुद्राओं को सीखा। उदाहरण के लिए जमीन पर सही तरह उकड़ बैठे बिना आदि मानव के लिए खुले में आग जलाना संभव नहीं था। यहां तक कि उकड़ बैठने की शारीरिक मुद्रा प्राचीन संस्कृति में प्रमुख मुद्रा मानी गई है, जिसे प्रार्थना, प्रक्षालन व उपचार पद्धतियों में अपनाया गया है। पर हमारी शहरी जीवनशैली विकास क्रम में हमारे पूर्वजों से बहुत अलग हो गई है। सच यह है कि ये प्राथमिक मुद्राएं हमारे शरीर को मजबूत और चोटिल होने से बचाती हैं।

'झुकना और उठाना' यह पैटर्न आमतौर पर मजदूरों, निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों, नर्स और छोटे बच्चों के माता-पिता द्वारा अपनाया जाता है। अन्य प्राथमिक मुद्राओं के अलावा झुकना और उठाना रोजमर्रा की जीवनशैली की आवश्यक मुद्राएं हैं। यदि हम सही से अपनी मुद्रा का ध्यान नहीं रखते तो चोटिल होने की आशंका बनी रहती है। पहले ऊंची-नीची और असमान पहाड़ियों पर चढ़ने-उतरने के कारण लोग सहज ही फेफड़ों का व्यायाम कर लेते थे। आज लगभग सभी खेलों में आगे की ओर कूदना, धकेलना जैसी मुद्राओं की जरूरत होती है। ऐसे खिलाड़ी, जो ढंग से आगे की ओर कूदने और धकेलने का अभ्यास नहीं करते, उन्हें कुछ समय बाद घुटनों की परेशानी का सामना करना पड़ जाता है।

जिम से बाहर आएं

यदि आप ज्यादा भी नहीं कर सकते तो भी कभी-कभार जिम के मशीनी वातावरण से बाहर निकल कर खुले में प्राथमिक मुद्राओं का अभ्यास करें। यह आपके पड़ोस का कोई पार्क हो सकता है, पार्किंग स्थल हो सकता है, खाली गैरेज हो सकता है। यहां आपको 20 मिनट की फिटनेस गतिविधियां बताई जा रही हैं, जो आपको खुले में करनी होंगी। ये गतिविधियां आपको अपनी प्राथमिक मुद्राओं का अभ्यास कराएंगी। यदि संभव हो तो अपने साथ 5 किलोग्राम का वजन पीठ पर लेकर चलें। कोई भारी वस्तु जैसे डंबल्स आदि न रखें, इससे आपको नुकसान पहुंच सकता है, इससे बेहतर हल्की किताबें डालें। ऐसा करना आपके प्रशिक्षण को थोड़ा और चुनौतीपूर्ण बनाएगा।

जिम और चाल

शहरों में रहने वाले अधिकतर लोगों के लिए व्यायाम का सबसे सरल तरीका बड़े, खुले और आधुनिक मशीनरी और उपकरणों से लैस जिम बन गए हैं, जहां उन प्राथमिक मुद्राओं के पैटर्न को ध्यान में रख कर व्यायाम करवाए जाने की संभावना काफी कम होती है। यहां तक कि वहां इन्हें पूरी तरह नजरअंदाज करके कुछ अन्य मुद्राओं का विकास किया जाता है, जो पूरी तरह गैर कार्यात्मक और गैर उपयोगी होती हैं-जैसे बाइसेप्स कर्ल यानी डोले बनाना, जो मात्र आपकी कोशिकाओं को बढ़ाते हैं, जिसकी वास्तव में कोई जरूरत भी नहीं होती। मैंने कई बार यह अनुभव किया है कि मेरे पास ट्रेनिंग में आने वाले ऐसे लोग, जो पहले कभी जिम नहीं गए हैं, नियमित जिम जाने वाले युवाओं की तुलना में अधिक बेहतर परिणाम दे पाते हैं। ऑफिस में देर तक काम करने वाले औसतन लोगों का चलना-फिरना बहुत कम हो जाता है। सामान्य शारीरिक क्रियाएं जैसे दौड़ना, भारी समान उठाना आदि क्रियाएं करना भी उनके लिए एक तरह की चुनौती बन जाता है। अधिकतर लोगों के प्राइम मूवर्स जैसे कि जांघ की मांसपेशियां, कूल्हे की मांसपेशियां, पीठ का निचला हिस्सा और कंधे शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण सुस्त पड़ जाते हैं, धीरे-धीरे आधारभूत मांसपेशियों में संकुचन होने लगता है, जिसके कारण प्राइम मूवर्स के कामों में बाधा आने लगती है। एक प्रशिक्षक के तौर पर मेरी सबसे पहली चुनौती प्रशिक्षु को प्राथमिक मुद्राओं को करने में सक्षम बनाना है। उसको उपयोगी कार्यात्मक प्रशिक्षण देना है, जिससे ट्रेनिंग के लिए आने वाले लोग खुद को विभिन्न गतिविधियां करने में सक्षम महसूस कर सकें।

आप भी हो सकते हैं आपके पार्टनर के डिप्रेशन का शिकार

कमजोर से शादी कर आप भी हो सकते हैं कमजोर और डिप्रेस्ड व्यक्ति से शादी कर आप भी हो सकते हैं डिप्रेस्ड। यह बात एक अध्ययन में कही गई है। अध्ययन में यह भी कहा गया कि बूढ़े लोगों में कमजोरी और डिप्रेशन का एक बड़ा कारण उनका जीवनसाथी होता है। अध्ययन में कहा गया है कि 65 साल या इससे अधिक उम्र के 10 फीसदी लोगों में कमजोरी (फ्रेल्टी) की समस्या देखी जाती है।

ऊपर चढ़ना सीखें

25 लाख वर्ष पहले मनुष्य शिकारी था और करीब दस हजार वर्ष पहले उसने खेती करना सीखा। हमारे पूर्वज अपनी सुरक्षा व वन्य-जन्तुओं से खुद को बचाने के लिए पेड़ पर चढ़ा करते थे। हालांकि शहरों में अब इस तरह के खतरे का सामना नहीं करना पड़ता, पर हमारे शारीरिक ढांचे में बहुत अंतर नहीं आया है। खुद को सही शेप में रखने के लिए इस तरह की मूवमेंट का अभ्यास करना अभी भी जरूरी है। ऊंचाई से किसी ढांचे या मजबूत पेड़ की शाखा से मोटी रस्सी नीचे की ओर लटकाएं और उसके सहारे ऊपर चढ़ने का प्रयास करें। अपनी इस क्षमता को बढ़ाएं। जब इसमें निपुण हो जाएं तो पड़ोस के किसी पार्क में मजबूत पेड़ पर अभ्यास करें। कुश्ती और सेना में इसे प्रशिक्षण तकनीक के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। इससे सारे शरीर को मजबूती मिलती है और ताकत बढ़ती है।

बॉक्स कूद

किसी मजबूत बॉक्स, कुर्सी या पार्क में बैंच या चबूतरे पर कूद लगाएं। तेजी के साथ दोनों पैरों से कूदें और फिर पूरे संतुलन के साथ वापस पॉजिशन में आएं। पीठ सीधी रखें और घुटने एक-दूसरे से जुड़ने नहीं चाहिए। ऐसा 15 मिनट तक करें और 15 सेकेंड विश्राम करें। यह एक सेट हुआ, ऐसा तीन बार करें। कूदना पैरों को मजबूती और फेफड़ों को ताकत देता है।

जॉगिंग नहीं, कम दूरी की तेज दौड़

किसी जानवर को दौड़ते हुए देखो, आपको सही स्थिति पता चलेगी। कम दूरी के लिए तेज चलें जैसे एक खंबे से दूसरे खंबे तक दौड़ लगाएं या तेज चलें। फिर कुछ सकेंड का विश्राम करें। ऐसा 4 से 5 मिनट तक दोहराते रहें। आदि मानव तेज दौड़ते और चलते थे, फिर बीच में विश्राम करते थे। वे लगातार नहीं चलते थे। इसकी तुलना आधुनिक जिम से करें, जहां लोग अधिक समय ट्रेडमिल पर लगातार चलने में बिता देते हैं और अधिक उपयोगी लाभ से वंचित रह जाते हैं।

वैकल्पिक लघु दौड़ और रेंगना

पहले 15 मीटर तक तेज लघु दौड़ लगाएं और उसके बाद उतनी ही दूरी तक रेंग कर आगे बढ़ें। बिना आराम किए लगभग 3 मिनट तक यह पैटर्न दोहराएं। इससे आपके पैरों की मांसपेशियां दुरुस्त होंगी और फेफड़ों की ताकत बढ़ेगी।

सीढ़ियों पर रेंगना

सीढ़ियों पर 15 से 20 सेकेंड तक स्पाइडरमैन स्टाइल में ऊपर चढ़ें। दोगुना समय यानी 30 सेकेंड आराम करें। 3 से 4 सेट में दोहराएं। यह क्रिया पेट की मांसपेशियों, फेफड़ों और दिल के लिए स्वास्थ्य प्रदान करने वाली है।

दीवार के सहारे बैठना

पीठ, कूल्हे और पैरों की मांसपेशियों को मजबूत और संतुलन प्रदान करने के लिए यह बेहतरीन व्यायाम है। 15-15 बार तीन सेट में यह व्यायाम करें।

खुद पर न थोपें परफेक्ट मदर बनने का दबाव

ऑफिस और घर-परिवार की चिंताओं में कई तरह की सेहत संबंधी समस्याओं का सामना करती हैं कामकाजी माताएं। ब्रिटेन में कामकाजी माताओं पर हुए एक सर्वे के अनुसार, कामकाजी महिलाएं अपने आराम के लिए औसतन मात्र 26 मिनट का समय निकाल पाती हैं। वहीं सर्वे में 10 में से 9 माताएं बच्चों को पर्याप्त समय न देने के कारण अपराध बोध से ग्रस्त मिलीं।

सर्वे में माताओं ने यह भी स्वीकार किया कि वे स्वयं पर परफेक्ट मदर बनने का दबाव महसूस करती हैं। इसी तरह एक अन्य सर्वे में कामकाजी माताओं में से 88 प्रतिशत महिलाओं को तनाव संबंधी परेशानियां देखने को मिलीं। एक अन्य सर्वे के नतीजों में कामकाजी माताओं के बच्चे सेहत संबंधी समस्याओं से अधिक जूझते पाए गए, जिसके कारण अक्सर माताओं में अपराध बोध की भावना भी बढ़ने लगती है।

सेहत की परेशानियां

परफेक्ट मदद बनने की चाहत, घर व बच्चों की जिम्मेदारियां व कार्यसंबंधी तनाव मांओं में कई तरह की समस्याएं उत्पन्न कर देते हैं, जिनमें प्रमुख हैंः मूड स्विंग, अवसाद, अनियमित माहवारी, माइग्रेन, नियमित सिरदर्द, अपर्याप्त नींद, ब्लड प्रेशर, थायराइड, गुस्सा व चिड़चिड़ापन और कमर व पीठ दर्द। 90 प्रतिशत सिर दर्द तनाव व स्ट्रेस के कारण होता है। ज्यादा हिलने-डुलने का काम न होने पर हाई ब्लड प्रेशर, थकान व मोटापा भी घेरने लगता है।

ऐसे बनाएं संतुलन

- कम से कम सात से आठ घंटे की नींद अवश्य लें। इससे दिनभर के कामों के लिए ऊर्जा मिलेगी व काम पर फोकस करने की क्षमता का विकास होगा।
- कामों की प्राथमिकताएं तय करें। पहले जरूरी कामों को पूरा करें। इससे अनावश्यक हड़बड़ी व तनाव से राहत मिलेगी। खाली समय बच्चों को दें।
- 10 से 15 मिनट अपने लिए निकालें। इस बीच फोन बंद कर दें और आराम करने की कोशिश करें। इस समय खुद को हर चिंता से दूर रखें।
- अगले दिन के कामों की कुछ योजना पूर्व रात्रि में ही बना लें।
- कामकाजी माताएं सबसे बड़ी लापरवाही अपने खान-पान के साथ करती हैं। ब्रेकफास्ट अवश्य करें। पर्याप्त मात्र में पानी पिएं। अधिक से अधिक फल व सब्जियों को आहार में शामिल करें। निश्चित समय पर भोजन अवश्य करें।
- काम को पूरा करने के लिए नई तकनीक का सहारा लें। अच्छे दोस्तों का नेटवर्क रखें। बच्चों के स्कूल आदि जरूरी नंबरों के साथ उनके दोस्तों और उनकी माताओं का नंबर अपने पास अवश्य रखें।

तभी अच्छी तरह से चल पाएगी रिश्तों की ये लारी

एक-दूसरे के अंदर कमियां नहीं खूबियां ढूंढें

आज पति-पत्नी का रिश्ता मित्रता, प्यार, सहभागिता का बन गया है जिसमें दोनों को एक-दूसरे को समझाने की बजाय दोनों को एक-दूसरे को समझने की कोशिश करनी पड़ती है तभी एक वैवाहिक जीवन की कल्पना की जा सकती है। तो आइए आज हम आपको बताते हैं कि वैवाहि जीवन में पति पत्नी एक-दूसरे से मधुर रिश्ता कैसे बनाएं।

प्यार से समझाने का करें प्रयास

पति-पत्नी एक-दूसरे की कमी ढूंढने की बजाय अगर वे समझदारी से काम लें और खुद को बदलने का प्रयास करें, तभी दांपत्य जीवन की गाड़ी प्रेमपूर्वक चल सकती है, लेकिन कितने विवाहित जोड़ों के बीच यह समझदारी होती है? शायद बहुत कम। तभी ये प्यार भरे रिश्ते टूटते हैं। अक्सर ऐसा देखा जाता है की पत्नियां पतियों में कमियां ढूंढती हैं। इन्हें कपड़े पहनने का सलीका नहीं, इन्हें ठीक से बात करना नहीं आता, इनका स्वभाव बेरुखा है और न जाने क्या-क्या। पति कुछ दिन तो सहता है, और जब पति के अहं को चोट पहुंचती है तो ये प्यार तकरार में तब्दील हो जाती है। ये रिश्ता टूटने से बच सकता है। पत्नी समझदारी से काम लेती। पति को वक्त बेवक्त टोकने की बजाय प्यार व अधिकार से उसे बदलने का प्रयास करती है तो मामला इतना टेढ़ा नहीं होता है। अगर आपको अपने पति की कोई आदत पसंद नहीं तो उनको प्यार से व सूझबूझ से समझाएं कि अगर वह ऐसा करेंगे तो उसे अच्छा लगेगा। इस तरह आप पति को बदलने की कोशिश कर सकती हैं।

अधिक काम करिए, स्वस्थ और खुश रहिए

अभी तक यह समझा जाता रहा है कि अधिक काम स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, लेकिन हाल ही में किए गए एक शोध से यह बात सामने आई है कि जो लोग अधिक काम करते हैं, वे अन्य व्यक्तियों की तुलना में अधिक खुश व अधिक स्वस्थ रहते हैं। यहां अधिक काम से तात्पर्य यह है कि वे अपने काम से प्यार करते हैं, इसलिए वे देर रात तक अपने कार्य में लगे रहते हैं, अपने परिवार और काम के बीच संतुलन बनाए रखते हैं, विचारशील व विवेकी होते हैं। अगर आप ऐसे नहीं हैं तो ऐसे बन जाइए ताकि आप भी स्वस्थ व खुश रहें।

रेसिपी

कैप्सिकम टोस्ट सैंडविच

सामग्री

8 ब्रैड के सलाइस
2 प्याज (बारीक कटे)
2 टमाटर (बारीक कटे)
2 शिमला मिर्च (बारीक कटे)
1 कप पनीर (कद्दूकस किया)
काली मिर्च आवश्यकतानुसार , 1चम्मच ड्राई ओरिगेनो, नमक स्वादानुसार
आधा कप मक्खन, 1 चम्मच घी

विधि

सबसे पहले एक फ्राई पैन में घी डाले। अब उसमें प्याज डालकर एक मिनट तक भूने और इसमे टमाटर, शिमला मिर्च, नमक और मिर्च डाल कर मिक्स कर दें। इसके बाद ओरिगेनो डालकर सारी सामग्री को अच्छी तरह से मिक्स कर लें। फिर इसमें थोड़ा सा पनीर मिलाएं। दूसरी तरफ ब्रैड पर मक्खन लगाएं और मिक्सचर को ब्रैड के पीस पर अच्छी तरह फैलाएं। दूसरे ब्रेड के टुकड़े को उसके ऊपर रखकर ढक दें। इसी तरह सभी सैंडविच तैयार कर लें। अब इन्हें इलेक्ट्रिक टोस्टर में या सैंडविच मेकर मे रखकर दोनों तरफ मक्खन लगाकर गोल्डन ब्राउन होने तक सेकते रहें। इसके बाद इन्हें कटर की सहायता से काट लें। अब यमी कैप्सिकम टोस्ट सैंडविच बन कर तैयार हो गए हैं इसे आप टोमैटो सॉस के साथ सबको परोस सकते हैं।

कहीं आप भी 'फोमो' के शिकार तो नहीं

अगर आप फेसबुक, ट्विटर और व्हाट्सएप के बिना एक पल भी नहीं रह पाते हैं तो ये आपके लिए खतरनाक हो सकता है। हो सकता है कि आप 'फोमो' यानि 'फीयर ऑफ मिसिंग आउट' के शिकार हों। स्मार्टफोन के जरिए अपने दोस्तों और हर पल होने वाली बातों के टच में रहने की लगातार इच्छा आपको 'फोमो' का शिकार बना सकती है। क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट रीपेन सिप्पी की मानें तो जिन लोगों को सोशल मीडिया की आदत हो चुकी है, इससे दूर रहने पर वे 'फोमो' का शिकार हो जाते हैं। ऐसे लोग जब ज्यादा देर तक सोशल मीडिया से दूर रहते हैं तो उन्हें बेचैनी-सी महसूस होती है। वहीं कंसल्टेंट क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट आशिमा श्रीवास्तव का कहना है कि 'फोमो' सोशल एंजाइटी का रूप है । 'फोमो' की स्थिति में एक व्यक्ति खुद से जुड़ी सभी बातें सोशल मीडिया पर शेयर करने का दबाव महसूस करता है।

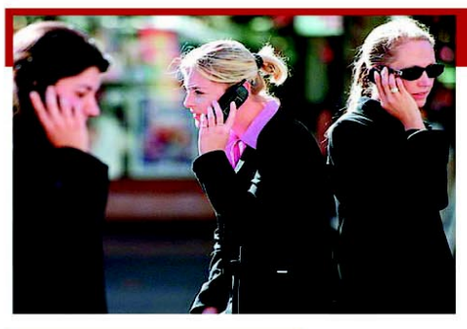

रिश्तों पर बुरा असर

लोगों को वर्चुअल वर्ल्ड में जीने की इतनी आदत हो जाती है कि वे रीयल लाइफ सिचुएशंस को फेस ही नहीं कर पाते। यही बातें दूसरों के साथ उनके रिश्तों में भी असंतुलन पैदा कर देती हैं और रीयल लाइफ की किसी परिस्थिति में वे जल्दी प्रतिक्रिया ही नहीं दे पाते। ऐसे में दोस्तों और परिजनों के साथ उनके रिश्ते बिगड़ने लगते हैं।

जब नहीं मिलता अटेंशन...

बहुत सारे लोग जिन्हें रीयल लाइफ में प्यार और अटैंशन नहीं मिलता वे इन चीजों को वर्चुअल वर्ल्ड में ढूंढना शुरू कर देते हैं। जब उन्हें वर्चुअल वर्ल्ड में ये सब कुछ मिलता रहता है, वे खुश रहते हैं पर जिस पल उन्हें अटैंशन मिलना बंद हो जाता है, 'फोमो' फोबिया उन पर हावी हो जाता है। साइकोलॉजिकली या सोशियलर अगर आप सामने वाले से खुद को कमतर पाते हैं तो ये सारी बातें आपको परेशान करने लगती हैं। ऐसे में आपके मन में 'फीयर ऑफ मिसिंग आऊट' जैसी बातें आने लगती हैं।

सोशल बिहेवियर पर असर

मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि सिर्फ 'फोमो' ही नहीं, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के ज्यादा इस्तेमाल से सोशल बिहैवियर पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। इससे वयस्कों, युवाओं और यहां तक कि स्कूल जाने वाले बच्चों के वर्क परफॉर्मेंस पर असर पड़ता है। वे अंतर्मुखी होने लगता है और सामान्यतः लोगों को खुश करने वाली बातों से भी उसे खुशी नहीं होती।

आपके भीतर पैदा कर देता है 'डर'

'फोमो' में एक व्यक्ति के भीतर डर विकिसत होने लगता है कि वह जरूरी अपडेट्स और महत्वपूर्ण इवेंट्स को मिस कर देगा। इसी डर की वजह से वह लगातार अपने मोबाइल फोन को चेक करता रहता है। सामान्यतः कोई व्यक्ति 'फोमो' के शिकंजे में तब आता है, जब वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर खुद को उपेक्षति या अकेला महसूस करने लगता है ।

दलिया और सेब की रेसिपी

सामग्री

दलिया एक चौथाई कप
सेब आधा कप बारीक टुकड़ो में कटे हुए
दूध 1 लीटर
ब्राउन शूगर या शहद

विधि

दलिया और सेब की रेसिपी बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन लें। अब उसमें दूध डाल कर उबाला आने तक पकाएं। जब दूध को उबाला आ जाए तो इसमें दलिया डालें। अब इसे दस मिनट तक पकाते रहे। जब दलिया गल जाए तब इसमे सेब डाल दें। अब इसमें अपनी इच्छा अनुसार चीनी या शहद मिला कर गैस को बंद कर दें। अब दलिया और सेब की डिश बनकर तैयार है। इसे आप ठंडा या गर्म किसी तरह भी खा सकते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)